नई सोच एक्सप्रेस

हर खबर पर पैनी नजर

(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

पेज : 12

वैभव को जगह देने सैमसन या ईशान को हटाने...

www.naisochlive.com | पटना, शनिवार, 04 जुलाई 2026, वर्ष- 09, अंक- 130, पृष्ठ-12, मूल्य - 3:00 | naisochexpress@gmail.com

पीएम एक लाख करोड़ से ज्यादा की योजनाओं की सौगात देंगे

4 जुलाई को राजस्थान और गुजरात का दौरा

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 4 जुलाई को राजस्थान और गुजरात का दौरा करेंगे। इस दौरान वे अहम इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन करेंगे। मॉडिफाइड उड़ान स्कीम लॉन्च करेंगे और करीब 1.06 लाख करोड़ रुपए की कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय से जारी एक प्रेस रिलीज के अनुसार, सुबह लगभग 10:45 बजे प्रधानमंत्री जोधपुर एयरपोर्ट के टर्मिनल बिल्डिंग का उद्घाटन करेंगे और जोधपुर में मॉडिफाइड यूडीएएन स्कीम लॉन्च करेंगे। इसके बाद दोपहर लगभग 12:15 बजे वे बालोतरा जाएंगे और करीब 1.06 लाख करोड़ रुपए के डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स राष्ट्र को समर्पित करेंगे और उनकी आधारशिला रखेंगे। इस मौके पर वे एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री गुजरात जाएंगे। शाम करीब 4:30 बजे प्रधानमंत्री अहमदाबाद के साणंद में सेमीकंडक्टर असेंबली एंड टेस्ट सुविधा का उद्घाटन करेंगे। इस मौके पर वे लोगों को संबोधित भी करेंगे।

रिफाइनरी-कम-पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स समर्पित करेंगे : प्रधानमंत्री बालोतरा में लगभग 1.06

लाख करोड़ रुपए की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। इन परियोजनाओं में पेट्रोकेमिकल्स, शहरी परिवहन, रेलवे, सड़कें, रिन्यूएबल एनर्जी और बिजली ट्रांसमिशन जैसे कई सेक्टर शामिल हैं। प्रधानमंत्री बालोतरा के पचपदरा में भारत के पहले ग्रीनफील्ड इंटीग्रेटेड रिफाइनरी-कम-पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स को देश को समर्पित करेंगे। हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और राजस्थान सरकार के जॉइंट वेंचर के तौर पर विकसित 9 मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष क्षमता वाले इस कॉम्प्लेक्स को 79450 करोड़ रुपए से ज्यादा के निवेश से बनाया गया है। इस प्रोजेक्ट से भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने, पेट्रोकेमिकल के मामले में आत्मनिर्भरता बढ़ाने और औद्योगिक विकास को गति देने में अहम भूमिका निभाने की उम्मीद है।

जोधपुर में मॉडिफाइड उड़ान स्कीम लॉन्च करेंगे

एविएशन सेक्टर को बड़ा बढ़ावा देते हुए प्रधानमंत्री जोधपुर में मॉडिफाइड उड़ान स्कीम लॉन्च करेंगे। अगले 10 सालों में 28840 करोड़ रुपए के आवंटन के साथ इस योजना का उद्देश्य एविएशन-आधारित विकास के अगले चरण में तेजी लाना है। इस योजना का मुख्य जोर देश भर में एविएशन इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाना है। इस कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री जोधपुर एयरपोर्ट पर नए टर्मिनल बिल्डिंग का उद्घाटन भी करेंगे। 480 करोड़ रुपए की लागत से तैयार 23000 वर्ग मीटर से ज्यादा इलाके में फैली इस नई टर्मिनल बिल्डिंग को हर साल 20 लाख यात्रियों की सुविधा के हिसाब से डिजाइन किया गया है। जोधपुर एयरपोर्ट पर नई टर्मिनल बिल्डिंग के उद्घाटन से इस इलाके में टूरिज्म, व्यापार और रोजगार के मौकों को बड़ा बढ़ावा मिलेगा।

ट्रांसमिशन लाइन का उद्घाटन भी करेंगे

प्रधानमंत्री राजस्थान रिन्यूएबल एनर्जी जोन से बिजली पहुंचाने के लिए 1900 करोड़ रुपए से ज्यादा की लागत से बनी ट्रांसमिशन लाइन का उद्घाटन भी करेंगे। साथ ही 530 किलोमीटर लंबे पावर ट्रांसमिशन सिस्टम की आधारशिला रखेंगे। ये ट्रांसमिशन सिस्टम राजस्थान में बनने वाली रिन्यूएबल एनर्जी को आगे पहुंचाने में मदद करेंगे और राज्य में बिना रुकावट बिजली सप्लाई सुनिश्चित करने में सहायक होंगे। प्रधानमंत्री राजस्थान सरकार के अलग-अलग विभागों में भर्ती हुए लगभग 54000 युवाओं को नियुक्ति पत्र भी सौंपेंगे।

सरकार ने इंस्टाग्राम पर बाल यौन शोषण कंटेंट को बढ़ावा देने वाले विज्ञापनों पर मेटा को किया तलब

नई दिल्ली। केन्द्र सरकार ने इंस्टाग्राम पर बाल यौन शोषण सामग्री को बढ़ावा देने वाले विज्ञापनों को लेकर मेटा को तलब किया है। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मामले की गंभीरता को देखते हुए अपने मंत्रालय के अधिकारियों को ऐसा करने के निर्देश दिए थे। सूत्रों के अनुसार, मंत्री ने अपने मंत्रालय के अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे इस गंभीर मामले में मेटा से जवाब तलब करें और यह स्पष्ट करें कि ऐसे विज्ञापन प्लेटफॉर्म पर कैसे प्रसारित हुए। मंत्रालय इस पूरे मामले में कंपनी से विस्तृत स्पष्टीकरण मांगेगा। एक मीडिया जांच रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इंस्टाग्राम पर रेप वीडियो और चाइल्ड वीडियो जैसे शब्दों का इस्तेमाल कर भुगतान किए गए विज्ञापन चलाए जा रहे थे। रिपोर्ट के अनुसार, इन विज्ञापनों के जरिए उपयोगकर्ताओं को ऐसे टेलीग्राम चैनलों तक पहुंचाया जा रहा था, जहां कथित तौर पर बाल यौन शोषण सामग्री (सीएसएएम) 99 रुपये जैसी कम कीमत पर बेची जा रही थी। फिलहाल मेटा की ओर से इस मामले पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

सिंधु जल संधि पर भारत अपने रुख पर कायम

- अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान की आपत्तियां खारिज
- हेग स्थित कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन की प्रक्रिया पर भारत ने उठाए सवाल

एजेंसी। नई दिल्ली

सिंधु जल संधि को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच विवाद एक बार फिर गहरा गया है। भारत ने हेग स्थित कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन (सीओए) की कार्यवाही और उसके एकतरफा फैसले को मानने से इनकार करते हुए स्पष्ट किया है कि संधि के प्रावधानों की अनदेखी कर शुरू की गई किसी भी प्रक्रिया का कोई कानूनी आधार नहीं है। भारत के इस रुख के बाद पाकिस्तान के कई नेताओं ने तीखी प्रतिक्रियाएं दी हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार भारत का कहना है कि सिंधु जल संधि में विवादों के समाधान के लिए चरणबद्ध प्रक्रिया निर्धारित है। नई दिल्ली के अनुसार, तकनीकी विवादों पर पहले न्यूट्रल एक्सपर्ट की नियुक्ति का प्रावधान है और उसके बाद ही अन्य कानूनी विकल्पों पर विचार किया जा सकता है। भारत का आरोप है कि इस प्रक्रिया का पालन किए बिना समानांतर मध्यस्थता शुरू की गई, जिसे उसने स्वीकार नहीं किया। मनोहर पर्रिकर इंस्टीट्यूट फॉर डिफेंस स्टडीज एंड एनालिसिस के महानिदेशक सुजान चिनॉय ने अपने एक विश्लेषण में कहा है, कि भारत ने संधि को स्थगित करने से पहले विश्व बैंक से न्यूट्रल एक्सपर्ट नियुक्त करने का अनुरोध किया था। वहीं पाकिस्तान ने समानांतर रूप से कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन के जरिए कानूनी प्रक्रिया शुरू करने की मांग की। तत्कालीन विश्व बैंक अध्यक्ष ने दोनों प्रक्रियाओं को साथ चलाने की मंजूरी दी, जिसे भारत ने संधि की मूल भावना के विपरीत बताया और इस प्रक्रिया में भाग लेने से इनकार कर दिया। भारत ने यह भी स्पष्ट किया है कि उसका विरोध कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन की वैधानिकता को लेकर है, न कि परमानेंट कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन (पीसीए) जैसी संस्था के अस्तित्व को लेकर। सरकार का कहना है कि वह अंतरराष्ट्रीय कानूनों और नियम-आधारित व्यवस्था का सम्मान करती है, लेकिन प्रक्रियाओं का पालन भी उतना ही आवश्यक है। विश्लेषकों का कहना है कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ऐसे उदाहरण पहले भी सामने आए हैं, जब विभिन्न देशों ने कुछ अंतर्राष्ट्रीय न्यायिक या मध्यस्थता संबंधी फैसलों को स्वीकार नहीं किया। वहीं भारत ने 2014 में बंगाल की खाड़ी समुद्री सीमा विवाद में संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून संधि (यूएनसीएलओएस) के फैसले को स्वीकार कर अंतर्राष्ट्रीय नियमों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता भी प्रदर्शित की थी।

संक्षिप्त समाचार

विपक्षी दलों ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली, एसआईआर को लेकर केंद्र पर साधा निशाना

नई दिल्ली। देश के प्रमुख विपक्षी दलों ने शुक्रवार को एक साझा पत्र जारी कर चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली, विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया और केंद्रीय जांच एजेंसियों के दुरुपयोग को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी समेत इंडी गठबंधन के कई शीर्ष नेताओं के हस्ताक्षर वाले इस पत्र में चुनाव प्रणाली में पारदर्शिता की कमी और लोकतंत्र के भविष्य पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई है। विपक्षी नेताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की ओर से शुरू की गई एसआईआर प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाए हैं। इसमें पश्चिम बंगाल का जिक्र करते हुए कहा कि राज्य में लॉजिकल विसंगतियों जैसी नई श्रेणियों के तहत करीब 27 लाख लोगों को वोट देने के अधिकार से वंचित कर दिया गया। पत्र में आरोप लगाया गया कि मतदाता सूची से डुप्लीकेट और मृत मतदाताओं के नाम हटाने के बहाने बड़ी संख्या में वास्तविक मतदाताओं के नाम मनमाने ढंग से हटा दिए गए। इस संबंध में गठित 19 ट्रिब्यूनल में से एक ने पाया कि उनके सामने आए 1777 मामलों में से 1717 नाम (96 प्रतिशत) गलत तरीके से हटाए गए थे।

ओम बिरला समेत कई नेताओं ने अमर शहीद कैप्टन मनोज कुमार पांडेय को किया नमन

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला समेत कई नेताओं ने कारगिल युद्ध में अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले परमवीर चक्र विजेता अमर शहीद कैप्टन मनोज कुमार पांडेय के बलिदान दिवस पर उन्हें नमन किया है। बिरला ने शुक्रवार को एक्स पोस्ट में कैप्टन मनोज कुमार पांडेय के बलिदान दिवस पर उन्हें नमन करते हुए कहा कि कारगिल संघर्ष के दौरान बटालिक क्षेत्र में उन्होंने साहस, नेतृत्व और राष्ट्र के प्रति समर्पण का परिचय दिया। कठिन परिस्थितियों में भी अपने साथियों का नेतृत्व करते हुए उन्होंने मातृभूमि की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। उनका साहस, कर्तव्यनिष्ठा और बलिदान भारतीय सेना के इतिहास में सदैव स्मरणीय रहेगा। कैप्टन पांडेय का जीवन और राष्ट्र के प्रति उनका समर्पण आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि मां भारती के गौरव की रक्षा के लिए मर-मिटने वाले मनोज कुमार पांडे जैसे वीर सपूत पर इस माटी के कण-कण को सदैव गर्व रहेगा। केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि मनोज कुमार पांडेय का अद्वितीय पराक्रम, अटूट राष्ट्रभक्ति और सर्वोच्च बलिदान प्रत्येक भारतीय के लिए प्रेरणा का स्रोत है। राष्ट्र सदैव उनके शौर्य और बलिदान का ऋणी रहेगा। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने कैप्टन मनोज कुमार पांडेय के बलिदान दिवस पर नमन करते हुए कहा कि देश की संप्रभुता और अखंडता की रक्षा के लिए उनका सर्वोच्च बलिदान हम सभी को सदैव राष्ट्र सेवा की प्रेरणा देता रहेगा।

पंजाब कांग्रेस में कलहः चन्नी और मनीष तिवारी में खटपट

चंडीगढ़। कांग्रेस आलाकमान भले ही पंजाब में जारी आंतरिक कलह को शांत करने और पार्टी के दिग्गज नेताओं के बीच फिलहाल के लिए समझौता कराने में कुछ सफलता पाई हो, लेकिन पार्टी के भीतर गुटबाजी की दरारें अभी भी बहुत गहरी हैं। सबसे बड़ा पेच अब इस बात पर फंसा है कि क्या अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में मौजूदा लोकसभा सांसदों को टिकट दिया जाना चाहिए या नहीं। यह एक ऐसा मुद्दा है जो पंजाब कांग्रेस में फिर से बड़ा सियासी तूफान खड़ा कर सकता है, क्योंकि पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी समेत मुख्यमंत्री पद के कई बड़े दावेदार इस समय लोकसभा सांसद हैं। सूत्रों के मुताबिक, चरणजीत सिंह चन्नी पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष का पद संभालने के लिए बेहद उत्सुक थे। वे अमरिंदर सिंह राजा वारिंग को ही प्रदेश अध्यक्ष पद

पर बनाए रखने की हरी झंडी देने के बाद आलाकमान से नाराज हैं। हालांकि, आलाकमान ने संतुलन बनाने के लिए वारिंग को अध्यक्ष और प्रताप सिंह बाजवा को विधायक दल का नेता बनाए रखा है, जबकि चन्नी और अन्य वरिष्ठ नेताओं जैसे लोकसभा सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा, अमर सिंह और कांग्रेस के संयुक्त कोषाध्यक्ष विजय इंदर सिंगला को चुनाव से जुड़ी महत्वपूर्ण कमेटियों का प्रमुख बनाकर संतुष्ट करने का प्रयास किया है।

राम मंदिर में चढ़ावा चोरी की घटना दुर्भाग्यपूर्ण, दोषियों को मिले कठोर दंडः राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

एजेंसी। नई दिल्ली

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अयोध्या के राम जन्मभूमि मंदिर में चढ़ावा चोरी की घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए इसके दोषियों को कठोर दंड दिए जाने की मांग की है। संघ ने मंदिर की व्यवस्था संभाल रहे श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास को याद दिलाया कि हिंदू समाज की स्वाभाविक अपेक्षा है कि व्यवस्था एवं संचालन की कमियां दूर की जाएं। संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने शुक्रवार को एक वीडियो संदेश में कहा कि राम मंदिर के दान पात्रों से जमा राशि की चोरी दुर्भाग्यपूर्ण है। इससे समूचे समाज और राम भक्तों की भावना एवं श्रद्धा आहत हुई है। उन्होंने कहा कि संघ सहित संपूर्ण हिंदू समाज की न्यास से स्वाभाविक अपेक्षा है कि इस घोर निंदनीय घटना को असाधारण मान कर गंभीरता से लिया जाए और व्यवस्था एवं संचालन की सभी कमियों को दूर करने के लिए कदम उठाए जाएं। राम मंदिर पर करोड़ों रामभक्तों की आस्था एवं श्रद्धा अखंड एवं अटूट बनी रहनी चाहिए। वर्तमान की भ्रम और असमंजस की स्थिति समाप्त होनी चाहिए। होसबाले ने कहा, "इस दृष्टि से हमारी अपेक्षा है कि सभी आवश्यक पहल मंदिर प्रबंधन और शासन द्वारा गठित विशेष जांच दल करेंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि वित्तीय प्रबंधन एवं सुचारू संचालन के लिए पारदर्शी व्यवस्था एवं शुद्धता और पवित्रता से परिपूर्ण धार्मिक वातावरण तैयार कर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास हिंदू समाज की आस्था एवं विश्वास को सुदृढ़ बनाए रखेगा। उन्होंने कहा कि संघ संपूर्ण हिंदू समाज से भी आह्वान करता है कि इस कठिन क्षण में वह आवश्यक धैर्य और संयम का परिचय दे। साथ ही इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना का लाभ उठाकर हिंदू विरोधी, राष्ट्र विरोधी शक्तियों के हिंदू धर्म एवं समाज को बदनाम करने के षड्यंत्रों को विफल करें। सरकार्यवाह होसबाले ने कहा कि राम जन्मभूमि पर निर्मित भव्य मंदिर पीढ़ियों के संघर्ष और करोड़ों रामभक्तों के समर्पण, त्याग एवं बलिदान के कारण संपूर्ण हिंदू समाज के लिए श्रद्धा, आस्था और भक्ति का केंद्र बना है। न्यास के निवेदन पर उत्तर प्रदेश सरकार ने विशेष जांच दल का गठन कर उसकी अनुशंसा पर क़ानूनी प्रक्रिया प्रारंभ की है। जांच में जो भी दोषी पाए जाएंगे, उन्हें कठोर दंड हो, यह सुनिश्चित करना आवश्यक है।

एनर्जी ड्रिंक' के दावों पर एफएसएसएआई सख्त, कई बेवरेज ब्रांड्स को नोटिस

नई दिल्ली। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने खुद को 'एनर्जी ड्रिंक' बताने वाले कई

बेवरेज ब्रांड्स को मिसब्रांडिंग और भ्रामक दावों के आरोप में नोटिस जारी किया है। एफएसएसएआई के अनुसार, इन उत्पादों की ब्रांडिंग और प्रचार-प्रसार में ऐसे दावे किए गए, जो खाद्य सुरक्षा एवं लेबलिंग नियमों के अनुरूप नहीं पाए गए। इनमें रेड बुल एनर्जी ड्रिंक, स्टिंग एनर्जी ड्रिंक, मॉन्स्टर एनर्जी, कैंपा गोल्ड बूस्ट, एड्रेनालाइन रश, हैल एनर्जी शामिल है। नियामक ने संबंधित कंपनियों से जवाब मांगा है और निर्देश दिया है कि वे भ्रामक दावों तथा गलत ब्रांडिंग को तुरंत सुधारें। नियामक ने इन कंपनियों की मार्केटिंग, लेबलिंग और प्रचार पर कड़ी आपत्ति जताई है। नोटिस में कहा गया है कि गैर-मान्यता प्राप्त शब्दः भारत में 'एनर्जी ड्रिंक' नाम की कोई आधिकारिक खाद्य श्रेणी मौजूद नहीं है। भ्रामक दावे खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2006 के तहत भोजन या पेय पदार्थों पर "दिमाग और शरीर में स्फूर्ति, "फोकस बढ़ाना", "ऊर्जा स्तर को बूस्ट करना" या "आम कमजोरी दूर करना" जैसे चिकित्सीय या कार्यात्मक दावे करना प्रतिबंधित है।

जम्मू से 4822 शिव भक्तों का पहला जत्था रवाना

जम्मू। भक्तों का लंबा इंतजार आखिरकार खत्म हुआ, क्योंकि पवित्र अमरनाथ यात्रा आज से आधिकारिक तौर पर शुरू हो गई। जम्मू के भगवती नगर बेस कैंप से उप-राज्यपाल मनोज सिन्हा ने लगभग 4822 शिव भक्तों के पहले जत्थे को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सुबह, पूजा-अर्चना और पंडितों के वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच, कड़ी सुरक्षा व्यवस्था में वाहनों का पहला काफिला पवित्र गुफा की ओर बढ़ा। उप-राज्यपाल ने सभी यात्रियों को शुभकामनाएं देते हुए उनकी सकुशल यात्रा की प्रार्थना की। उन्होंने अमरनाथ यात्रा को भक्ति और आध्यात्मिक जागृति का एक पवित्र मार्ग बताया, सभी भक्तों

के लिए सुरक्षित, आरामदायक और आध्यात्मिक रूप से संतोषजनक यात्रा की कामना की। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह तीर्थयात्रा सभी के लिए अपार खुशी और दिव्य शांति लाएगी। इस वार्षिक तीर्थयात्रा के सुचारु संचालन के लिए जम्मू-कश्मीर प्रशासन, श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड, जम्मू-कश्मीर पुलिस, सेना, सुरक्षा बलों, स्थानीय लोगों और सभी हितधारकों ने व्यापक इंतजाम किए हैं।

यूपी, बिहार और दिल्ली समेत 15 राज्यों में जमकर बरसेंगे बादल

एजेंसी। नई दिल्ली

देश के अधिकांश इलाकों में मॉनसून की दस्तक के बाद उत्तर प्रदेश, बिहार और दिल्ली समेत 15 राज्यों में भारी बारिश और कहीं कहीं तेज आंधी की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग ने अलर्ट करते हुए कहा है कि आकाशीय बिजली गिरने की आशंका है और सावधान रहने की जरुरत है। मौसम विभाग के मुताबिक पश्चिम बंगाल-ओडिशा के तट पर कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। उत्तर प्रदेश में मॉनसून के दस्तक देने के बाद पूर्वी यूपी में झमाझम बारिश का दौर जारी है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले दो-तीन दिन में ही दक्षिण पश्चिम मॉनसून गुजरात, मध्य प्रदेश के बाकी हिस्सों, पंजाब, राजस्तान और हरियाणा में प्रवेश कर सकता है।

यूपी,बिहार,झारखंड और राजस्थान का मौसमः उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद, बांदा, कानपुर, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, मेरठ, शामली और उन्नाव में हल्की बारिश हो सकती है। इसके अलावा पूर्वी उत्तर प्रदेश के बाराबंकी, गोंडा, अयोध्या, गोरखपुर, संतकबीरनगर, रायबरेली, लखनऊ में हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान है। कई जगहों पर वज्रपात की भी संभावना है। वहीं बिहार के पटना, कैमूर, बक्सर, भोजपुर, कटिहार, किशनगंज, खगड़िया और मुंगेर में मध्यम से भारी बारिश का अनुमान है। इसके अलावा झारखंड के भी कई जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। राजस्थान के जयपुर, भरतपुर, कोटा, जोधपुर, बीकानेर, जैसलमेर, बाड़मेर, अलवर औरअजमेर में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

कई राज्यों में तेज आंधी की भी संभावना

भारत-जापान का रिश्ता बदलती वैश्विक राजनीति और चीनी चुनौती के बीच हो रहा मजबूत

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत और जापान की दोस्ती करीब डेढ़ हजार साल पुरानी सांस्कृतिक विरासत और सात दशक से भी ज्यादा लंबी रणनीतिक साझेदारी की मिसाल है। जब दुनिया के कई देश बदलते वैश्विक समीकरणों के बीच अपने साझेदार बदल रहे हैं, तब भारत और जापान का विश्वास गहरा होता जा रहा है। बदलती वैश्विक राजनीति और चीन की बढ़ती चुनौती के बीच, यह रिश्ता मजबूत हो रहा है, जिसकी झलक पीएम मोदी और जापान की पीएम सनाए ताकाइची के शिखर सम्मेलन में देखने को मिलेगी। यह साझेदारी सिर्फ दोनों देशों के लिए नहीं, बल्कि पूरे इंडो-पैसिफिक क्षेत्र की स्थिरता और वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए भी बेहद अहम है। इस गहरी दोस्ती की जड़ें छठी शताब्दी में भारत से चीन और कोरिया के रास्ते

दोनों देशों की दोस्ती डेढ़ हजार साल पुरानी सांस्कृतिक विरासत और साझेदारी की मिसाल

जापान पहुंचे बौद्ध धर्म में निहित हैं, जिसने जापानी समाज और संस्कृति को प्रभावित किया। आज भी जापान में भगवान बुद्ध के प्रति गहरा सम्मान दिखाई देता है। आधुनिक युग में द्वितीय विश्व युद्ध के बाद भारत जापान के पुनर्निर्माण का समर्थन करने वाले शुरुआती देशों में से था। 1952 में औपचारिक राजनयिक संबंध स्थापित हुए और 2014 में इसे विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी का दर्जा मिला, जिसने आर्थिक, रक्षा और तकनीकी सहयोग को नई दिशा दी। यही कारण है कि आज भारत और जापान को एशिया की सबसे भरोसेमंद रणनीतिक साझेदारियों में गिना जाता है। जापान ने भारत के विकास को केवल कारोबारी नजरिए से नहीं देखा, बल्कि दीर्घकालिक सहयोग की नीति अपनाई है। जापान की आधिकारिक विकास सहायता भारत की सबसे बड़ी विदेशी विकास सहायता में शामिल है। भारत भी जापान के लिए केवल एक बड़ा बाजार नहीं है, दुनिया की सबसे युवा आबादी, तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और लोकतांत्रिक व्यवस्था ने भारत को जापान के लिए एक स्वाभाविक साझेदार बना दिया है।

गांदरबल में सोनमर्ग सुरंग के पास सीआरपीएफ की गाड़ी पलटी, हादसे में 6 जवान घायल

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले में शुक्रवार को एक सड़क हादसे में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के 6 जवान घायल हो गए। श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग पर सोनमर्ग के गगनगीर सुरंग के पास सीआरपीएफ का एक वाहन अचानक अनियंत्रित होकर सड़क से फिसल गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, वाहन का संतुलन बिगड़ने के कारण यह हादसा हुआ। दुर्घटना के समय वाहन में सवार छह जवान घायल हो गए। हादसे के तुरंत बाद राहत एवं बचाव दल मौके पर पहुंचा और सभी जवानों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। घायल जवानों को घटनास्थल पर प्राथमिक उपचार देने के बाद बेहतर इलाज के लिए गुंड स्थित सीआरपीएफ शिविर और नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। अधिकारियों के अनुसार, सभी जवानों का इलाज जारी है। घटना के बाद स्थानीय पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस और संबंधित एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि हादसा चालक से हुई चूक, तकनीकी खराबी या किसी अन्य कारण से हुआ। जांच पूरी होने के बाद ही दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।

15 साल बाद मिला न्याय, पुलिस कस्टडी में बेगुनाह की मौत पर थानेदार समेत 9 पुलिसकर्मियों को उम्रकैद

वाशिम। महाराष्ट्र के वाशिम से एक बेहद सनसनीखेज और न्याय व्यवस्था पर अटूट भरोसा जगाने वाली खबर सामने आई है। करीब 15 साल पहले एक बेगुनाह युवक को पुलिस कस्टडी में बेरहमी से पीट-पीटकर मार डालने के मामले में जिला अदालत ने एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। वाशिम जिला सत्र अदालत ने इस खौफनाक वारदात में शामिल तत्कालीन थानेदार (स्।ह्र) समेत कुल 9 पुलिसकर्मियों को उम्रकैद की सख्त सजा सुनाई है। इस फैसले ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि कानून के हाथ बेहद लंबे होते हैं और भले ही न्याय मिलने में देरी हो, लेकिन दोषियों को उनके किए की सजा जरूर मिलती है।

आधी रात को पूछताछ के बहाने उठाया, फिर पीट-पीटकर ले ली जान : यह पूरा रोंगटे खड़े कर देने वाला मामला 10 मई का है, जो करीब 15 साल पुराना है। रिसोड़ पुलिस ने रात के 3 बजे पारधी समाज से ताल्लुक रखने वाले बेग्या पवार नाम के एक युवक को उसके ही घर से उठाया था। उस वक्त परिजनों से सिर्फ इतना कहा गया था कि वे बेग्या को सामान्य पूछताछ के लिए ले जा रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

नीतीश कुमार की विकासोन्मुखी नीतियों को आगे बढ़ा रही एनडीए सरकार : बिजेंद्र

» बांकीपुर विधानसभा उप-चुनाव एनडीए की जीत शत-प्रतिशत सुनिश्चित : भगवान कुशवाहा

पटना। जदयू प्रदेश कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में उप-मुख्यमंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव एवं मंत्री भगवान सिंह कुशवाहा ने प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए फरियादियों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना। उन्होंने प्राप्त आवेदनों के विधिसम्मत एवं त्वरित निष्पादन के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। मीडिया से बातचीत करते हुए उप-मुख्यमंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव ने कहा कि जिस प्रकार नेशनल हाईवे पर टोल टैक्स वसूला जाता है, उसी प्रकार बिहार सरकार ने स्टेट हाईवे पर भी टोल वसूली का निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि इसका उद्देश्य सड़कों के बेहतर रख-रखाव एवं मेंटेनेंस के लिए आवश्यक रिवेन्यू जुटाना है। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार न्याय के साथ विकास एवं सबका साथ, सबका विकास के सिद्धांत पर कार्य करते हुए नीतीश कुमार की विकासोन्मुखी नीतियों को आगे बढ़ा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि कानून सबके लिए समान है। कोई भी व्यक्ति चाहे किसी भी पद पर हो, यदि वह कानून का उल्लंघन करेगा तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। मंत्री भगवान सिंह कुशवाहा ने भरत तिवारी प्रकरण पर कहा कि मुख्यमंत्री सम्राट चैधरी ने न्यायिक जांच के आदेश दिए हैं। जांच आयोग अपना कार्य कर रहा है और जांच पूरी होने के बाद सभी तथ्य स्वतः सामने आ जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस विषय पर अनावश्यक बयानबाजी से बचना चाहिए। बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के संबंध में श्री कुशवाहा ने कहा कि वहां एनडीए की जीत शत-प्रतिशत सुनिश्चित है। उन्होंने कहा कि प्रशांत किशोर केवल सोशल मीडिया के नेता हैं और जमीनी स्तर पर उनका कोई जनाधार नहीं है।

बिहार के पर्यटन स्थलों पर बनेंगे आधुनिक हाट-बाजार: श्रवण

पटना। बिहार सरकार ग्रामीण क्षेत्रों की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने और महिलाओं की आय बढ़ाने के लिए नई पहल करने जा रही है।अब राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर आधुनिक हाट-बाजार विकसित किए जाएंगे, जहां जीविका दीदियों और किसानों द्वारा तैयार किए गए उत्पादों की बिक्री होगी।इससे स्थानीय उत्पादों को देश-विदेश तक पहचान मिलेगी और ग्रामीण परिवारों की आमदनी बढ़ेगी।आज ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने नाबार्ड और विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में उन्होंने स्पष्ट कहा कि ग्रामीण विकास की सभी योजनाओं में गरीब परिवारों के रोजगार और आजीविका को सबसे अधिक प्राथमिकता दी जाए। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य के प्रमुख पर्यटन केंद्रों पर अत्याधुनिक हाट-बाजार विकसित किए जाएं। इन हाटों में जीविका दीदियों और किसानों के उत्पादों की बिक्री होने से उन्हें बेहतर बाजार मिलेगा। इससे उत्पादों की राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनेगी और ग्रामीण परिवार आर्थिक रूप से मजबूत होंगे।बैठक में गांवों में आधुनिक सुविधाओं से लैस हाट-बाजार बनाने पर भी चर्चा हुई। मंत्री ने कहा कि जहां संभव हो, वहां पुराने और खाली पड़े सरकारी भवनों को विकसित कर हाट-बाजार बनाया जाए। उन्होंने अधिकारियों से पायलट प्रोजेक्ट के तहत विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कराने के लिए विशेषज्ञ एजेंसी की मदद लेने को भी कहा।ग्रामीण विकास विभाग के प्रधान सचिव पंकज कुमार ने अधिकारियों से कहा कि अगले पांच वर्षों के भीतर प्रत्येक ग्राम पंचायत में कम से कम एक हाट तैयार करने की दिशा में काम किया जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि सभी हाटों को डिजिटल मार्केटिंग से जोड़ने की व्यवस्था की जाए, ताकि ग्रामीण उत्पादों की ऑनलाइन बिक्री भी संभव हो सके।उन्होंने निर्देश दिया कि प्रत्येक प्रखंड में कम से कम 10 महिलाओं और युवतियों को प्रशिक्षण दिया जाए। ये प्रशिक्षित महिलाएं आगे अन्य महिलाओं को भी प्रशिक्षण देंगी। बैठक में ग्रामीण युवाओं और महिलाओं को प्लंबर का प्रशिक्षण देने का भी निर्णय लिया गया। मंत्री ने कहा कि गांवों में प्लंबर की मांग लगातार बढ़ रही है। ऐसे में जरूरतमंद लोगों को प्रशिक्षण देकर रोजगार उपलब्ध कराया जा सकता है।मंत्री श्रवण कुमार ने पश्चिम चंपारण, मुंगेर, नवादा सहित अन्य पहाड़ी इलाकों में बकरी पालन को बढ़ावा देने का प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया। इन क्षेत्रों में पशुपालन रोजगार का बेहतर साधन बन सकता है। इससे गरीब परिवारों, खासकर महिलाओं और आदिवासी समुदायों की आय बढ़ेगी। अधिकारियों को लोगों को जागरूक करने और इस दिशा में विशेष योजना तैयार करने को भी कहा गया।

पटना नगर निगम द्वारा जलापूर्ति प्रमंडल के तीन अभियंताओं के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई

पटना। पटना नगर निगम नागरिकों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी उद्देश्य से मुख्यालय स्तर पर सभी अंचलों एवं प्रमंडलों द्वारा संचालित कार्यों, प्राप्त शिकायतों के निष्पादन तथा विभिन्न परियोजनाओं की नियमित एवं गहन समीक्षा की जाती है।इसी क्रम में जलापूर्ति प्रमंडल की विभिन्न परियोजनाओं की समीक्षा के दौरान यह पाया गया कि कई जलापूर्ति योजनाओं की प्रगति अत्यंत धीमी है। साथ ही कार्यों के निष्पादन में अपेक्षित रुचि नहीं ली जा रही थी तथा वरीय पदाधिकारियों के निदेशों की भी लगातार अवहेलना की जा रही थी। इस संबंध में श्री शशि भूषण, सहायक अभियंता (असैनिक) एवं श्री सौरभ आनंद, सहायक अभियंता (असैनिक) से स्पष्टीकरण मांगा गया। हालांकि, उनके द्वारा प्रस्तुत जवाब संतोषजनक नहीं पाया गया। जलापूर्ति जैसी अत्यंत महत्वपूर्ण एवं जनहित से जुड़ी योजनाओं के क्रियान्वयन में शिथिलता बरतने तथा विभागीय अनुशासन के प्रति उदासीनता प्रदर्शित करने के कारण पटना नगर निगम ने दोनों अभियंताओं के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की अनुशंसा करते हुए नगर विकास एवं आवास विभाग, बिहार सरकार को उनके विरुद्ध प्रपत्र 'क' गठित करने का प्रस्ताव भेजा है।इसके अतिरिक्त, विनोद कुमार तिवारी, कनीय अभियंता (यांत्रिक), जलापूर्ति प्रमंडल के विरुद्ध भी कार्रवाई की अनुशंसा की गई है। रिपोर्टिंग कार्य के दौरान उनके द्वारा नियंत्रण कक्ष के एक कर्मी के साथ अभद्र व्यवहार एवं अमर्यादित भाषा का प्रयोग किए जाने का मामला संज्ञान में आया। अनुशासनहीनता, स्वेच्छाचारिता तथा पदीय दायित्वों के निर्वहन में घोर लापरवाही को देखते हुए निगम ने उनकी सेवा उनके पैतृक विभाग, पथ निर्माण विभाग, बिहार सरकार को वापस करने की अनुशंसा की है।पटना नगर निगम ने सभी अवसरों पर स्पष्ट किया है कि जनहित से जुड़े कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही, अनुशासनहीनता अथवा दायित्वों के प्रति उदासीनता को किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नागरिकों को बेहतर एवं समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराना निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

नीतीश कुमार के भ्रष्टाचार मुक्त बिहार के संकल्प को नई गति दे रही है एनडीए सरकार : जदयू

पटना। जदयू प्रदेश प्रवक्ता परिमल कुमार, प्रदेश प्रवक्ता हिमराज राम एवं मीडिया पैनलिस्ट डा मधुरेंदु पांडेय ने जारी बयान में कहा कि बिहार में नीतीश कुमार की भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति को वर्तमान एनडीए सरकार और अधिक प्रभावी एवं मजबूत बनाने की दिशा में लगातार ठोस कदम उठा रही है। इसी कड़ी में सभी नौ प्रमंडलों में स्पेशल विजिलेंस कोर्ट की स्थापना का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है। इसके साथ ही प्रत्येक जिले में निगरानी थाना तथा सभी अनुमंडलों में निगरानी ओपी स्थापित किए जाएंगे, ताकि भ्रष्टाचार के मामलों की त्वरित जांच और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित हो सके। भ्रष्टाचार के मामलों में सरकारी गवाहों को परिवहन भत्ता उपलब्ध कराने का निर्णय भी सरकार की गंभीर प्रतिबद्धता को दर्शाता है।यह निर्णय नीतीश कुमार द्वारा वर्षों से स्थापित उस सुदृढ़ व्यवस्था का विस्तार है, जिसके तहत बिहार में भ्रष्टाचार के विरुद्ध कठोर और संस्थागत कार्रवाई की परंपरा विकसित हुई। वर्ष 2006 में सरकार ने निगरानी अन्वेषण ब्यूरो को अधिक सशक्त बनाया और भ्रष्टाचार के मामलों में कार्रवाई को गति दी। इसके बाद विशेष न्यायालय अधिनियम लागू कर भ्रष्टाचार में संलिप्त लोकसेवकों की अवैध संपत्ति जब्त करने का प्रावधान किया गया, जो पूरे देश में एक अनुकरणीय पहल साबित हुई।

ग्रीनफील्ड सैटेलाइट टाउनशिप के विकास के लिए नगर विकास एवं आवास विभाग और HUDCO के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।बिहार सरकार ने राज्य के शहरी परिदृश्य को आधुनिक और विश्वस्तरीय बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। शुक्रवार को राजधानी पटना में नगर विकास एवं आवास विभाग और हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (HUDCO) के बीच 1 लाख करोड़ रुपये के दीर्घकालिक वित्तपोषण के लिए एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए गए। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की उपस्थिति में संपन्न यह समझौता बिहार में सुनियोजित शहरीकरण का नया अध्याय शुरू करेगा। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव, विभाग के मंत्री नीतीश मिश्रा, सचिव संदीप कुमार आर. पुडकलकट्टी, मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, विशेष सचिव नीलेश रामचंद्र देवड़े, नगर विकास विभाग के प्रधान सचिव विनय कुमार और HUDCO के सीएमडी संजय कुलश्रेष्ठ सहित राज्य सरकार के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने इसे आधुनिक और विकसित बिहार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। परियोजना के अंतर्गत राज्य में 12 आधुनिक और हाईटेक सैटेलाइट टाउनशिप का निर्माण किया जाएगा। इन टाउनशिप का विकास कुल 3 लाख एकड़ से अधिक क्षेत्र में करने की योजना है। HUDCO के माध्यम से 1 लाख करोड़ रुपये का सीधा निवेश किया जाएगा, जबकि निजी और संस्थागत क्षेत्रों से लगभग 6 लाख करोड़ रुपये का अतिरिक्त निवेश आकर्षित करने का लक्ष्य है। परियोजना को सफल और पारदर्शी बनाने के लिए सरकार 'लैंड पुलिंग मॉडल' अपनाएगी, जिससे किसानों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित होगी। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने आश्वस्त किया कि भूमि अधिग्रहण के बदले मुआवजे के लिए आवेदन करने वाले किसानों को 30 दिनों के भीतर भुगतान की प्रक्रिया पूरी कर दी जाएगी। प्रस्तावित सैटेलाइट टाउनशिप भविष्य की जरूरतों के अनुरूप 'स्मार्ट और टिकाऊ' शहरों के रूप में विकसित होंगी। इनमें विश्वस्तरीय सड़क नेटवर्क और सीवरेज सिस्टम, अत्याधुनिक शिक्षा संस्थान और अस्पताल और व्यावसायिक परिसर के साथ हरित क्षेत्र शामिल होगा। सरकार का मानना है कि यह परियोजना न केवल शहरी आबादी के दबाव को कम करेगी, बल्कि निर्माण क्षेत्र में तेजी लाकर लाखों लोगों के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा करेगी। इस योजना के माध्यम से बिहार का लक्ष्य अपने शहरीकरण के स्तर को 35 प्रतिशत तक पहुंचाना है। यह समझौता बिहार को औद्योगिक और आर्थिक केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक बड़ी पहल है, जिससे राज्य में निवेश का एक नया पारिस्थितिकी तंत्र तैयार होगा।

बाकीपुर उपचुनाव को लेकर तेज हुई सियासी सरगर्मी, उम्मीदवार चयन पर उठे सवाल

नई सोच एक्सप्रेस

फतुहा।बाकीपुर विधानसभा उपचुनाव की अधिसूचना 6 जुलाई को जारी होने के साथ चुनावी प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। नामांकन की अंतिम तिथि 13 जुलाई, मतदान 30 जुलाई तथा मतगणना 3 अगस्त को प्रस्तावित है। उपचुनाव की घोषणा के साथ ही क्षेत्र में राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। भाजपा नेता डॉ. लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि उपचुनाव में सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न भाजपा के उम्मीदवार चयन का है। उन्होंने कहा कि उम्मीदवार का चयन केवल जातीय समीकरण के आधार पर नहीं, बल्कि उसके चरित्र, ईमानदारी, जनसेवा और जनता के बीच सक्रियता को ध्यान में रखकर किया जाना चाहिए। उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि लोकतंत्र में योग्य और जनसेवी उम्मीदवार को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। डॉ. पटेल ने केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, विशेषकर मुद्रा योजना सहित स्वरोजगार, आवास, स्वास्थ्य, किसान और महिला सशक्तिकरण से जुड़ी योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि इनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने कहा कि बाकीपुर की जनता ऐसा जनप्रतिनिधि चाहती है जो चुनाव के बाद भी क्षेत्र में सक्रिय रहकर लोगों की समस्याओं का समाधान करे। उल्लेखनीय है कि उपचुनाव को लेकर विभिन्न राजनीतिक दलों के संभावित उम्मीदवारों को लेकर भी चर्चाएं तेज हैं।

लोकमंच ने शंभू मेहता को बनाया पटना महानगर संयोजक

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।भारतीय लोकमंच पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री साधु शरण पांडे के निर्देश तथा राष्ट्रीय प्रधान महासचिव श्री कुणाल सिकंद के मार्गदर्शन में समाजसेवी श्री शंभू नाथ उर्फ शंभू मेहता को भारतीय लोकमंच पार्टी का पटना महानगर संयोजक मनोनीत किया गया है। इस अवसर पर राष्ट्रीय प्रधान महासचिव श्री कुणाल सिकंद ने कहा कि श्री शंभू मेहता लंबे समय से सामाजिक और राजनीति कार्यों में सक्रिय रहे हैं तथा संगठन को मजबूत बनाने की उनकी क्षमता और जनसेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में पटना महानगर में पार्टी का संगठन नई ऊँचाइयों तक पहुँचेगा और जनहित के मुद्दों पर पार्टी की सक्रियता और अधिक बढ़ेगी। श्री शंभू मेहता के मनोनयन पर राष्ट्रीय महासचिव धर्मेंद्र कुमार पासवान, राष्ट्रीय सचिव संजय कुमार बॉबी, पटना महानगर महासचिव संतोष कुमार, छात्र प्रदेश संगठन सचिव सह सारण प्रभारी प्रिंस कुमार सिंह, नेत्री सुश्री प्रकाम्या श्रीवास्तव, नेत्री रेखा प्रसाद, अधिवक्ता राहुल सिन्हा, मो० अफसर अंसारी सहित पार्टी के अनेक पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। सभी नेताओं ने आशा व्यक्त की कि श्री शंभू मेहता के नेतृत्व में पटना महानगर में संगठन और अधिक सुदृढ़ एवं सक्रिय होगा तथा भारतीय लोकमंच पार्टी की जनहितकारी नीतियों और विचारों को आम जनता तक प्रभावी ढंग से पहुँचाने का अभियान और तेज होगा।

कृषि शिक्षा, प्राकृतिक खेती एवं कृषि नवाचार को नई दिशा देने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : विजय

नई सोच एक्सप्रेस

» कृषि विश्वविद्यालय में गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं नवाचार को सर्वोच्च प्राथमिकता

पटना।कृषि मंत्री,विजय कुमार सिन्हा ने कृषि भवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर की समीक्षात्मक बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में विश्वविद्यालय की शैक्षणिक, अनुसंधान, प्रसार, प्रशासनिक एवं वित्तीय गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की गई तथा कृषि शिक्षा को रोजगारोन्मुख, अनुसंधान आधारित एवं किसान हितैषी बनाने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण निदेश दिए गए। बैठक के दौरान मंत्री ने विश्वविद्यालय में स्वीकृत शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर पदों पर बड़ी संख्या में रिक्तियां रहने पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने निदेश दिया कि रिक्त पदों को सूची तैयार कर रिक्तियों को बिहार लोक सेवा आयोग एवं बिहार कर्मचारी चयन आयोग के माध्यम से नियमानुसार जल्द भरने की प्रक्रिया सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कृषि महाविद्यालयों में नामांकन की स्थिति की समीक्षा करते हुए निदेश दिया कि राज्य के सभी कृषि महाविद्यालयों में उपलब्ध सीटों पर वेटिंग लिस्ट बनाकर शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, कृषि शिक्षा के क्षेत्र में उपलब्ध रोजगार, स्टार्टअप, उद्यमिता एवं सरकारी योजनाओं की जानकारी युवाओं तक व्यापक रूप से पहुंचाई जाए, ताकि अधिकाधिक छात्र-छात्राएं कृषि शिक्षा से जुड़ें।मंत्री ने राज्य में प्राकृतिक खेती को जनआंदोलन का स्वरूप देने पर बल देते हुए कहा कि कृषि छात्रों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग पर चिंता व्यक्त करते हुए निदेश दिया कि कृषि महाविद्यालयों के छात्र प्राकृतिक खेती के प्रचार-प्रसार एवं किसानों के प्रशिक्षण कार्यक्रमों से जुड़ें।उन्होंने निदेश दिया कि राज्य के सभी कृषि महाविद्यालयों में एग्री स्टैक, फार्मर आईडी, मिट्टी जांच एवं प्राकृतिक खेती विषयों पर विशेष सत्र आयोजित किए जाएं। इससे छात्रों को नवीन कृषि तकनीकों की जानकारी मिलने के साथ-साथ एग्री स्टैक-फार्मर आईडी अभियान को भी गति मिलेगी। उन्होंने यह भी निदेश दिया कि सरकारी विद्यालयों में स्थापित मिनी मिट्टी जांच प्रयोगशालाओं से कृषि छात्रों को जोड़ा जाए, ताकि उन्हें व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त हो सके।बैठक में कृषि आधारित स्टार्टअप एवं नवाचार को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया गया। माननीय मंत्री ने विश्वविद्यालय द्वारा विकसित स्टार्टअप को अतिरिक्त सहयोग उपलब्ध कराने तथा उद्योग विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर कृषि उद्यमिता को प्रोत्साहित करने का निदेश दिया। उन्होंने कहा कि कृषि स्नातकों को स्वरोजगार एवं नवाचार के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराया जाए। मंत्री ने विश्वविद्यालय की फूड टेस्टिंग प्रयोगशाला को अत्याधुनिक, पारदर्शी एवं उच्च गुणवत्ता मानकों के अनुरूप विकसित करने का निदेश दिया। साथ ही कृषि विषय में शिक्षित छात्र-छात्राओं को कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं में प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में जन सुराज पार्टी भी अपना प्रत्याशी उतारेगी

नई सोच एक्सप्रेस

» पार्टी के सूत्रधार प्रशांत किशोर के चुनाव लड़ने की संभावना

पटना।बांकीपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव का ऐलान होते ही सियासी घमासान तेज हो गया है। सभी राजनीतिक दल अपनी-अपनी तैयारियों में जुट गए हैं। इस बीच गुरुवार को प्रशांत किशोर की पार्टी जन सुराज ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस यह घोषणा की है कि उनकी पार्टी बांकीपुर विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव में अपना उम्मीदवार उतारेगी और पूरी मजबूती के साथ चुनाव लड़ेगी। जन सुराज के इस ऐलान के साथ ही पटना की बांकीपुर सीट को लेकर सरगर्मी तेज हो गई है। जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर के पटना की बांकीपुर विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने की चर्चा जोरों पर है। यदि ऐसा होता है, तो यह उनके सक्रिय चुनावी राजनीति में पहली सीधी एंट्री होगी। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जन सुराज के प्रदेश अध्यक्ष मनोज भारती ने कहा कि बांकीपुर विधानसभा की जनता भाजपा के कुशासन से पूरी तरह त्रस्त हो चुकी है। यही वजह है कि अब क्षेत्र के लोग खुद प्रशांत किशोर को बांकीपुर सीट से चुनाव लड़ने की मांग कर रहे हैं। प्रशांत के नाम पर पार्टी में भी लोगों की एक राय बनती दिख रही है। मिली जानकारी के अनुसार जल्द ही पार्टी की कोर कमेटी की एक अत्यंत महत्वपूर्ण बैठक आयोजित होने वाली है। उम्मीद है कि कोर कमेटी की इस बैठक में ही सभी समीकरणों को ध्यान में रखते हुए बांकीपुर सीट पर पार्टी से कौन उपचुनाव लड़ेगा इसपर आखिरी मुहर लगाई जा सकती है। पार्टी ने यह भी स्पष्ट किया है कि 5 जुलाई को एक प्रेस वार्ता के माध्यम से उम्मीदवार के नाम की आधिकारिक घोषणा कर दी जाएगी। हालांकि प्रशांत किशोर खुद बांकीपुर से चुनाव लड़ते हैं या फिर किसी दूसरे प्रत्याशी पर दांव लगाते हैं, यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा। बिहार की सियासत के लिए बांकीपुर उपचुनाव हाई-प्रोफाइल सीट बन गई है। चुनाव आयोग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार बांकीपुर उपचुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया 6 जुलाई से शुरू होकर 13 जुलाई तक चलेगी। इस दौरान उम्मीदवार अपना नामांकन दाखिल कर सकते हैं। वहीं, नाम वापस लेने की अंतिम तिथि 16 जुलाई निर्धारित की गई है। मतदान प्रक्रिया 30 जुलाई को संपन्न होगी, जिसके पश्चात सभी प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला 3 अगस्त को मतगणना के दिन होगा।

ग्रामीण क्षेत्रों में हर घर से टैक्स वसूलने की कार्रवाई निंदनीय : भाकपा

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव रामनरेश पाण्डेय ने कहा कि डबल इंजन की सरकार अपना खाली खजाना को भरने के लिए जनता पर तरह तरह का टैक्स लाद रही है। 16 वीं वित्त आयोग की अनुशंसा पर राज्य सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में भी प्रत्येक घर से साफ सफाई, पानी, होल्डिंग आदि टैक्स वसूलने का फैसला लिया है। सरकार ने मसौदा तैयार कर लिया है और कैबिनेट की मंजूरी मिलते ही टैक्स की वसूली शुरू हो जाएगी। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ग्रामीण क्षेत्रों में टैक्स वसूली से संबंधित फैसले का विरोध करती है और बिहार की आम जनता से सरकार की जन विरोधी फैसले का विरोध करने का आह्वान करती है।भाकपा राज्य सचिव ने कहा कि ग्राम पंचायतों में सुविधा नदारद है। नल जल योजना लूट की योजना बन गई है। लोगों को पीने के लिए स्वच्छ पानी नहीं मिल रहा है। सड़कों की हालत दयनीय है। लोगों को रोजगार नहीं मिल रहा है। किसानों को उपज का लाभकारी मूल्य नहीं मिल रहा है, इसके बावजूद भाजपा की सरकार राज्य की सभी ग्राम पंचायतें में प्रत्येक घरों से सालाना औसतन 1200 रुपये टैक्स वसूलेंगी। सरकार ने 16वें केंद्रीय वित्त आयोग की अनुशंसा पर ग्रामीणों से नगर निगम के तर्ज पर होल्डिंग टैक्स सहित अन्य टैक्स वसूलने का फैसला लिया है। पंचायती राज विभाग के प्रस्ताव को वित्त विभाग की हरी झंडी मिल गई है। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी राज्य सरकार के इस जन विरोधी फैसले का विरोध करती है और राज्य सरकार से टैक्स वसूलने का फैसला वापस लेने की मांग करती है।

श्रावणी मेला में कांवरियों को सभी आवश्यक सुविधाएं मिलेंगी

नई सोच एक्सप्रेस

» पर्यटन सचिव ने श्रावणी मेला की तैयारियों को अंतिम रूप देने को लेकर भागलपुर, मुंगेर व बांका के पदाधिकारियों के साथ की समीक्षा

पटना।पर्यटन सचिव लोकेश कुमार सिंह ने शुक्रवार को मुख्य सचिवालय स्थित पर्यटन विभाग कार्यालय में 30 जुलाई-28 अगस्त के मध्य आयोजित होने वाले श्रावणी मेला की तैयारियों को अंतिम रूप देने हेतु समीक्षा बैठक की। इस बैठक में विभाग के वरीय पदाधिकारीगण, जीविका के सीईओ तथा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भागलपुर, मुंगेर व बांका के जिला पदाधिकारी उपस्थित थे। पर्यटन सचिव ने सभी पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि कांवरियों को सभी आवश्यक सुविधाएं देने हेतु अपने सभी कार्य को तय समय सीमा से पूर्व हर हाल में पूर्ण करें। मेला क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण सफाई और बेहतर लाइटिंग की व्यवस्था सुनिश्चित करें, कांवरियों के लिए सभी महत्वपूर्ण मोबाइल नंबरों वाले साइनेजेज पूरे कांवरिया पथ पर लगाए जाएं और पथ पर समय से बालू बिछाने का कार्य, सुरक्षा हेतु पुलिस पेट्रोलिंग सुनिश्चित करें। गंगा घाट के पास कांवरियों की सुरक्षा के लिए विशेष बैरिकेडिंग करने के भी निर्देश दिए गए। पर्यटन विभाग के द्वारा श्रावणी मेला में कांवरियों के सुविधापूर्ण आवासन हेतु कांवरिया पथ में विभिन्न स्थानों पर टेंट सिटी का निर्माण किया जाना है, जहां स्नानघर, शुद्ध पेयजल, शौचालय, निर्बाध बिजली जैसी सभी आवश्यक सुविधाओं के साथ स्वच्छ और सुरुचिपूर्ण भोजन हेतु जीविका दीदी की रसोई का संचालन किया जाएगा। वहां कांवर स्टैंड, सूचनाएं और मनोरंजन आदि की व्यवस्था की जानी है। सचिव ने बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम के प्रबंध निदेशक को निर्देश दिया कि टेंट सिटी में सफाई सतत और गुणवत्तापूर्ण हो, इसकी सतत मॉनिटरिंग की जाए। उन्होंने जीविका के सीइओ को निदेशित करते हुए कहा कि दीदी की रसोई के लिए स्थान विभाग द्वारा दिया जाएगा, वहां स्वच्छ और सुरुचिपूर्ण भोजन की उपलब्धता सुनिश्चित करें, भोजन का रेट चार्ट भी अनिवार्य रूप से प्रदर्शित किया जाए। सुल्तानगंज में उद्घाटन के दिन बाबा अजगैबीनाथ मंदिर के निकट ड्रोन शो व लेजर शो श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का खास केंद्र होगा। श्रावणी मेला के शुभारंभ और समापन के अवसर पर राष्ट्रीय स्तर के कलाकारों की प्रस्तुति होगी। पदाधिकारियों ने सचिव को जानकारी देते हुए बताया कि बाबा अजगैबीनाथ मंदिर, सुल्तानगंज से बिहार सीमा दुम्मा तक मेला पथ में जगह-जगह भव्य गेट, विशेष लाइटिंग, साज-सज्जा और शिवमंत्रों के जाप की ध्वनि की अनुगूंज हो, इसे ध्यान में रखते हुए अजगैबीनाथ, सुल्तानगंज सहित सभी टेंट सिटी में व्यवस्थाएं की जा रही है। बैठक में बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम के प्रबंध निदेशक नंदकिशोर, पर्यटन निदेशक सह विशेष सचिव उदयन मिश्रा,जीविका के सीइओ हिमांशु शर्मा, संयुक्त सचिव प्रदीप सिंह, बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम के महाप्रबंधक चंदन चौहान सहित सभी संबंधित पदाधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित थे।

बूथ स्तर तक की कमिटी संगठन सृजन अभियान के तहत बनाने को प्रतिबद्ध : राजेश

नई सोच एक्सप्रेस

» कांग्रेस प्रभारी और प्रदेश अध्यक्ष ने जिलाध्यक्षों की मासिक समीक्षा बैठक की

पटना।सदाकत आश्रम में शुक्रवार को बिहार कांग्रेस के जिलाध्यक्षों की मासिक समीक्षा बैठक का आयोजन प्रदेश कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावारू और अध्यक्ष राजेश राम की मौजूदगी में संपन्न हुई।इस अवसर पर बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि कांग्रेस पार्टी प्रदेश के बूथ स्तर तक की कमिटी संगठन सृजन अभियान के तहत बनाने को प्रतिबद्ध है और जिला कांग्रेस कमिटी के सहयोग से इस अभियान को गति देते हुए प्रखंड कमिटियों के निर्माण के बाद मंडल कमिटियों के गठन की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गयी है। आज के बैठक में मूल रूप से मासिक समीक्षा के दौरान प्रत्येक सांगठनिक जिलों के अध्यक्षों की समीक्षात्मक रिपोर्ट कनेक्ट सेंटर के माध्यम से विश्लेषण किया गया और उन्हें टास्क निर्धारित किये गये। साथ ही विभिन्न जिलों के अंतर्गत संचालित पार्टी के निदेर्शानुसार कार्यक्रमों को ग्रेडिंग सिस्टम के माध्यम से तीन कैटेगरी में विभक्त कर उनमें अद्यतन सुधार को रेखांकित किया गया। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावारु ने कहा कि संगठन सृजन साथी अभियान की गतिशीलता से सक्रिय कांग्रेस कार्यकर्ता और पदाधिकारियों के निर्माण में गति आई है और संगठन को राज्य में धारदार बनाने में यह अभियान मिल का पत्थर साबित होगा। साथ ही उन्होंने प्रत्येक जिला की समीक्षा को व्यक्तिगत तौर पर सुनकर जिलाध्यक्षों को आवश्यक निर्देश एवं सुझाव दिया।इस दौरान संगठन सृजन साथी अभियान के तहत सदस्यता अभियान के अनुसार योग्य हुए प्रदेश पदाधिकारियों को भी बैठक में आवश्यक निर्देश दिए गये।बैठक में विधान परिषद में कांग्रेस दल के नेता डॉ मदन मोहन झा , बिहार के प्रभारी सचिव शाहनवाज आलम, विधायक दल के पूर्व नेता डॉ शकील अहमद खान , मीडिया चेयरमैन, राजेश राठौड़, मिन्नत रहमानी, राजीव मेहता , डॉ स्नेहाशीष वर्धन पाण्डेय , पंकज यादव, कमल कमलेश, प्रेमचंद सिंह, विमलेश तिवारी, सहित सभी जिलाध्यक्ष मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

भारत का सबसे बड़ा हैंड पेंटेड मधुबनी होर्डिंग

पटना।भारत की सबसे प्राचीन और आध्यात्मिक रूप से समृद्ध कला परंपराओं में से एक को सम्मान देते हुए, आदित्य बिरला ज्वैलरी के ब्रांड इंद्रिया ने बिहार के पटना स्थित बोरिंग रोड एंट्रेंस पर भारत का सबसे बड़ा हैंड पेंटेड मधुबनी होर्डिंग का प्रदर्शन किया है। 1000 वर्ग फीट के हाथ से पेंट किए गए इस कैनवास की यह रिकॉर्ड उपलब्धि भारतीय परंपरा में इंद्रिया की गहरी जड़ों को दर्शाती है और साथ ही इसकी समकालीन डिजाइन दृष्टि को भी सामने लाती है। इस पेंटिंग में भगवान राम और माता सीता के पवित्र विवाह को दर्शाया गया है, वही कथाएं जिन्हें ब्रांड के हाल ही में लॉन्च किए गए कलेक्शन 'मधुरागिनी' में भी अभिव्यक्त किया गया है। इस रिकॉर्ड उपलब्धि पर इंद्रिया के मार्केटिंग और विजुअल मर्चेंडाइजिंग हेड, शांतिस्वरूप पांडा ने कहा, भारत में ब्राइडल ज्वेलरी हमेशा से हमारी सांस्कृतिक विरासत से गहराई से जुड़ी रही है। मधुरागिनी के लॉन्च के साथ, हम एक ऐसा पल बनाना चाहते थे जो क्षेत्रीय गौरव की भावना को जगाए। यह कलेक्शन बिहार की समृद्ध विरासत से बेहद खूबसूरती से प्रेरित है, जो मिथिला साम्राज्य और भगवान राम व देवी सीता के विवाह के समय जितनी पुरानी है। बिहार में ही भारत के सबसे बड़े मधुबनी होर्डिंग्स में से एक को बनाना एक सोच-समझकर लिया गया फैसला था, ताकि इस परंपरा की जन्मभूमि का सम्मान किया जा सके और साथ ही स्थानीय कारीगरों के हुनर को एक बड़े स्तर पर पहचान दिलाई जा सके। आज के समय में, साधारण लॉन्च की तुलना में गहरे सांस्कृतिक अनुभव ग्राहकों के साथ कहीं ज्यादा मजबूत रिश्ता बनाते हैं। हमारी यह पहल इंद्रिया ब्रांड के इसी सफर को दर्शाती है, जहां विरासत से जुड़ी कहानियों को केंद्र में रखना हमारा मुख्य विचार है।

अवैध बालू व मिट्टी खनन में शामिल जेसीबी और पोकलेन मशीन को जब्त

दानापुर। शाहपुर थाना क्षेत्र में पुलिस और खनन विभाग ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए अवैध बालू व मिट्टी खनन में शामिल जेसीबी और पोकलेन मशीनों को जब्त किया है। बिहार में सोन नदी और उसके आस-पास के दियारा क्षेत्रों में बालू माफियाओं के खिलाफ प्रशासन द्वारा लगातार "जीरो टॉलरेंस" नीति के तहत ऐसी सख्त कार्रवाइयां की गईं हैं। जानकारी के अनुसार शाहपुर और मनेर से सटे दियारा क्षेत्रों में लंबे समय से अवैध रूप से पोकलेन और जेसीबी मशीनों द्वारा सोन नदी का सीना चीरकर बालू निकालने की शिकायतें मिल रही थीं। पुलिस और जिला खनन अधिकारियों की टीम ने जब चिन्हित स्थलों पर छापेमारी की, तो वहां अवैध खनन में लगी जेसीबी व पोकलेन बरामद हुईं। पुलिस बल को आते देख खनन स्थल पर मौजूद मजदूर और कुछ वाहन चालक गाड़ियां छोड़कर भागने में सफल रहे। थानाध्यक्ष नवीन कुमार सिंह ने बताया कि अवैध बालू खनन में शामिल जेसीबी व पोकलेन को जब्त किया गया है। फरार लोगों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी किया जा रहा है।

माननीय न्यायालय ने पति की जहर देखकर हत्या करने के मामले में सुनाई आजीवन कारावास की सजा

दानापुर। दानापुर व्यवहार न्यायालय के अपर सत्र न्यायाधीश VII संतोष कुमार गुप्ता ने पति को मायके ले जाकर जहर देकर हत्या करने के मामले में एक महिला को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसकी जानकारी देते हुए प्रभारी अपर लोक अभियोजक दानापुर रामकेश्वर प्रसाद ने बताया कि बुधन बीघा थाना कलेर अरवल के रहने वाले लखनदेव यादव ने अपने पुत्र अमित कुमार की हत्या करने में उसकी पत्नी अमृता देवी के शामिल होने का मामला दर्ज कराया था। मामले में बताया गया कि अमित की पत्नी अमृता अक्सर अपनी बहनोई मिथलेश सिंह के साथ मिलकर अमित को प्रताड़ित करती थी। यहां तक की बताया जाता है कि अमृता अपने बहनोई मिथलेश के साथ अवैध संबंध था। विगत 17 अगस्त 2021 को बहला फुसलाकर भाई को राखी बांधने के बहाने लेकर अपने मायके चली गई और 18 अगस्त 2021 को जहर देकर उसकी हत्या कर डाली। हत्या के बाद घर के बाहर शव को छोड़कर अमृता देवी, मिथिलेश कुमार और उसकी मां देवंती देवी फरार हो गए। करीब 5 साल तक चले वकीलों के बहस के बाद अपर सत्र न्यायाधीश VII ने अमृता देवी को धारा 302 के तहत आजीवन कारावास एवं 50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। जुर्माना नहीं देने पर तीन माह की अतिरिक्त सजा सुनाई गई है।

स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में सीआरपीएफ जवानों ने किया रक्तदान

दानापुर। शुक्रवार को सीआरपीएफ, आईजी कार्यालय, बिहार सेक्टर के सौजन्य से प्रथमा ब्लड सेंटर, पटना के सहयोग से स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया। जहां सीआरपीएफ के लगभग 50 जवानों ने स्वेच्छा से प्रथमा ब्लड सेंटर पटना पहुँचकर रक्तदान महादान में अपनी सहभागिता निभाई और समाज के प्रति अपने मानवीय दायित्व का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का शुभारंभ सीआरपीएफ, आईजी कार्यालय, बिहार सेक्टर के वरीय पदाधिकारी के कर-कमलों द्वारा रिबन काटकर किया गया। इस अवसर पर उन्होंने प्रथमा ब्लड सेंटर द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देने एवं जरूरतमंद मरीजों की निरंतर सेवा के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना की। इस दौरान बताया गया कि थैलेसीमिया एवं कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को नियमित रूप से रक्त की आवश्यकता होती है। प्रथमा ब्लड सेंटर, पटना पिछले 5 वर्षों से थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों को निःशुल्क एवं नियमित रक्त उपलब्ध कराने के अपने संकल्प को निरंतर निभाते हुए इस दिशा में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

एएन कालेज में वन महोत्सव आयोजित

पटना। वन महोत्सव सप्ताह के अवसर पर ए. एन. कॉलेज, पटना की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा महाविद्यालय परिसर स्थित अनुग्रह वाटिका में वन महोत्सव-2026 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना तथा वृक्षारोपण के माध्यम से हरित भविष्य के निर्माण का संकल्प लेना था।कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. रतना अमृत ने किया। अपने संबोधन में उन्होंने वनों के महत्व, पर्यावरणीय संतुलन तथा वर्तमान समय में वृक्षारोपण की आवश्यकता पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने सभी उपस्थितजनों को ह्यएक वृक्ष माँ के नामह्न लगाने तथा ह्यएक वृक्ष गोद लेनेह्न के लिए प्रेरित किया। उनके नेतृत्व में अनुग्रह वाटिका में विभिन्न प्रकार के पौधों का रोपण किया गया।इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षकगण प्रो. शैलेश कुमार सिंह, प्रो. सुशील कुमार सिंह, प्रो. विनोद कुमार झा, बर्सर डॉ. अभिषेक दत्ता, डॉ. संजय कुमार सिंह और विश्वविध्यालय एनएसएस कोआर्डिनेटर प्रो सुजीत कुमार दुबे, डॉ ज्योतिष कुमार, प्रो. वीणा कुमारी,प्रो सीमा प्रसाद, सभी विभाग के अध्यक्ष सहित अनेक प्राध्यापकों ने उत्साहपूर्वक वृक्षारोपण कर पर्यावठरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम्र पदाधिकारी डॉ. नवीन कुमार, डॉ. शिरीन मसरूर एवं डॉ. अमृता चक्रवर्ती ने भी एनएसएस स्वयंसेवकों के साथ मिलकर वृक्षारोपण किया। कार्यक्रम में स्वयंसेवकों एवं छात्र-छात्राओं का विशेष उत्साह देखने को मिला। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण को जन-आंदोलन बनाने का संकल्प लिया।

बिहार के धार्मिक संस्थानों में वित्तीय पारदर्शिता हेतु नई व्यवस्था

नई सोच एक्सप्रेस

» हर तीन महीने की वित्तीय गतिविधियों का परिषद को देना होगा हिसाब

पटना।अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावे के कथित गबन के मामले के बाद, बिहार राज्य धार्मिक न्यास परिषद ने राज्य के धार्मिक संस्थानों में वित्तीय पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए एक बड़ा और सख्त कदम उठाया है। परिषद के निर्णयानुसार उसके अधीन आने वाले करीब 4,500 मंदिरों और मठों को अपनी वित्तीय गतिविधियों का हिसाब हर तीन महीने में परिषद को देना होगा। परिषद का मानना है कि नियमित वित्तीय निगरानी से चढ़ावे और दान राशि के उपयोग में पारदर्शिता बढ़ेगी तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता या गड़बड़ी पर समय रहते कार्रवाई की जा सकेगी।बिहार राज्य धार्मिक न्यास परिषद के अध्यक्ष प्रो. रणवीर नंदन ने जानकारी दी है कि पहले इन संस्थानों का केवल वार्षिक ऑडिट (Annual Audit) होता था, जिससे साल के बीच के महीनों में वित्तीय लेन-देन की निगरानी करना मुश्किल होता था। अब नई व्यवस्था के तहत प्रत्येक तीन महीने पर मंदिरों और मठों को अपनी आय-व्यय और बैंक खातों का ब्योरा परिषद को सौंपना अनिवार्य होगा। इस त्रैमासिक रिपोर्टिंग से वित्तीय अनियमितताओं को शुरुआती स्तर पर ही पकड़ा जा सकेगा। परिषद इन रिकॉर्ड्स की नियमित समीक्षा करेगी ताकि जवाबदेही सुनिश्चित की जा सके। प्रो. नंदन ने स्पष्ट किया कि प्रत्येक मंदिर या मठ की अपनी एक 'न्यास समिति' होती है, जो खर्च का निर्णय लेती है। परिषद का काम सीधे खर्च करना नहीं, बल्कि वित्तीय गतिविधियों की निगरानी करना, नियमन सुनिश्चित करना, विकास या निर्माण कार्यों के लिए 'अनापत्ति प्रमाण पत्र' (NOC) जारी करना है। बिहार धार्मिक न्यास परिषद ने एहतियाती कदम इसलिए उठाया है ताकि बिहार के मंदिरों में श्रद्धालुओं का भरोसा बना रहे और दान की राशि का उपयोग पूरी ईमानदारी के साथ रखरखाव, मरम्मत और जन-सुविधाओं के लिए हो सके। यह निर्णय बिहार के धार्मिक संस्थानों के प्रबंधन में एक नया अनुशासन और जवाबदेही का दौर लेकर आएगा।

उत्तम कुमार ठाकुर बने इबीसी वैशाली ग्रामीण कांग्रेस के जिलाध्यक्ष

नई सोच एक्सप्रेस

हाजीपुर/जंदाहा।बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के इबीसी विभाग ने संगठनात्मक विस्तार के तहत वैशाली ग्रामीण इकाई के जिलाध्यक्ष पद पर उत्तम कुमार ठाकुर को मनोनीत किया है। इस संबंध में प्रदेश अध्यक्ष शशि भूषण पंडित ने आधिकारिक घोषणा की। जंदाहा प्रखंड के चांदसराय निवासी उत्तम कुमार ठाकुर लंबे समय से सामाजिक एवं राजनीतिक गतिविधियों से जुड़े रहे हैं। छात्र जीवन में वे ऑल इंडिया स्टूडेंट्स फेडरेशन के राज्य परिषद सदस्य और वैशाली जिला सचिव रह चुके हैं, जबकि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी में भी जिला परिषद सदस्य के रूप में कार्य कर चुके हैं। उनकी नियुक्ति पर कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने खुशी जताई। वैशाली शहरी कांग्रेस जिलाध्यक्ष संजय कुमार मिश्रा तथा वैशाली ग्रामीण कांग्रेस जिलाध्यक्ष रंजीत पंडित समेत कई नेताओं ने उन्हें बधाई देते हुए संगठन को उनके नेतृत्व में और मजबूत होने की उम्मीद जताई।

बिहार में पाल्मोनास का डबल धमाका: पटना में 24 घंटे के भीतर खुले पहले दो नए स्टोर

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।भारत के पहले डेमी-फाइन ज्वेलरी ब्रांड पाल्मोनास (Palmonas) ने बिहार की राजधानी पटना में सिर्फ 24 घंटे के अंदर अपने दो नए स्टोर खोलकर राज्य में शानदार एंट्री की है। बोरिंग रोड और कंकड़बाग के ये स्टोर्स पूरे देश में पाल्मोनास के क्रमशः 66वें और 67वें स्टोर हैं। अगर अभी बन रहे नए स्टोर्स को भी जोड़ लिया जाए, तो पूरे देश में ब्रांड के स्टोर्स की संख्या अब 70 से ज्यादा होने वाली है। लगातार दो दिनों में दो स्टोर खोलने के साथ ही पटना देश के उन चुनिंदा शहरों में शामिल हो गया है, जहाँ पाल्मोनास ने एक ही हफ्ते के अंदर एक से ज्यादा स्टोर खोले हैं। यह दिखाता है कि ब्रांड अब बड़े महानगरों से आगे निकलकर छोटे और मझोले शहरों में भी बहुत तेजी से पैर पसार रहा है। इस कामयाबी पर पाल्मोनास की को-फाउंडर पल्लवी मोहाडिकर ने कहा, "पटना ने हमेशा हमारे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर शानदार प्रतिक्रिया दी है। ऐसे में यहां दो दिनों के भीतर दो स्टोर खोलना हमारे लिए विस्तार से ज्यादा उस भरोसे का जवाब देने जैसा था, जो इस शहर ने पहले ही हमें दिया था। एक दिन के अंतराल पर दोनों स्टोर्स खोलना बिल्कुल स्वाभाविक लगा, क्योंकि यह शहर पहले से ही हमारे स्वागत के लिए पूरी तरह तैयार था।" पटना अब उन टियर-1 और टियर-2 शहरों की सूची में शामिल हो गया है, जहां पाल्मोनास ने अपने ऑफलाइन स्टोर्स का विस्तार किया है। कंपनी के मुताबिक, पटना में स्टोर खोलने का फैसला इसलिए लिया गया क्योंकि यहाँ ऑफलाइन स्टोर खुलने से पहले ही ऑनलाइन ग्राहकों की बहुत ज्यादा मांग आ रही थी। लॉन्च के मौके पर दोनों स्टोर्स से खरीदारी करने वाले शुरुआती ग्राहकों को ब्रांड की तरफ से एक खूबसूरत 'डायमंड अफेयर ब्रेसलेट' गिफ्ट के रूप में बिल्कुल फ्री दिया गया। अब पटना के इन दोनों स्टोर्स पर ग्राहकों के लिए ब्रांड के मशहूर डेमी-फाइन ज्वेलरी, 9KT फाइन गोल्ड और 925 स्टर्लिंग सिल्वर कलेक्शन की पूरी रेंज मिलेगी, जिससे लोगों को नए और ट्रेंडी डिज़ाइन्स की ज्वैलरी खरीदने का मौका मिलेगा।

राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण - प्रेम कुमार

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।मेरा युवा भारत' के तहत जुड़े स्वयंसेवकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन डीएनएस पटना में किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ समाजसेवी गांधीवादी प्रेम जी संस्थापक प्रेम यूथ फाउंडेशन ने स्वयंसेवकों को राष्ट्र निर्माण, सामाजिक सेवा और नशा-मुक्त समाज बनाने में युवाओं की भूमिका पर मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि युवा ही देश की असली ताकत हैं और उन्हें नशे से दूर रहकर समाज सेवा में आगे आना होगा। स्वयंसेवकों को स्वच्छ भारत, डिजिटल साक्षरता, आपदा प्रबंधन और स्वरोजगार योजनाओं की जानकारी दी गई। गंगा समग्र योजना के राष्ट्रीय मंत्री रामा शंकर सिन्हा ने कहा कि सेवा ही धर्म है' का दिया संदेश मेरा युवा भारत' का उद्देश्य युवाओं को सिर्फ डिग्री नहीं, दिशा देना है। हमें गांव-गांव तक विकास और जागरूकता पहुंचानी है।" उन्होंने स्वयंसेवकों से कहा कि वे अपने-अपने क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण पर काम करें और सरकारी योजनाओं को जरूरतमंदों तक पहुंचाएं। स्वयंसेवकों की प्रतिक्रिया प्रशिक्षण में शामिल एक स्वयंसेवक ने बताया, "आज सीखा कि हम छोटे-छोटे प्रयासों से समाज में बड़ा बदलाव ला सकते हैं। नशा-मुक्ति अभियान को हम अपने गांव में सबसे पहले शुरू करेंगे। विद्यार्थी परिषद के आलोक ने बताया कि युवा देश की कर्णधार है । युवा ही 2047 में विकसित भारत का सपना साकार करेगा । सभी आगत अतिथियों को राज्य निदेशक कपिल देव शास्त्री ने अंगवस्त्र एवं वुके देकर सम्मानित किया । मौके पर प्रशिक्षक अंगद यादव, जिला युवा अधिकारी संजना कश्यप , काजल कुमारी समेत भोजपुर, बक्सर, जहानाबाद के राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक मौजूद रहे ।

पीसीसी की बैठक में 29 औद्योगिक इंजीनियरों को मिला उद्यम, 6,000 करोड़ के निवेश से 3,000 रोजगार के अवसर होंगे सृजित

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।बिहार औद्योगिक क्षेत्र विकास प्रयोगशाला (बीआईएडीए) की परियोजना समाशोधन समिति (पीसीसी) की बैठक में 29 इंजीनियरों को शामिल किया गया है, जिनकी स्थापना उनकी लगभग 37.95 इकाइयों में हुई है। इसके अतिरिक्त, तकनीशियनों की शीघ्र स्थापना एवं संचालन को प्रस्तावित करने के उद्देश्य से क्लास एवं प्लेशेड्स के पाट्र्स को भी एक्सचेंज किया गया। प्रस्तावित प्रस्ताव के माध्यम से राज्य में लगभग 6,000 करोड़ के निवेश का मार्ग प्रशस्त होगा, जिससे लगभग 3,000 लोगों को रोजगार का अवसर मिलने की संभावना है। यह बिहार के औद्योगिक विकास को नई गति प्रदान करने के साथ-साथ राज्य की अर्थव्यवस्था को और अधिक जानकारी प्रदान करेगा। उद्यम उद्योग के मंत्री श्रेयसी सिंह ने कहा कि बिहार में कंसल्टेंसी इन्वेस्टमेंट स्टेट के उद्योग-अनुकूल उद्यमों और उद्यम के बढ़ते विश्वास का परिचय है। उन्होंने कहा कि इंजीनियर्स बिहार को आधुनिक एवं औद्योगिक निर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करना एक महत्वपूर्ण कदम है। इन कॉलेजों से स्थानीय युवाओं को बड़े पैमाने पर रोजगार कौशल एवं विकास के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे और राज्य में औद्योगिक संस्थानों को नई गति दी जाएगी। उद्योग विभाग के सचिव-सह-प्रबंध निदेशक, बियाडा एवं अमेडा, नारियल कुमार ने कहा कि राज्य सरकार, समावेशी एवं सतत औद्योगिक विकास का सिद्धांत है। BIADA के माध्यम से उद्यम को एवं अंतिम समयावधि प्रक्रिया के तहत औद्योगिक भूमि उपलब्ध करायी जा रही है। इसके साथ ही, गुणवत्ता पूर्ण संरचनात्मक संरचना, बेहतर उद्यम, सरल श्रमिक एवं निवेशक-अनुकूल समुदाय के माध्यम से उद्योग स्थापना के लिए उपयुक्त माहौल सुनिश्चित किया जा रहा है। समितियों द्वारा इंजीनियर्स के प्रमुख प्रमुख हैं एडवांस्ड मेडिकल टेक्नोलॉजी, फूड ऑटोमोबाइल्स, टेक्सटाइल, केमिकल मैन्युफैक्चरिंग, प्लास्टिक उत्पाद निर्माण, एप्लाइक एमिशन स्पेक्ट्रोस्कोपी निर्माण, इलेक्ट्रिक वाहन, फर्नीचर एवं फिक्स्चर, एलसीम-आयन बैटरी, कंसप्रेस्ड बायो गैस (सीबीजी) और जनरल युफैक्चरिंग जैसी उच्च कंपनियां अलग-अलग कंपनियां से संबंधित हैं। इन कॉलेजों के माध्यम से राज्य के औद्योगिक आधारों को और अधिक स्थानों और स्थानीय स्तर पर आर्थिक साझेदारी का विस्तार किया जाएगा। ये औद्योगिक राज्य के विभिन्न औद्योगिक क्षेत्र हैं, जिनमें प्रमुख हैं, आईए अलेक्जेंडरपुर, आईए हथुआ फेज-3, आईए फारबिसगंज, आईए लोहट फेज-1, आईए बरियारपुर, और आईए फतुहा में स्थापित किए गए प्रतिष्ठान। एम्पेरा लाइफ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में प्रमुख इकाइयाँ लिमिटेड (अब तक के निवेश में सबसे बड़ा प्रस्ताव), श्री शिरडी साईनाथ पावर इंफ्राटेक प्राइवेट। लिमिटेड, रूंगटा इरिगेशन लिमिटेड, मेसर्स पंकज ट्रेडर्स, अनवीरा ग्रीन एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड। लिमिटेड, संगम इंडस्ट्रीज, कल्याण प्लास्टो इंडस्ट्रीज और लिसिका केमिकल्स प्राइवेट। Ltd. सहित अन्य उद्योग शामिल हैं। इन कॉलेजों के संयोजन से बिहार में उद्योगों को नई दिशा, उत्पादन क्षेत्र को प्राप्त होगी और रोजगार एवं स्थान के नए अवसर सृजित होंगे।

पटना में सेक्स रैकेट का भंडाफोड़, पुलिस की छापेमारी में 10 युवतियां और 1 युवक धराए

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।राजधानी का पॉश इलाका, गांधी मैदान के पास स्थित एक होटल में देर रात पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ किया है। छापेमारी के दौरान पुलिस ने होटल के कमरे से आपत्तिजनक स्थिति में 5 महिलाओं, 5 युवतियों और एक युवक को हिरासत में लिया है। होटल में लंबे समय से अनैतिक गतिविधियों की गुप्त सूचना मिल रही थी। इसे गंभीरता से लेते हुए पश्चिमी पुलिस अधीक्षक संकेत कुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। टीम ने देर रात अचानक होटल में छापेमारी की। पुलिस को देखकर वहां मौजूद लोगों में अफरातफरी मच गई और उन्होंने भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने घेराबंदी कर सभी को पकड़ लिया। हालांकि, इस बीच होटल संचालक मौके का फायदा उठाकर फरार होने में सफल रहा। पुलिस की शुरुआती जांच में चौकाने वाले खुलासे हुए हैं। गिरोह के सदस्य, नौकरी दिलाने के नाम पर दिल्ली और पश्चिम बंगाल से गरीब लड़कियों को पटना लाते थे और उन्हें देह व्यापार के दलदल में धकेल दिया जाता था। होटल में ऑन-कॉल लड़कियां बुलाई जाती थीं। धंधे का तरीका बेहद आधुनिक था। ग्राहकों को पहले वॉट्सऐप पर लड़कियों की फोटो भेजी जाती थी और डील फाइनल होने के बाद ग्राहक को होटल बुलाया जाता था। पुलिस के अनुसार, बरामद की गई लड़कियां दिल्ली, पश्चिम बंगाल और बिहार की रहने वाली हैं। पश्चिमी एसपी संकेत कुमार ने स्पष्ट किया है कि सभी लड़कियां बालिग हैं। फिलहाल, गांधी मैदान थाने में सभी से पूछताछ की जा रही है। पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क और इसके पीछे जुड़े मास्टरमाइंड की तलाश में जुटी है। फरार होटल संचालक की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

अमरनाथ यात्रा के लिए भारती एयरटेल ने मजबूत की कनेक्टिविटी, किया नेटवर्क कवरेज का विस्तार

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।भारती एयरटेल ने आज अमरनाथ यात्रा मार्ग पर अपने मोबाइल नेटवर्क के विस्तार की घोषणा की है। इस पहल से क्षेत्र में तीर्थयात्रियों, सुरक्षाकर्मियों और स्थानीय प्रशासन के लिए कनेक्टिविटी को और मजबूत किया गया है। बालटाल में अपनी मौजूदा उपस्थिति के अलावा, एयरटेल ने चंदनवाड़ी, पिस्सू टॉप और बेताब घाटी में नेटवर्क साइटस तैनात कर महत्वपूर्ण पहलगाम मार्ग पर नेटवर्क कवरेज स्थापित किया है। इसके साथ ही पवित्र अमरनाथ गुफा मंदिर तक जाने वाले मार्ग पर निर्बाध कनेक्टिविटी उपलब्ध कराई गई है। यात्रा के दौरान संचार इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए यह तैनाती संबंधित सरकारी प्राधिकरणों और स्थानीय प्रशासन के साथ आपसी समन्वय में की गई है। विस्तारित नेटवर्क कवरेज से विश्वसनीय वॉयस और डेटा कनेक्टिविटी उपलब्ध होगी, आपातकालीन संचार व्यवस्था को मजबूती मिलेगी तथा लाखों तीर्थयात्रियों के लिए डिजिटल पहुंच बेहतर होगी। जम्मू-कश्मीर में भारती एयरटेल के सीओओ, विक्रम आरएस, ने कहा, "एयरटेल में हम सबसे चुनौतीपूर्ण भौगोलिक परिस्थितियों में भी लोगों, समुदायों और आवश्यक सेवाओं को निर्बाध रूप से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं। अमरनाथ यात्रा के लिए पहलगाम और बालटाल, दोनों मार्गों पर हमारे नेटवर्क का विस्तार जम्मू-कश्मीर में हमारे निरंतर निवेश का प्रमाण है। साथ ही, इस महत्वपूर्ण वार्षिक तीर्थयात्रा के दौरान श्रद्धालुओं, सुरक्षा बलों और प्रशासन को हर समय विश्वसनीय कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने की हमारी प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है।" सबसे मुश्किल भौगोलिक परिस्थितियों में भी एयरटेल का लगातार नेटवर्क विस्तार देश में कनेक्टिविटी की चुनौतियों को दूर करने और भारत के डिजिटल बदलाव को नई गति देने के उसके निरंतर प्रयासों को रेखांकित करता है।

केवाईपी बचाओ अभियान के तहत राज्यव्यापी आंदोलन का आगाज़, रिन्यूवल, नामांकन और बकाया भुगतान की उठी मांग

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।केवाईपी केंद्रों की लंबित समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर केवाईपी वेल्फेयर सोसायटी के बैनर तले "केवाईपी बचाओ अभियान" के अंतर्गत राज्यव्यापी आंदोलन की शुरुआत की गई। आंदोलन के दौरान केवाईपी केंद्रों का तत्काल रिन्यूवल, नए विद्यार्थियों का नामांकन शुरू करने, विभागीय मनमानी पर रोक लगाने तथा लंबित भुगतान अविलंब जारी करने की मांग जोरदार ढंग से उठाई गई। आंदोलन को संबोधित करते हुए डॉ. आनंद रंजन झा ने कहा कि कुशल युवा कार्यक्रम (केवाईपी) बिहार के लाखों युवाओं को कौशल विकास एवं रोजगार से जोड़ने वाली एक महत्वपूर्ण योजना है। उन्होंने कहा कि रिन्यूवल, नामांकन और भुगतान से संबंधित मामलों के लंबे समय से लंबित रहने के कारण केंद्र संचालकों के साथ-साथ विद्यार्थियों को भी गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने राज्य सरकार से शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेकर योजना के सुचारु संचालन को सुनिश्चित करने की अपील की। आंदोलन में शामिल प्रतिनिधियों ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो आंदोलन को पूरे बिहार में और अधिक व्यापक एवं निर्णायक रूप दिया जाएगा। इस अवसर पर बिहार के विभिन्न जिलों से आए केवाईपी केंद्र संचालकों एवं प्रतिनिधियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। इनमें डॉ. आनंद रंजन झा, राकेश कुमार सिन्हा, मधुकर प्रसाद, मो. नुमान, ई. रवि कुमार, चंदन कुमार, धर्मदेव पासवान, बिपिन कुमार सिंह, मनीष कुमार, मुन्ना सिंह, धीरज कुमार, प्रतीक कुमार, अनंत कुमार, अमित कुमार, जितेंद्र कुमार तिवारी, दिलीप कुमार ओझा, रवि कुमार, प्रशांत जी, श्रवण कुमार, पंकज कुमार, शैलेंद्र कुमार, राजबली, आशु कुमार सिंह, गजेंद्र कुमार, कुणाल कुमार, दीपजीत कुमार एवं विकास कुमार सहित सभी जिलों के केवाईपी केंद्र संचालक और प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

पूर्व जिला पार्षद आशुतोष कुमार सिंह की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा

छपरा।पूर्व जिला पार्षद स्वर्गीय आशुतोष कुमार सिंह की तीसरी पुण्यतिथि पर धरहरा कला स्थित उनके आवास पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन उनके पुत्र एवं भाजपा युवा मोर्चा के प्रवक्ता ई. आदित्य सिंह ने किया।श्रद्धांजलि सभा में परिजनों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने स्व. आशुतोष कुमार सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस दौरान वक्ताओं ने उनके व्यक्तित्व, समाजसेवा, जनकल्याण और क्षेत्र के विकास में दिए गए योगदान को याद करते हुए कहा कि उनका जीवन सादगी, सेवा और समाज के प्रति समर्पण का प्रतीक था। कार्यक्रम में समाजसेवी शिवेश सिंह, आशीष सिंह, मयंक सिंह, अजीत सिंह, लालू यादव, गोपाल सिंह, मोनू सिंह, रामनरेश सिंह उपस्थित रहे।

तांत्रिक के झांसे में आकर पति ने रची पहली पत्नी की हत्या की साजिश, तीन गिरफ्तार

मोतिहारी। पलनवा थाना क्षेत्र में 17 जून 2026 को हुई एक महिला की नृशंस हत्या की गुत्थी को पुलिस ने सुलझा लिया है। इस मामले में अंधविश्वास और पारिवारिक विवाद का एक भयावह चेहरा सामने आया है। पुलिस जांच में यह खुलासा हुआ कि मृतका के पति तपेश्वर सहनी का अपनी दूसरी पत्नी लक्ष्मी देवी के साथ संबंधों के कारण पहली पत्नी मीना देवी से लगातार विवाद चल रहा था। इसी कलह के दौरान उनकी मुलाकात एक तांत्रिक, सिकंदर सहनी उर्फ भगत जी से हुई, जिसने मीना देवी को रास्ते से हटाने के लिए 50,000 रुपये की मांग की और पति-पत्नी को अपने जाल में फंसा लिया।साजिश के तहत तांत्रिक ने मृतका को नेपाल घुमाने और उसे वहां मालिक बनाकर रखने का प्रलोभन दिया। इसी झांसे में आकर तपेश्वर सहनी और लक्ष्मी देवी ने मीना देवी को स्थानीय ट्रेन में बिठाया और रक्सौल जाते समय 'मसना डीह हॉल्ट' के पास इस हत्या को अंजाम दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर गठित एसआईटी ने तकनीकी और भौतिक साक्ष्यों के आधार पर इस ब्लाइंड मर्डर केस का सफल उद्भेदन किया। पुलिस ने मुख्य साजिशकर्ता तपेश्वर सहनी, दूसरी पत्नी लक्ष्मी देवी और तांत्रिक सिकंदर सहनी उर्फ भगत जी को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी है।

पुत्र एवं पुत्रवधू ने मिलकर अपने सास ससुर को मारपीट कर जख्मी किया प्राथमिकी दर्ज

वैशाली।पिड़ीत मां ने अपने कलयुगी पुत्र पुत्रवधू के खिलाफ मारपीट को लेकर राजापाकर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। मामला राजापाकर थाना क्षेत्र के राजापाकर उत्तरी पंचायत के पुरानी ब्लॉक के पास की है। जहां दो कलयुगी पुत्र व पुत्रवधू ने चंद पैसों की खातिर अपने बूढ़े माता-पिता के साथ मारपीट की है। पीड़ित जदुनी राय की पत्नी धर्मशिला देवी ने अपने दो पुत्र व एक पुत्र वधू के खिलाफ मारपीट एवं छिनतई का आरोप लगाते हुए राजापाकर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। जिसमें बताया गया है कि रात 10 बजे के करीब वह अपने पति जदुनी राय के साथ अपने बथान में सोई हुई थी कि तभी उनके पुत्र सुरेश राय व अखिलेश राय पुत्रवधू मधु देवी पति सुरेश राय अचानक आ धमके और गाली गलौज करने लगे और कहा कि जमीन बेचकर जो रुपया लाया है वह हमको दो।जिसका विरोध करने पर मुक्का, घूसा व डंडे से मारपीट करने लगे और पास में रखे हुए 165000 रुपए छीन लिए और दरवाजे पर जाकर गाली देने लगा और जान से मारने की धमकी भी देने लगा। जब मेरा पुत्र विजय राय बाहर निकला तो उसके साथ भी मारपीट की और गाय खोलकर बथान से हटा दिया जिसका विरोध करने पर मुकेश कुमार एवं तीन चार अन्य लोगों ने विजय राय एवं उसके पुत्र रमेश कुमार को मारपीट कर जख्मी कर दिया है। जिसका उपचार चल रहा है।

दो अलग-अलग कांडों के दो अभियुक्त गिरफ्तार

बेतिया।मझौलिया पुलिस ने अलग-अलग दो कांडों के दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए पुलिस निरीक्षक सह थानाध्यक्ष अमर कुमार ने बताया कि थाना कांड संख्या 498/26 के नामजद अभियुक्त हारून अंसारी, पिता स्वर्गीय जलील अंसारी, निवासी बढ़इया टोला, वार्ड संख्या-07 को पुलिस ने गिरफ्तार किया ।उन्होंने बताया कि इसी क्रम में मझौलिया थाना कांड संख्या 526/26 के नामजद अभियुक्त विनोद यादव, पिता भागवत यादव, निवासी अहवर शेख खजूर बानी टोला, वार्ड संख्या-03 को भी गिरफ्तार किया गया। दोनों अभियुक्तों की गिरफ्तारी के बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की गई।थानाध्यक्ष अमर कुमार ने बताया कि गिरफ्तार दोनों अभियुक्तों को मेडिकल जांच कराया गया। न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। उन्होंने कहा कि अपराधियों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई जारी है और फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी अभियान चला रही है। कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा अपराध पर प्रभावी नियंत्रण के लिए मझौलिया पुलिस पूरी तरह सक्रिय है। उन्होंने आम लोगों से भी अपील की कि किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें, ताकि समय पर कार्रवाई की जा सके।

तनाएरा ने हाथ से बनी साड़ियों और एथनिक परिधानों के क्युरेटेड कलेक्शन पर सेल शुरू की

भागलपुर।टाटा द्वारा प्रोडक्ट तनाएरा ने अपनी सेल शुरू करने की घोषणा की है। अब तनाएरा के उपभोक्ता हाथ से बनी साड़ियां और अन्य परिधान किफ़ायती दामों पर खरीद सकते हैं। 01 जुलाई से शुरू हुई इस सेल के तहत चुनिंदा साड़ियों पर 40% तक की छूट तथा कुर्ता एवं कुर्ता सेट पर 50 % तक की छूट मिलेगी। ये प्रोडक्ट्स तनाएरा के ऑफलाईन एवं ऑनलाईन स्टोर से खरीदे जा सकते हैं। सेल के पहले 5 दिनों के दौरान सदस्यों को अतिरिक्त 5% की अतिरिक्त छूट भी मिलेगी। भारत की समृद्ध टेक्सटाईल विख्यात तनाएरा देश भर के जाने माने बुनाई केंद्रों से हाथ से बुने परिधानों का एक व्यापक कलेक्शन लेकर आई है। इस सेल में ब्रांड के सबसे पसंदीदा साड़ी कलेक्शन जैसे कांजीवरम, बनारसी, साउथ सिल्क, तसर, जामदानी, संबलपुरी, इकत, चंदेरी, महेश्वरी, कोटा डोरिया आदि शामिल हैं। उपभोक्ता आने वाले महीनों में शादियों, त्योहारों और अन्य खास मौकों की तैयारियां शुरू कर रहे हैं। ऐसे में तनाएरा की सेल हाथ से बनी साड़ियों के साथ-साथ शुद्ध और प्राकृतिक कपड़ों से बने शानदार कुर्ते, कुर्ता सेट, ब्लाउज और अनस्टिच्ड सेट का बेहतरीन कलेक्शन पेश करती है। पीढ़ी दर-पीढ़ी संजोकर रखने वाली सदाबहार साड़ियां हों या हर जश्न के लिए आधुनिक एथनिक वियर क्लॉथ। इस कलेक्शन में उपभोक्ताओं को ऐसे स्टाइल मिलेंगे। तनाएरा की पहचान प्रमाणिकता और शुद्धता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता है। प्योर सिल्क की हर साड़ी सिल्क मार्क से सर्टिफाइड होती है वहीं कुछ खास कलेक्शन के साथ ज़री सर्टिफिकेशन भी मिलता है जो गुणवत्ता के प्रति ब्राण्ड के वादे को मजबूत बनाता है। देश की सदियों पुरानी बुनाई की परंपराओं का जश्न मनाना और उन्हें संजो कर रखना जारी रखे हुए है। सेल के बारे में बात करते हुए, तनाएरा के चीफ सेल्स एंड मार्केटिंग ऑफिसर, श्री सोमप्रभ कुमार सिंह ने कहा तनाएरा में, हमारी हर रचना भारत की समृद्ध टेक्सटाइल विरासत से जुड़ी है।

गया कॉलेज मामले में दर्ज प्राथमिकी को बताया निराधार, निष्पक्ष जांच की मांग

नई सोच एक्सप्रेस

गया जी।गया कॉलेज के संस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ. शिवजी पांडेय द्वारा रामपुर थाना में दर्ज कराई गई प्राथमिकी के विरोध में शुक्रवार को विष्णुपद स्थित आनंदी भवन में छात्र नेताओं ने प्रेस वार्ता की। उन्होंने प्राथमिकी को निराधार, तथ्यहीन और दुर्भावनापूर्ण बताते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष एवं साक्ष्य आधारित जांच कराने की मांग की है।छात्र नेताओं ने बताया कि इस संबंध में पुलिस महानिरीक्षक (आईजी), वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी), पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) तथा रामपुर थाना प्रभारी को लिखित आवेदन देकर उच्चस्तरीय जांच का अनुरोध किया गया है। उनका कहना है कि घटना के समय वे गया कॉलेज परिसर अथवा उसके आसपास मौजूद नहीं थे। उन्होंने कहा कि यदि सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल लोकेशन, डिजिटल साक्ष्य, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और अन्य उपलब्ध प्रमाणों की निष्पक्ष जांच कराई जाए तो वास्तविकता स्वतः सामने आ जाएगी।प्रेस वार्ता में छात्र नेताओं ने आरोप लगाया कि वे पिछले कई महीनों से गया कॉलेज के प्राचार्य पर कथित प्रशासनिक एवं वित्तीय अनियमितताओं की जांच तथा जांच प्रतिवेदन सार्वजनिक करने की मांग करते रहे हैं। उनका दावा है कि इसी कारण उनकी आवाज दबाने और छात्र आंदोलन को कमजोर करने के उद्देश्य से उन्हें झूठे मुकदमे में फंसाने का प्रयास किया जा रहा है।उन्होंने यह भी कहा कि करीब चार माह पहले विश्वविद्यालय प्रशासन को लिखित रूप से आशंका जताई गई थी कि उन्हें झूठे मुकदमे में फंसाया जा सकता है। उनका आरोप है कि वर्तमान प्राथमिकी ने उनकी उस आशंका को और बल दिया है। छात्र नेताओं ने पूरे घटनाक्रम में गया कॉलेज प्रशासन, विशेषकर प्राचार्य की भूमिका की भी स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच कराने की मांग की।छात्र नेताओं ने कहा कि यदि स्थानीय स्तर पर निष्पक्ष कार्रवाई नहीं हुई तो वे पूरे मामले की विस्तृत शिकायत बिहार के मुख्यमंत्री, राज्यपाल, विश्वविद्यालय के कुलाधिपति, शिक्षा विभाग तथा अन्य सक्षम संवैधानिक एवं प्रशासनिक प्राधिकारियों को भेजेंगे। यदि आवश्यकता पड़ी तो शिकायत के साथ उपलब्ध साक्ष्य, पूर्व में दिए गए आवेदन और पूरे घटनाक्रम का विवरण भी संलग्न किया जाएगा।उन्होंने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से आग्रह किया कि मामले की जांच सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल लोकेशन, डिजिटल साक्ष्यों, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान तथा अन्य उपलब्ध प्रमाणों के आधार पर कराई जाए। उनका कहना था कि यदि जांच में यह साबित होता है कि निर्दोष छात्र नेताओं को दुर्भावनापूर्वक फंसाने का प्रयास किया गया है तो संबंधित जिम्मेदार व्यक्तियों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की जानी चाहिए।प्रेस वार्ता में छात्र नेताओं ने कहा कि वे किसी भी प्रकार के दबाव या झूठे मुकदमे से भयभीत नहीं होंगे और संविधान व कानून के दायरे में रहकर छात्र अधिकारों, पारदर्शिता तथा न्याय के लिए संघर्ष जारी रखेंगे।प्रेस वार्ता में सूरज सिंह, मैक्स अवस्थी, विनायक कुमार और पवन मिश्रा मौजूद रहे।

नामांकन में तकनीकी गड़बड़ियों को लेकर छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

नई सोच एक्सप्रेस

पूर्णिया।पूर्णिया विश्वविद्यालय में स्नातक सत्र 2026-30 की नामांकन प्रक्रिया में सामने आ रही तकनीकी गड़बड़ियों और छात्रों की समस्याओं को लेकर छात्र राजद (एसएसएआई) के विश्वविद्यालय अध्यक्ष पीयूष पुजारा के नेतृत्व में छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर शीघ्र समाधान की मांग की। ज्ञापन में कहा गया है कि प्रथम और द्वितीय मेधा सूची जारी होने के बावजूद पोर्टल की तकनीकी त्रुटियों के कारण कई छात्र नामांकन से वंचित रह गए हैं। कुछ छात्रों का नाम मेधा सूची में होने के बावजूद उनका नामांकन नहीं हो सका, जबकि कुछ का नाम सूची में नहीं होने पर भी पोर्टल पर चयनित दिखाया गया, जिससे छात्र असमंजस में हैं। छात्र संगठन ने मांग की कि प्रथम एवं द्वितीय मेधा सूची में चयनित सभी छात्रों का नामांकन सुनिश्चित किया जाए, आवेदन में हुई तकनीकी त्रुटियों को सुधारने का अवसर दिया जाए तथा तीसरी मेधा सूची पूरी पारदर्शिता के साथ जारी की जाए। छात्र राजद अध्यक्ष पीयूष पुजारा ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन की लापरवाही का खामियाजा छात्रों को भुगतना पड़ रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो छात्र राजद आंदोलन करने को बाध्य होगा। ज्ञापन में नामांकन प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और तकनीकी रूप से त्रुटिरहित बनाने की भी मांग की गई है, ताकि कोई भी योग्य छात्र नामांकन से वंचित न रहे।

कांटी में दिव्यांग समूह ने BDO और CO को दी भावपूर्ण विदाई, मानवीय व्यवहार की सराहना

नई सोच एक्सप्रेस

कांटी (मुजफ्फरपुर)। प्रखंड कार्यालय परिसर में शुक्रवार को जिला स्तरीय दिव्यांग समूह 'श्री शांति मुकूल पीडब्ल्यूडी' एवं प्रखंड स्तरीय दिव्यांग समूह की ओर से प्रखंड विकास पदाधिकारी (BDO) सह प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी डॉ. आनंद कुमार विभूति तथा अंचलाधिकारी (CO) पिंटू कुमार के सम्मान में भावपूर्ण विदाई समारोह का आयोजन किया गया। डॉ. आनंद कुमार विभूति का स्थानांतरण दरभंगा जिले के बहादुरपुर तथा अंचलाधिकारी पिंटू कुमार का स्थानांतरण बक्सर जिले में होने के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में बड़ी संख्या में दिव्यांगजन शामिल हुए। इस दौरान दोनों अधिकारियों को अंगवस्त्र, पुष्पगुच्छ एवं माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया तथा उनके सफल एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। समारोह के दौरान दिव्यांगजनों ने कहा कि दोनों अधिकारियों ने अपने कार्यकाल में उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनके समाधान के लिए हमेशा सकारात्मक पहल की। यही कारण है कि उनके स्थानांतरण पर दिव्यांग समुदाय भावुक हो उठा। कार्यक्रम का सबसे भावुक क्षण तब देखने को मिला, जब डॉ. आनंद कुमार विभूति ने सभी दिव्यांगजनों को अपने कार्यालय कक्ष में आमंत्रित कर उनका कुशलक्षेम जाना और उनके साथ बैठकर नाश्ता किया। अधिकारियों के इस आत्मीय एवं संवेदनशील व्यवहार की सभी ने मुक्तकंठ से सराहना की। समारोह में मोहम्मद अफताब, मोहम्मद जावेद, मुन्ना कुमार, रागनी कुमारी, रहमतुल्लाह, सुधीर कुमार, पंकज कुमार, राजकिशोर शाह सहित बड़ी संख्या में दिव्यांगजन एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

हरनौत बीआरसी में अपार आईडी को लेकर शिक्षकों की बैठक, एक सप्ताह में शत-प्रतिशत लक्ष्य पूरा करने का निर्देश

नई सोच एक्सप्रेस

हरनौत।प्रखंड संसाधन केंद्र (बीआरसी) हरनौत में शुक्रवार को अपार (ऑटोमेटेड परमानेंट एकेडमिक अकाउंट रजिस्ट्री) आईडी को लेकर प्राथमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी (बीईओ) नितेश कुमार रंजन ने की। बीईओ ने बताया कि गुरुवार को निजी एवं मध्य विद्यालयों के प्रभारियों के साथ तथा शुक्रवार को प्राथमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों के साथ बैठक कर केंद्र सरकार की 'वन नेशन, वन स्टूडेंट आईडी' योजना के तहत अपार आईडी बनाने की प्रक्रिया की समीक्षा की गई। उन्होंने बताया कि हरनौत प्रखंड में 77 प्राथमिक, 47 मध्य, 18 उच्च विद्यालय तथा 33 निजी विद्यालय सहित कुल 175 विद्यालय संचालित हैं, जिनमें 29,829 छात्र-छात्राएं नामांकित हैं। इनमें से 17,392 विद्यार्थियों की अपार आईडी बन चुकी है, जबकि शेष विद्यार्थियों की आईडी शीघ्र बनाने के निर्देश दिए गए हैं। बीईओ ने सभी विद्यालय प्रभारियों को एक सप्ताह के भीतर आधार सत्यापन कर शत-प्रतिशत अपार आईडी तैयार कराने का निर्देश देते हुए कहा कि इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने बताया कि अपार आईडी के लिए छात्र एवं उसके माता या पिता के आधार कार्ड की आवश्यकता होगी। इस आईडी में विद्यार्थियों की शैक्षणिक जानकारी सुरक्षित रहेगी। बैठक में डाटा एंट्री ऑपरेटर ध्रुव कुमार, आईसीटी मॉनिटर ऋषि कुमार सहित अन्य संबंधित कर्मी उपस्थित थे।

फुलवरिया ने जीता टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट का खिताब, विधायक बबलू गुप्ता ने खिलाड़ियों का बढ़ाया उत्साह

नई सोच एक्सप्रेस

मोतिहारी।सुगौली प्रखंड के आदर्श उच्च विद्यालय परिसर में आदर्श क्लब फुलवरिया द्वारा आयोजित टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला शुक्रवार को उत्साहपूर्ण माहौल में खेला गया। फाइनल मैच का उद्घाटन विधायक राजेश कुमार उर्फ बबलू गुप्ता एवं समाजसेवी सुधीर यादव ने संयुक्त रूप से किया।इस अवसर पर विधायक बबलू गुप्ता ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभावान खिलाड़ियों की कोई कमी नहीं है, आवश्यकता केवल उन्हें उचित अवसर और मार्गदर्शन देने की है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए खेल बेहद जरूरी है तथा सरकार भी प्रतिभावान खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने सफल आयोजन के लिए आयोजन समिति को बधाई दी।फाइनल मुकाबला आदर्श क्लब फुलवरिया और भरगावा क्रिकेट टीम के बीच खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए फुलवरिया की टीम ने निर्धारित ओवरों में 158 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भरगावा की टीम 128 रन ही बना सकी। इस प्रकार फुलवरिया ने 30 रन से मुकाबला जीतकर टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम कर लिया।मैच के बाद आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार मुन्ना कुमार को प्रदान किया गया। विजेता टीम फुलवरिया के कप्तान बिक्कू कुमार को विधायक बबलू गुप्ता, सुधीर यादव, प्रदीप सराफ, विकास शर्मा, प्रभाकर मिश्र एवं अवधेश कुशवाहा ने संयुक्त रूप से विजेता ट्रॉफी प्रदान की। वहीं उपविजेता भरगावा टीम को भी ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा मैन ऑफ द सीरीज, बेस्ट बैट्समैन और बेस्ट बॉलर के पुरस्कार भी खिलाड़ियों को दिए गए।मैच में अंपायर की भूमिका अंशु झा ने निभाई, जबकि स्कोरर मुन्ना कुमार और कमेंट्री प्रमोद मिश्र एवं बिकेश रंजन मिश्र ने की।इस मौके पर सांसद प्रतिनिधि प्रदीप सराफ, उपमुख्य पार्षद प्रतिनिधि विकास शर्मा, समाजसेवी सुधीर यादव, मुखिया संघ उपाध्यक्ष प्रभाकर मिश्र, मुखिया अवधेश कुशवाहा, संजीव शर्मा, रूपेश श्रीवास्तव, महाप्रबंधक सुगन यादव, अध्यक्ष बिक्कू कुमार, कोच अंसुमान झा, सचिव मुन्ना कुमार, उपाध्यक्ष सोहराब आलम, कोषाध्यक्ष अजीत कुमार, बिकेश मिश्र, रौशन कुमार, राजा कुमार, आदित्य धोनी, अभिषेक पांडेय, आनंद कुमार, सुशील कुमार, सोनू कुमार, सुजल कुमार, यश कुमार सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

काको थाना की पुलिस ने 01 ट्रक से भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद किया

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। काको थाना को मद्य निषेध एवं राज्य स्वापक नियंत्रण ब्यूरो पटना के द्वारा सूचना मिली कि एक ट्रक जिसका रजि० नं0-BR01GP-6233 है में शराब रखकर जहानाबाद से बिहार शरीफ की तरफ आ रही है। उक्त सूचना से वरीय पदाधिकारी को अवगत कराते हुए सूचना का सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु जहानाबाद-बिहार शरीफ मेन रोड पर काको थाना गेट के पास वाहन चेकिंग लगाया गया। वाहन चेकिंग के क्रम में एक ट्रक जिसका रजि० नं0-BR01GP-6233 जिसे रूकने का इशारा किया तो चालक द्वारा ट्रक को रोक दिया गया। उक्त वाहन के चालक एवं सह चालक से नाम पूछने पर अपना नाम कौशल कुमार और शाहिल कुमार बताया। इसके बाद ट्रक की तलाशी ली गई तो ऑफिसर्स चॉइस व्हिस्की का 95 कार्टुन बरामद किया गया। जिसमें 822.96 ली० विदेशी शराब था। जिसे विधिवत ज़ब्ती सूची तैयार कर ज़ब्त किया गया। इस संबंध में काको थाना में एक केस दर्ज कर अग्रतर कार्रवाई की जा रही है। इसके साथ साथ अथमलगोला जिला पटना निवासी कौशल कुमार और शाहिल कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया है। इनके पास से सैमसंग मोबाईल-013. स्मार्ट फोन भी बरामद किया गया है।

पटना कोर्ट के आदेश पर चला बुलडोजर, सरकारी भूमि से हटाया गया अतिक्रमण

नई सोच एक्सप्रेस

मोतिहारी।सुगौली प्रखंड की भरगावां पंचायत अंतर्गत कौवाहा वार्ड संख्या-17 में शुक्रवार को प्रशासन ने पटना कोर्ट के आदेश के आलोक में अतिक्रमण हटाने की बड़ी कार्रवाई की। न्यायालय के वाद संख्या 2872/25 के अनुपालन में प्रशासनिक टीम ने जेसीबी मशीन की सहायता से सरकारी भूमि पर किए गए अतिक्रमण को हटाकर भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया।प्रशासन के अनुसार अमेरिका महतो, गणेश महतो एवं लालबाबू महतो द्वारा सरकारी भूमि पर अतिक्रमण किया गया था। न्यायालय के निर्देश के बाद जिला प्रशासन ने पूरी तैयारी के साथ कार्रवाई करते हुए संबंधित अतिक्रमण को ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई के दौरान क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए गए थे, ताकि किसी प्रकार की अप्रिय घटना न हो।अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की निगरानी जिला से पहुंचे कार्यपालक दंडाधिकारी अब्दुल कयूम ने की। उनके साथ अंचलाधिकारी सह दंडाधिकारी कुंदन कुमार एवं सुगौली थानाध्यक्ष अनीश कुमार सिंह भी पूरे समय मौके पर मौजूद रहे। प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि न्यायालय के आदेश का अक्षरशः पालन करते हुए सरकारी भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया है तथा भविष्य में भी सरकारी संपत्ति पर अवैध कब्जा करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।इस दौरान राजस्व अधिकारी राधेश्याम यादव, राजस्व कर्मियों सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल के जवान तैनात रहे। प्रशासन की कार्रवाई शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। स्थानीय लोगों ने भी पूरे घटनाक्रम को देखा अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और न्यायालय के निर्देशों का पालन प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाएगा।

» कार्यपालक दंडाधिकारी, अंचलाधिकारी व पुलिस की मौजूदगी में कार्रवाई, भारी पुलिस बल रहा तैनात

स्काउट-गाइड शिविर का निरीक्षण, पदाधिकारियों ने सराही प्रशिक्षण व्यवस्था

नई सोच एक्सप्रेस

छपरा।जिले के मढ़ौरा स्थित मारुति नंदन एकेडमी, मिर्जापुर एवं मांझी के पाठशाला इंटरनेशनल स्कूल, बंगरा में भारत स्काउट एवं गाइड का पांच दिवसीय प्रथम एवं द्वितीय सोपान प्रशिक्षण शिविर उत्साहपूर्वक संचालित हो रहा है। यह प्रशिक्षण जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (समग्र शिक्षा), सारण के निर्देशानुसार आयोजित किया जा रहा है। शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों में अनुशासन, सेवा भावना, नेतृत्व क्षमता, आत्मनिर्भरता, राष्ट्रप्रेम और सामाजिक उत्तरदायित्व का विकास करना है। प्रशिक्षण के दौरान स्काउट-गाइड का इतिहास, प्रतिज्ञा एवं नियम, ध्वज शिष्टाचार, टोली पद्धति, गांठ एवं बंधन, प्राथमिक उपचार, आपदा प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, समय प्रबंधन तथा व्यक्तित्व विकास से संबंधित व्यावहारिक जानकारी दी जा रही है। मारुति नंदन एकेडमी में प्राचार्य निखिल भारद्वाज एवं निदेशक नित्यानंद द्विवेदी के नेतृत्व में, जबकि पाठशाला इंटरनेशनल स्कूल में प्राचार्या अश्मिता सोनी पांडेय और निदेशक प्रदीप कुमार पांडेय के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण चल रहा है। विद्यालय के शिक्षकों और गाइड कैप्टेन भी प्रशिक्षण को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। शुक्रवार को भारत स्काउट एवं गाइड, सारण के जिला आयुक्त (स्काउट) अरुण पराशर तथा जिला कोषाध्यक्ष ज्ञानेंद्र भारद्वाज ने दोनों विद्यालयों का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रशिक्षण व्यवस्था, अनुशासन और विद्यार्थियों की सहभागिता की सराहना करते हुए कहा कि स्काउट-गाइड का प्रशिक्षण युवाओं में नेतृत्व, आत्मविश्वास, सेवा भावना और जिम्मेदार नागरिक बनने के गुण विकसित करता है। उन्होंने विद्यार्थियों से प्रशिक्षण में सीखी गई बातों को अपने दैनिक जीवन में अपनाने का आह्वान किया।

संक्षिप्त समाचार

ओप्पो इंडिया ने एआई फीचर्स और 50 मेगापिक्सल पोर्ट्रेट कैमरे के साथ रेनो 16 सीरीज लॉन्च की

दरभंगा। ओप्पो इंडिया ने अपनी नई रेनो 16 सीरीज लॉन्च की है। इस सीरीज में रेनो 16 और रेनो 16सी स्मार्टफोन पेश किए गए हैं। दोनों स्मार्टफोन में 50 मेगापिक्सल एआई पोर्ट्रेट कैमरा, 3.5 एक्स टेलीफोटो लेंस, ऑल-फोकल-लेंथ 4के 60एफपीएस एचडीआर वीडियो रिकॉर्डिंग और भारत का पहला होलोवर्स 3डी डिज़ाइन दिया गया है। रेनो 16 सीरीज में नई ए.आई एडिटिंग टूलकिट, ए.आई रीमिक्स कोलाज, पॉप कैम, पॉपआउट 2.0 और पहली बार ए.आई स्नैप की दी गई है, जिससे एआई माईंड स्पेस, कैमरा, ट्रांसलेटर और रिकॉर्डर जैसे टूल्स तक तुरंत पहुंच मिलती है। यह सीरीज लेटेस्ट कलरओएस 16 पर आधारित है। कंपनी ने रेनो 16 सीरीज के साथ अपना पहला स्मार्ट कैमरा कंपेनियन ओप्पो बबल और ओप्पो एन्को एयर 5 ईयरबड्स भी लॉन्च किए हैं। एन्को एयर 5 में 52 डेसिबल एक्टिव नॉइज़ कैंसलेशन और 54 घंटे तक की बैटरी लाइफ दी गई है। रेनो 16 5जी की शुरुआती कीमत 61,999 रुपये और रेनो 16सी 5जी की शुरुआती कीमत 46,999 रुपये है। दोनों स्मार्टफोन 9 जुलाई 2026 से बिक्री के लिए उपलब्ध होंगे।

टोल टैक्स के विरोध में कांग्रेस ने सरकार को घेरा

गया जी। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नेताओं ने राज्य सरकार द्वारा राज्य स्तरीय सड़कों पर नए टोल टैक्स की प्रस्तावित दरों का कड़ा विरोध करते हुए इसे आम जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बताया है। नेताओं का आरोप है कि सरकार निजी और व्यावसायिक सहित विभिन्न श्रेणी के वाहनों से 1.25 रुपये प्रति किलोमीटर से लेकर 8.10 रुपये प्रति किलोमीटर तक टोल टैक्स वसूलने की तैयारी कर रही है, जिससे लोगों पर दोहरे टैक्स का बोझ पड़ेगा। कांग्रेस प्रदेश प्रतिनिधि प्रो. विजय कुमार मिट्ठू सहित अन्य नेताओं ने संयुक्त बयान जारी करते हुए कहा कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर पहले से ही भारी टोल टैक्स वसूला जा रहा है। ऐसे में राज्य सरकार द्वारा राज्य सड़कों पर भी टोल टैक्स लागू करने का निर्णय आम जनता के लिए परेशानी बढ़ाने वाला है। मिट्ठू ने का कहना है कि वर्तमान में गया से पटना जाने वाली छोटी गाड़ियों पर लगभग 300 रुपये, रांची के लिए करीब 500 रुपये तथा टाटा (जमशेदपुर) के लिए लगभग 700 रुपये टोल टैक्स देना पड़ता है। उनका दावा है कि राज्य सरकार का नया टोल टैक्स लागू होने पर इन मार्गों पर यात्रा लागत में 25 से 35 प्रतिशत तक की अतिरिक्त बढ़ोतरी हो सकती है। नेताओं ने राज्य सरकार से राज्य स्तरीय सड़कों पर प्रस्तावित टोल टैक्स को वापस लेने तथा बिहार वासियों को दोहरे टैक्स के बोझ से राहत देने की मांग की है।

500 ड्रोन शो के साथ होगा एलपीएल 2026 का आगाज

पटना। लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) 2026 का उद्घाटन मुकाबला एसएससी कोलंबो में भव्य समारोह के साथ आयोजित किया जाएगा। टूर्नामेंट के इवेंट राइट्स होल्डर आईपीजी ग्रुप ने उद्घाटन समारोह में 500 ड्रोन शो आयोजित करने की घोषणा की है, जिसे श्रीलंका के क्रिकेट आयोजनों में अब तक का सबसे बड़ा लाइव मनोरंजन कार्यक्रम बताया जा रहा है। एलपीएल 2026 के टिकट 1 जुलाई से बुकमायशो पर उपलब्ध हैं। उद्घाटन समारोह में ड्रोन शो के साथ सांस्कृतिक और मनोरंजक प्रस्तुतियां होंगी। इसके बाद पांच फ्रेंचाइजियों के बीच टी20 मुकाबलों का रोमांच शुरू होगा, जिसमें श्रीलंका और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के कई प्रमुख खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। आईपीजी ग्रुप के चेयरमैन अनिल मोहन ने कहा कि लीग का उद्देश्य क्रिकेट के साथ विश्वस्तरीय मनोरंजन का अनुभव देना है। वहीं, एलपीएल निदेशक सामंथा डोडनवेला ने कहा कि यह आयोजन क्रिकेट प्रेमियों और परिवारों के लिए यादगार अनुभव साबित होगा।

रेनो इंडिया ने पहली कार खरीदना बनाया और आसान, नई क्विड का पूरी तरह फीचर-लोडेड क्लाइंबर वेरिएंट अब 4.99 लाख रुपये में उपलब्ध

पटना। फ्रांस की जानी-मानी ऑटोमोबाइल कंपनी रेनो ग्रुप की पूर्ण स्वामित्व की सब्सिडरी रेनो इंडिया ने आज नई रेनो क्विड के लॉन्च की घोषणा की। इस नए मॉडल में डिज़ाइन, वेरिएंट्स और कीमतों में बदलाव किए गए हैं, ताकि ग्राहकों के लिए अपनी पहली कार खरीदना पहले से अधिक आसान और सुविधाजनक हो सके। रेनो इंडिया के सेल्स एवं मार्केटिंग वाइस प्रेसिडेंट फ्रांसिस्को हिडाल्गो ने कहा, "लाखों भारतीयों के लिए अपनी पहली कार का मालिक बनना आज भी एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। तेजी से आकांक्षी बनते मध्यम वर्ग और दोपहिया वाहन मालिकों के एक बड़े वर्ग के कार की ओर उन्नयन की इच्छा को देखते हुए, पहली कार का स्वामित्व एक मजबूत और स्थायी आकांक्षा बना हुआ है। भारत में 4.5 लाख से अधिक ग्राहकों ने अपनी कार यात्रा की शुरुआत क्विड के साथ की है और इस भरोसे को हम बेहद महत्व देते हैं। नई क्विड के साथ हम इस विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं और अपने उत्पाद को अधिक सरल, स्पष्ट और ग्राहकों की जरूरतों के अनुरूप बना रहे हैं।"

उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक ने 3-5 साल की अवधि के लिए डॉलर में एफसीएनआर (बी) जमा पर ब्याज दर बढ़ाकर की 7.50%

पटना। उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक ने 3 से 5 साल की अवधि के लिए डॉलर में एफसीएनआर (बी) जमा पर ब्याज दर बढ़ाकर 7.50% सालाना कर दी है। यह पहल फॉरेन करेंसी नॉन-रेसिडेंट (बैंक) [एफसीएनआर (बी)] जमा के ज़रिए देश में विदेशी मुद्रा प्रवाह बढ़ाने के संबंध में भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) की हाल की नीतिगत घोषणा के मद्देनज़र की गई है। ब्याज दर में यह बढ़ोतरी प्रवासी भारतीय समुदाय के लिए बेहतर और ग्राहक-केंद्रित बैंकिंग समाधान प्रदान करने के प्रति उज्जीवन एसएफबी की प्रतिबद्धता के अनुरूप है। साथ ही इससे भारत के विदेशी मुद्रा भंडार और वाह्य क्षेत्र को मज़बूत करने के प्रयास में भी मदद मिलेगी। उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक के प्रमुख – खुदरा देनदारी (रिटेल लायबिलिटीज़), टीएएससी और, श्री हितेन्द्र झा ने इस ताज़ातरीन पहल के बारे में कहाः "आरबीआई की नीतिगत पहल बैंकिंग प्रणाली में विदेशी मुद्रा के स्थिर प्रवाह सुनिश्चित करने और प्रवासी भारतीयों का भरोसा बढ़ाने की दिशा में उल्लेखनीय कदम है। उज्जीवन एसएफबी ने इसी दृष्टिकोण के तहत 3 से 5 साल की अवधि के लिए डॉलर में एफसीएनआर(बी) जमा पर ब्याज दर बढ़ाकर 7.50% सालाना करने का फैसला किया है, जो बैंकिंग उद्योग में उपलब्ध सबसे अच्छी दरों में से एक है। इस बढ़ोतरी से प्रवासी भारतीयों के लिए निवेश के बेहतरीन अवसर प्रदान करने और भारत के विदेशी मुद्रा भंडार तथा दीर्घकालिक वित्तीय स्थिरता में योगदान करने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता रेखांकित होती है।" उज्जीवन एसएफबी इस बेहतर पेशकश के ज़रिये प्रवासी भारतीयों की भागीदारी में बढ़ोतरी के साथ, दीर्घकालिक स्तर पर विदेशी मुद्रा जमा हासिल कर देश के सतत आर्थिक विकास और वाह्य क्षेत्र की मज़बूती के वृहत्तर लक्ष्य में योगदान करना चाहता है।

सिस्टर निवेदिता बालिका विद्यालय में दलित-वंचित समुदाय के सशक्तिकरण का प्रयास

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और समग्र शिक्षा योजना के अंतर्गत एडवांस्ड डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के माध्यम से स्कूली शिक्षा में क्रांति लाने के भारत सरकार के दूरदर्शी संकल्प के अनुरूप, श्रेई इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस लिमिटेड ने जमीनी स्तर पर इस राष्ट्रीय अभियान को गति देने हेतु कदम बढ़ाया है। एक कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पहल के तहत, श्रेई ने 'नई घरती' के साथ साझेदारी कर मनेर,के सराय स्थित सिस्टर निवेदिता गर्ल्स स्कूल की डिजिटल, पावर एवं वोकेशनल इंफ्रास्ट्रक्चर का पूर्ण आधुनिकीकरण किया है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने तेजी से बदलते डिजिटल युग के लिए प्रथम पीढ़ी के विद्यार्थियों को तैयार करने हेतु इनफार्मेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी लैब्स तथा स्मार्ट कक्षाओं के देशव्यापी विस्तार पर निरंतर बल दिया है। यह स्वीकार करते हुए कि इस अखिल भारतीय परिवर्तन को तीव्र गति से प्राप्त करने हेतु सार्वजनिक-निजी सहभागिता अनिवार्य है, श्रेई ने अपनी कॉर्पोरेट पूंजी का उपयोग देश के सबसे असुरक्षित बच्चों- जिनमें बचाए गए कूड़ा बीनने वाले बच्चे, झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले बच्चे, और मुसहर जैसे हाशिए पर रहने वाले समुदायों की बालिकाएं शामिल हैं- के लिए डिजिटल तत्परता की खाई को पाटने हेतु किया है।विद्यालय के निरीक्षण के दौरान, श्रेई इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ हरदयाल प्रसाद ने इस आधुनिकीकरण परियोजना का औपचारिक शुभारंभ किया। श्रेई के लक्षित हस्तक्षेप में निर्बाध विद्युत सुरक्षा हेतु एक भारी क्षमता के 58 केवीए डीजल जनरेटर (डीजी) सेट की स्थापना, उच्च-तकनीक डिजिटल कक्षाओं के दृष्टिकोण को साकार करने हेतु 75-इंच के एलजी इंटरैक्टिव स्मार्ट बोर्ड , केंद्र के "स्वयंसिद्धा" उत्पादन समूह हेतु स्वचालित ऑटोमेटेड फूड प्रोसेसिंग मशीनरी, तथा इंडस्ट्रियल येड कमर्शियल वाटर प्यूरीफिकेशन सिस्टम शामिल हैं।इस ऐतिहासिक प्रयास को विद्यालय की बालिकाओं द्वारा प्रस्तुत एक जीवंत सांस्कृतिक कार्यक्रम से और भी विशेष बनाया गया, जिसमें उन्होंने चित्रकला, शास्त्रीय एवं लोक नृत्य, तथा अन्य कलाओं में अपनी असाधारण प्रतिभा का प्रदर्शन किया- ये सभी समग्र विकास के वे पहलू हैं जिन्हें नई धरती ने अपनी स्थापना (2011) के समय से ही प्रोत्साहित किया है।इस अवसर पर बोलते हुए, श्रेई के एमडी एवं सीईओ हरदयाल प्रसाद ने बताया कि यह पहलराष्ट्रीय एजेंडा का प्रत्यक्ष समर्थन करती है। पूर्व बैंक प्रबंधक नंदिता बैनर्जी द्वारा स्थापित नई धरती, 100 वंचित बालिकाओं को पूर्णतः निःशुल्क शिक्षा, आवास, वर्दी एवं स्टेशनरी किट प्रदान करती है, जिससे उन्हें अत्यधिक गरीबी के चक्र से दूर रखा जा सके।

स्नातक नामांकन की तकनीकी गड़बड़ियों पर छात्र राजद ने कुलपति को सौंपा ज्ञापन

नई सोच एक्सप्रेस

पूर्णिया। पूर्णिया विश्वविद्यालय में स्नातक सत्र 2026-30 की नामांकन प्रक्रिया में आ रही तकनीकी समस्याओं को लेकर छात्र राजद (एसएसएआई) के विश्वविद्यालय अध्यक्ष पीयूष पुजारा के नेतृत्व में छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि प्रथम एवं द्वितीय मेधा सूची के बावजूद पोर्टल की तकनीकी खामियों के कारण कई छात्र नामांकन से वंचित रह गए हैं। वहीं कुछ छात्रों का नाम मेधा सूची में नहीं होने के बावजूद पोर्टल पर चयनित दिखाया जा रहा है, जिससे भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो गई है। छात्र राजद ने मांग की है कि प्रथम और द्वितीय मेधा सूची में चयनित सभी छात्रों का नामांकन सुनिश्चित किया जाए, तकनीकी त्रुटियों को तत्काल दूर किया जाए तथा आवेदन में हुई छोटी-मोटी गलतियों को सुधारने का अवसर दिया जाए। संगठन ने तीसरी मेधा सूची पारदर्शी तरीके से जारी करने की भी मांग की है। छात्र राजद अध्यक्ष पीयूष पुजारा ने कहा कि यदि शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो संगठन छात्रों के हित में आंदोलन करने को बाध्य होगा।

न्यू क्रिमिनल लॉ पर मंथन के लिए बोधगया तैयार, दो दिवसीय सम्मेलन में शामिल होंगे जज और एसपी

नई सोच एक्सप्रेस

गया जी। बोधगया स्थित कन्वेंशन सेंटर में 4 और 5 जुलाई को न्यू क्रिमिनल लॉ विषय पर दो दिवसीय राज्यस्तरीय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। सम्मेलन में सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश, राज्य के सभी जिलों के पुलिस अधीक्षक (एसपी) तथा करीब 250 न्यायिक अधिकारी हिस्सा लेंगे। कार्यक्रम को लेकर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं करीब 1500 पुलिस पदाधिकारियों एवं जवानों की तैनाती की गई है।सम्मेलन का उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी होंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार 4 जुलाई को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी विशेष विमान से गया एयरपोर्ट पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री को एयरपोर्ट पर गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया जाएगा। बताया जाता है कि मुख्यमंत्री का करीब दो घंटे का कार्यक्रम प्रस्तावित है।सुरक्षा व्यवस्था के तहत गया शहर स्थित बिपार्ड से लेकर बोधगया के कन्वेंशन सेंटर तक कड़ी निगरानी की व्यवस्था की गई है। संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल के साथ दंडाधिकारियों की भी तैनाती की गई है। इस संबंध में डीएम और एसएसपी का संयुक्त आदेश भी जारी कर दिया गया है।सम्मेलन में भाग लेने वाले सभी एसपी, न्यायाधीश एवं न्यायिक अधिकारियों के ठहरने की विशेष व्यवस्था बिपार्ड तथा बोधगया के विभिन्न आवासीय परिसरों में की गई है। सम्मेलन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। करीब 1500 पुलिसकर्मियों की तैनाती के साथ 24 घंटे निगरानी रखी जाएगी । सुरक्षा, यातायात और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित किए गए हैं।

बोधगया में आहार सफाई के नाम पर सरकारी राशि का हुआ बंदरबांट, ग्रामीणों ने उठाई निष्पक्ष जांच की मांग

नई सोच एक्सप्रेस

गया। गया जिले के बोधगया प्रखंड अंतर्गत बारा पंचायत में मनरेगा योजना के तहत कराए जा रहे आहार सफाई कार्यों में अनियमितता और सरकारी राशि के दुरुपयोग के आरोप सामने आए हैं। स्थानीय ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि "तीन बिघवा आहार" की सफाई के नाम पर विभागीय मानकों की अनदेखी करते हुए सरकारी राशि की बंदरबांट की जा रही है।ग्रामीणों के अनुसार मनरेगा विभाग की निर्धारित गाइडलाइन के तहत आहार की सफाई के दौरान लगभग तीन फीट तक खुदाई किया जाना अनिवार्य है। आरोप है कि बारा पंचायत में संबंधित एजेंसी और जिम्मेदार अधिकारियों की मिली भगत से मात्र लगभग एक फीट तक मिट्टी की कटाई कराकर कार्य को पूर्ण दर्शा दिया गया।स्थानीय लोगों का कहना है कि मनरेगा के किसी भी कार्य में मापी और सत्यापन के बाद ही भुगतान की प्रक्रिया पूरी की जाती है। ऐसे में यदि मौके पर वास्तविक खुदाई केवल एक फीट तक ही हुई है, तो तीन फीट खुदाई के मानक के आधार पर भुगतान कैसे किया गया, यह जांच का विषय है।ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने कार्यस्थल की पुनः मापी कराने तथा दोषी पाए जाने वाले ठेकेदारों एवं संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते मामले की जांच नहीं हुई तो मनरेगा जैसी जनकल्याणकारी योजना में भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाना कठिन होगा।

शिक्षा, शोध और पारदर्शी प्रशासन को नई ऊँचाइयों तक ले जाना हमारी प्राथमिकता : कुलपति

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. उपेन्द्र प्रसाद सिंह के नेतृत्व का सफल एवं उपलब्धियों से परिपूर्ण एक वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर टी.पी.एस. कॉलेज, पटना के शिक्षकों, शिक्षकेत्तर कर्मचारियों एवं छात्र प्रतिनिधियों ने विश्वविद्यालय मुख्यालय पहुंचकर उन्हें शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर आयोजित अभिनंदन समारोह में विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय परिवार के अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। कुलपति प्रो.उपेन्द्र प्रसाद सिंह ने टी.पी.एस. कॉलेज परिवार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें कुलपति के रूप में कार्य करने का जो अवसर प्राप्त हुआ है, उसमें टीपीएस कॉलेज परिवार के सहयोग, विश्वास एवं स्नेह की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि विगत एक वर्ष के दौरान विश्वविद्यालय में कार्यसंस्कृति को सुदृढ़ बनाने, शैक्षणिक गतिविधियों को गति देने, परीक्षा प्रणाली को अधिक पारदर्शी एवं समयबद्ध बनाने तथा प्रशासनिक व्यवस्था को उत्तरदायी और छात्रहितैषी बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास किए गए हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा, शोध और पारदर्शी प्रशासन को नई ऊँचाइयों तक ले जाना उनकी प्राथमिकता रही है तथा भविष्य में भी विश्वविद्यालय को अकादमिक उत्कृष्टता, नवाचार और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के नए मानकों तक पहुँचाने के लिए निरंतर कार्य किया जाएगा। कुलसचिव प्रो. अबू बकर रिजवी ने कहा कि वे आज केवल कुलसचिव के रूप में नहीं, बल्कि टी.पी.एस. कॉलेज परिवार के सदस्य के रूप में उपस्थित हैं। उन्होंने कहा कि कुलपति प्रो. उपेन्द्र प्रसाद सिंह के नेतृत्व में विश्वविद्यालय में पारदर्शिता, उत्तरदायित्व, अनुशासन एवं कार्यकुशलता की नई संस्कृति विकसित हुई है तथा विश्वविद्यालय निरंतर प्रगति के नए आयाम स्थापित कर रहा है। टी.पी.एस. कॉलेज शिक्षक संघ के सचिव डॉ. विनय भूषण कुमार ने कहा कि कुलपति उपेन्द्र प्रसाद सिंह के नेतृत्व में विश्वविद्यालय में शैक्षणिक अनुशासन, प्रशासनिक पारदर्शिता एवं अकादमिक गुणवत्ता को नई दिशा मिली है। डॉ. उमेश कुमार ने कहा कि कुलपति महोदय सदैव शिक्षकों एवं कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने वाले व्यक्तित्व हैं। डॉ. मुकुंद कुमार ने कहा कि कुलपति ने विश्वविद्यालय को नई दिशा, नई पहचान एवं नई कार्यसंस्कृति प्रदान की है। प्रो. हेमलता सिंह ने कहा कि उनके नेतृत्व में विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक गुणवत्ता, शोध संस्कृति, छात्र कल्याण एवं प्रशासनिक सुधार के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ प्राप्त की हैं। प्रो. तारिक फातमी ने कहा कि कुलपति महोदय ने विश्वविद्यालय में शैक्षणिक वातावरण को सुदृढ़ करने तथा सभी घटकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण संकायाध्यक्ष प्रो. राजीव रंजन ने कहा कि कुलपति विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के प्रति सदैव प्रतिबद्ध रहे हैं। परीक्षा नियंत्रक प्रो. मनोज कुमार ने कहा कि कुलपति महोदय के मार्गदर्शन में परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता, समयबद्धता एवं विश्वसनीयता को नई मजबूती मिली है। रामेश्वर महाविद्यालय, मुजफ्फरपुर के प्राचार्य प्रो. श्यामल किशोर ने कहा कि प्रो. (डॉ.) उपेन्द्र प्रसाद सिंह का नेतृत्व उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन का प्रतीक बन चुका है।कार्यक्रम का संचालन छात्र प्रतिनिधि डॉ. अंकित तिवारी एवं शिवम पराशर ने किया।

पूर्व प्रतियोगियों की घर वापसी के साथ इंडियन आइडल मनाएगा डायमंड जुबली उत्सव

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। इंडियन आइडल इस सप्ताह अपने 'डायमंड जुबली' विशेष एपिसोड में विभिन्न सीज़नों के लोकप्रिय पूर्व प्रतियोगियों की घर वापसी के साथ अपनी यादगार यात्रा का जश्न मनाएगा। इस विशेष एपिसोड में अभिजीत सावंत, अमित साना, प्राजक्ता शुक्रे, श्रीराम चंद्रा, असीस कौर, सलमान अली, आशीष कुलकर्णी, मोहम्मद दानिश, पवनदीप राजन, शनमुखप्रिया, निहाल तारो, वैभव गुप्ता, स्नेहा शंकर और मानसी घोष एक बार फिर मंच साझा करेंगे। इस मौके पर अभिजीत सावंत ने कहा कि इंडियन आइडल ने उनकी जिंदगी बदल दी और इस मंच पर लौटना उनके लिए बेहद भावुक पल है। वहीं असीस कौर ने कहा कि शो से मिली सीख ने उन्हें आगे बढ़ने और अपने सपनों को पूरा करने की प्रेरणा दी। प्राजक्ता शुक्रे और अमित साना ने भी इंडियन आइडल को अपने संगीत सफर की मजबूत शुरुआत बताया। पुरानी यादों, शानदार प्रस्तुतियों और भावनात्मक पलों से भरपूर यह विशेष एपिसोड हर शनिवार और रविवार को सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित होगा तथा सोनी लिव पर स्ट्रीम किया जाएगा।

रेलवे दोहरीकरण निरीक्षण सी आर एस गुरु प्रकाश ने पूरी टीम के साथ की

नई सोच एक्सप्रेस

बेतिया। मुजफ्फरपुर नरकटियागंज रेल खंड के बेतिया-मझौलिया रेलवे लाइन का दोहरीकरण का अंतरिम निरीक्षण शुक्रवार को कमिश्नर ऑफ रेलवे सेफ्टी सी आर एस गुरु प्रकाश ने पूरी टीम के साथ की।इस महत्वपूर्ण निरीक्षण को लेकर रेलवे प्रसाशन सभी तैयारियां पूरी कर ली थी।इस सिलसिले में मंडल रेल प्रबंधक ज्योति प्रकाश मिश्रा पूरे टीम के साथ 11 ट्रॉली के साथ बेतिया से रेलवे ट्रेक का निरीक्षण करते मझौलिया स्टेशन पर पहुंचे।डीआरएम ने कहा कि शुक्रवार को कमिश्नर ऑफ रेलवे सेफ्टी के नेतृत्व में बेतिया मझौलिया रेलवे दोहरीकरण का निरीक्षण किया गया। उन्होंने वरिष्ठ रेल अधिकारियों के टीम के साथ ट्रेक,सिग्नल व्यवस्था, इंटरलॉकिंग, रेलवे क्रॉसिंग, स्टेशन परिसर, स्टेशन पैनल रुम और सुरक्षा से जुड़े सभी प्रमुख विंदुओं का गहन निरीक्षण किया।और तैयारियां का अंतिम रुप दिया।वही मझौलिया स्टेशन से 2 घंटे 33 मिनट रुकने के बाद 3 बजकर 55 मिनट पर स्पीड ट्रायल हेतु सीआरएस स्पेशल ट्रेन मझौलिया से बेतिया के लिए रवाना हुई।बताया गया है कि लगभग 120 से 130 के स्पीड पर ट्रायल किया गया।वही इस दिन इस रुट की सभी ट्रेनों का परिचालन ठप किया गया था।मौके पर सीनियर डिविजनल विजय प्रकाश,सीएफओ शैलेन्द्र प्रसाद,सीइएनडी अनिल कुमार, सीनियर डीएन समन्यव समस्तीपुर संजय कुमार, डिप्टी चीफ इंजीनियर निर्माण अजय कुमार, अधिशासी अभियंता निर्मल सलहाता सहित एनएनटी कंट्रक्शन, हरिक कंट्रक्शन, दुर्गा कंट्रक्शन, बीएन सिंह कंट्रक्शन के चीफ मौजूद रहे।

रामगढ़वा में खाद वितरण व्यवस्था होगी पारदर्शी, किसानों को नहीं होगी परेशानी

नई सोच एक्सप्रेस

मोतिहारी। रामगढ़वा प्रखंड में खाद की सुचारू उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए उर्वरक निगरानी समिति ने वितरण व्यवस्था को व्यवस्थित करने का निर्णय लिया है। उप प्रमुख अरविंद कुमार पांडे की अध्यक्षता में हुई बैठक में प्रखंड कृषि पदाधिकारी पारसनाथ काजी, माकपा नेता राधा मोहन सिंह, बीटीएम विनेश कुमार तथा क्षेत्र के सभी प्रमुख खाद विक्रेता मौजूद रहे।बैठक में निर्णय लिया गया कि पखनहिया बाजार, पिपरपाती चौक और चम्पापुर चौक जैसे उन क्षेत्रों में प्राथमिकता के आधार पर खाद की आपूर्ति की जाएगी, जहां किसानों की मांग सबसे अधिक है। उप प्रमुख अरविंद कुमार पांडे ने कहा कि जिला स्तर पर खाद उपलब्ध होते ही सबसे पहले रामगढ़वा प्रखंड की आवश्यकता पूरी कराने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि किसानों को खाद के लिए भटकना न पड़े।बैठक में खाद विक्रेताओं को वितरण प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता बरतने और किसी भी प्रकार की जमाखोरी नहीं होने देने का निर्देश दिया गया। रितेश कुमार झा सहित सभी खाद विक्रेताओं ने प्रशासन के निर्देशों का पालन करने का आश्वासन दिया।कृषि विभाग के अधिकारियों एवं बीटीएम विनेश कुमार ने किसानों से जरूरत के अनुसार ही खाद का उपयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि आवश्यकता से अधिक उर्वरक का प्रयोग मिट्टी की उर्वरा शक्ति को नुकसान पहुंचाता है। वहीं, माकपा नेता राधा मोहन सिंह ने इस पहल का समर्थन करते हुए इसे किसानों के हित में आवश्यक बताया।प्रशासन और उर्वरक निगरानी समिति का उद्देश्य खाद की कालाबाजारी पर रोक लगाना तथा यह सुनिश्चित करना है कि कृषि कार्य के दौरान प्रखंड के किसानों को खाद की कमी का सामना न करना पड़े।

विकसित भारत की राह में स्वच्छ राजनीति की अनिवार्यता

आरती कुमारी

भारतीय लोकतंत्र ने स्वतंत्रता के बाद सात दशकों से अधिक की यात्रा में अनेक ऐतिहासिक उपलब्धियां अर्जित की हैं। दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने के साथ भारत आज वैश्विक अर्थव्यवस्था की प्रमुख शक्तियों में शामिल है और वर्ष 2047 तक "विकसित भारत" बनने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है। डिजिटल क्रांति, आधारभूत संरचना का विस्तार, अंतरिक्ष विज्ञान, रक्षा क्षमता, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आर्थिक सुधारों ने भारत को नई पहचान दी है। लेकिन किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति केवल उसकी आर्थिक प्रगति, सैन्य क्षमता अथवा तकनीकी विकास से नहीं मापी जाती। लोकतंत्र की स्थायी सफलता उसके राजनीतिक नेतृत्व की ईमानदारी, शासन व्यवस्था की पारदर्शिता और जनप्रतिनिधियों की नैतिक विश्वसनीयता पर निर्भर करती है। यदि राजनीति में अपराध, भ्रष्टाचार और सत्ता का दुरुपयोग बढ़ता है, तो विकास की उपलब्धियां भी जनता का विश्वास अर्जित नहीं कर पातीं। स्वतंत्रता के बाद लगभग हर सरकार ने स्वच्छ राजनीति, भ्रष्टाचार-मुक्त प्रशासन और सुशासन का वादा किया। समय-समय पर चुनाव सुधारों की चर्चा हुई, कई आयोग गठित किए गए और अनेक कानून बनाए गए, लेकिन राजनीतिक शुचिता का मूल प्रश्न आज भी अधूरा बना हुआ है। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि जब भी कोई प्रभावी सुधार लागू करने का प्रयास हुआ, राजनीतिक दलों ने उसे राष्ट्रीय हित के बजाय अपने तत्कालीन राजनीतिक हितों के चश्मे से देखा। परिणामस्वरूप ऐसी व्यवस्था विकसित नहीं हो सकी जिसमें केवल स्वच्छ छवि, निष्कलंक सार्वजनिक जीवन और नैतिक आचरण वाले व्यक्तियों को जनप्रतिनिधि बनने का अवसर मिले। आज संसद और विधानसभाओं में आपराधिक मामलों का सामना कर रहे जनप्रतिनिधियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। चुनावी सुधारों पर कार्य करने वाले विभिन्न संगठनों की रिपोर्टें भी समय-समय पर इस चिंता को सामने लाती रही हैं कि गंभीर आपराधिक मामलों का सामना करने वाले अनेक उम्मीदवार चुनाव जीतकर विधायिका तक पहुंच रहे हैं। यह स्थिति केवल किसी एक राज्य या एक राजनीतिक दल तक सीमित नहीं है, बल्कि लगभग सभी प्रमुख दलों के सामने समान रूप से मौजूद है। इससे लोकतंत्र की नैतिक विश्वसनीयता प्रभावित होती है और जनता के मन में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि कानून बनाने वाले स्वयं कानून के कठघरे में खड़े हों तो लोकतांत्रिक व्यवस्था कितनी प्रभावी रह पाएगी। इसी पृष्ठभूमि में केंद्र सरकार एक बार फिर संविधान संशोधन के माध्यम से ऐसे प्रावधान पर विचार कर रही है, जिसके तहत प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री तथा अन्य मंत्रियों को ऐसे मामलों में पद से हटाने का प्रावधान किया जाए, जिनमें पाँच वर्ष या उससे अधिक सजा का प्रावधान हो और संबंधित व्यक्ति लगातार तीस दिनों तक न्यायिक हिरासत में रहे। बताया जा रहा है कि इस संबंध में प्रस्तावित संविधान संशोधन विधेयक की जांच संयुक्त संसदीय समिति द्वारा की जा रही है और समिति की अनुशंसा के बाद संसद के मानसून सत्र में इस पर चर्चा हो सकती है। यह विषय अत्यंत संवेदनशील है, क्योंकि इसका सीधा संबंध लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता और संवैधानिक मर्यादाओं से है। एक ओर यह तर्क दिया जा रहा है कि हत्या, बलात्कार, आतंकवाद, संगठित अपराध अथवा बड़े भ्रष्टाचार जैसे गंभीर मामलों में लंबे समय तक न्यायिक हिरासत में रहने वाला व्यक्ति जनता का प्रतिनिधित्व करने की नैतिक पात्रता खो देता है। दूसरी ओर यह भी उतना ही महत्वपूर्ण संवैधानिक सिद्धांत है कि भारतीय न्याय व्यवस्था प्रत्येक व्यक्ति को तब तक निर्दोष मानती है, जब तक न्यायालय उसे दोषी सिद्ध न कर दे। ऐसे में केवल आरोप अथवा गिरफ्तारी के आधार पर किसी निर्वाचित प्रतिनिधि को पद से हटाना राजनीतिक प्रतिशोध का माध्यम भी बन सकता है। वास्तव में दोनों पक्षों की चिंताएं अपने-अपने स्थान पर महत्वपूर्ण हैं। यदि गंभीर अपराधों के आरोपी जनप्रतिनिधि वर्षों तक पद पर बने रहते हैं, तो जनता का लोकतंत्र से विश्वास कमजोर होता है। वहीं यदि केवल आरोप के आधार पर पद से हटाने की व्यवस्था बना दी जाए, तो सत्ता में बैठी सरकारें जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर विपक्षी नेताओं को राजनीतिक रूप से कमजोर करने का प्रयास कर सकती हैं। इसलिए किसी भी नए कानून में संतुलन, पारदर्शिता और न्यायिक सुरक्षा उपायों का समावेश अनिवार्य होना चाहिए। ऐसा कानून तभी लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप माना जाएगा, जब उसमें निष्पक्ष जांच, स्वतंत्र न्यायिक समीक्षा और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पूरा पालन सुनिश्चित किया जाए। केवल कार्यपालिका के निर्णय पर किसी जनप्रतिनिधि का पद समाप्त होना उचित नहीं होगा। इस प्रकार की व्यवस्था में न्यायपालिका की भूमिका निर्णायक होनी चाहिए, ताकि राजनीतिक हस्तक्षेप की संभावना न्यूनतम रहे। भारतीय राजनीति में ऐसे अनेक उदाहरण सामने आए हैं, जिन्होंने इस बहस को और गंभीर बना दिया है। विभिन्न राज्यों में ऐसे मुख्यमंत्री, मंत्री और जनप्रतिनिधि रहे हैं, जिन पर गंभीर आरोप लगे या जो न्यायिक हिरासत में रहे, फिर भी उन्होंने पद पर बने रहने का प्रयास किया। बिहार में लालू प्रसाद यादव, दिल्ली में अरविंद केजरीवाल तथा उनके कुछ मंत्रियों सहित विभिन्न दलों के अनेक नेताओं के मामलों ने समय-समय पर यह प्रश्न उठाया कि क्या सार्वजनिक जीवन में केवल कानूनी वैधता पर्याप्त है या नैतिक उत्तरदायित्व भी उतना ही आवश्यक है। लोकतंत्र केवल संविधान की धाराओं पर नहीं चलता, बल्कि जनविश्वास पर आधारित व्यवस्था है। यदि जनता को यह महसूस होने लगे कि राजनीतिक नेतृत्व सत्ता से चिपके रहने के लिए नैतिकता की अनदेखी कर रहा है, तो लोकतंत्र की बुनियाद कमजोर होने लगती है। किसी भी लोकतांत्रिक समाज में जनप्रतिनिधि केवल अधिकारों का उपभोग करने वाला व्यक्ति नहीं होता, बल्कि वह सार्वजनिक जीवन का आदर्श भी माना जाता है। इसलिए गंभीर आरोप लगने की स्थिति में नैतिक आधार पर पद छोड़ने की परंपरा लोकतंत्र को मजबूत बनाती है। विश्व के अनेक लोकतांत्रिक देशों में राजनीतिक नैतिकता की परंपरा कहीं अधिक मजबूत दिखाई देती है। कई देशों में केवल नैतिक प्रश्न उठने या हितों के टकराव की आशंका भर से मंत्री स्वयं इस्तीफा दे देते हैं, ताकि निष्पक्ष जांच प्रभावित न हो और लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता बनी रहे। भारत में भी ऐसी राजनीतिक संस्कृति विकसित करने की आवश्यकता है, जहां पद त्यागना कमजोरी नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक उत्तरदायित्व का प्रतीक माना जाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक विकसित भारत का जो लक्ष्य निर्धारित किया है, उसमें आर्थिक विकास के साथ सुशासन, पारदर्शिता, डिजिटल प्रशासन, भ्रष्टाचार-मुक्त व्यवस्था और जनभागीदारी को विशेष महत्व दिया गया है। निस्संदेह विकसित भारत केवल आधुनिक राजमार्गों, मेट्रो परियोजनाओं, सेमीकंडक्टर उद्योग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और ऊंची आर्थिक विकास दर से नहीं बनेगा। विकसित राष्ट्र की पहचान उसकी राजनीतिक विश्वसनीयता, प्रशासनिक ईमानदारी और न्याय व्यवस्था की निष्पक्षता से भी होती है। यदि भारत विश्वगुरु बनने का सपना देख रहा है तो उसकी राजनीति भी विश्व के सामने अनुकरणीय होनी चाहिए। इसके लिए केवल कानून बनाना पर्याप्त नहीं होगा। राजनीतिक दलों को भी आत्ममंथन करना होगा। उम्मीदवारों के चयन में जातीय समीकरण, धनबल और बाहुबल के बजाय चरित्र, सामाजिक सेवा, प्रशासनिक समझ और सार्वजनिक जीवन की स्वच्छ छवि को प्राथमिकता देनी होगी। सर्वोच्च न्यायालय कई बार राजनीतिक दलों को निर्देश दे चुका है कि वे आपराधिक पृष्ठभूमि वाले उम्मीदवारों को टिकट देने का कारण सार्वजनिक करें, लेकिन व्यवहार में इसका अपेक्षित प्रभाव अभी तक दिखाई नहीं देता। चुनाव सुधारों की दिशा में भी व्यापक कदम उठाने की आवश्यकता है। चुनावों में बढ़ते धनबल और बाहुबल का प्रभाव अपराधी तत्वों को राजनीति में प्रवेश का अवसर देता है। चुनावी खर्च की पारदर्शिता, राजनीतिक चंदे की जवाबदेही और आंतरिक लोकतंत्र को मजबूत किए बिना राजनीति को पूरी तरह स्वच्छ बनाना कठिन होगा। इसके साथ ही न्यायिक सुधार भी समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। जनप्रतिनिधियों से जुड़े आपराधिक मामलों का वर्षों तक लंबित रहना लोकतंत्र के लिए अत्यंत घातक है। जब मुकदमे दशकों तक चलते हैं, तब न निर्दोष व्यक्ति को समय पर न्याय मिल पाता है और न दोषी व्यक्ति को समय पर दंड। परिणामस्वरूप राजनीतिक विवाद लगातार बने रहते हैं और जनता के मन में संदेह पैदा होता है। इस समस्या के समाधान के लिए जनप्रतिनिधियों से संबंधित मामलों की सुनवाई हेतु विशेष न्यायालयों को और अधिक प्रभावी बनाया जाना चाहिए। गंभीर मामलों में समयबद्ध जांच, निश्चित समय-सीमा में आरोप तय करने और त्वरित न्याय सुनिश्चित करने की व्यवस्था विकसित की जानी चाहिए। इससे न्याय व्यवस्था की विश्वसनीयता भी बढ़ेगी और राजनीति पर लगे अपराधीकरण के आरोप भी कम होंगे। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी सत्ता पक्ष की। किसी भी सुधार का विरोध केवल इसलिए नहीं होना चाहिए कि उसका प्रस्ताव विरोधी दल लेकर आया है। यदि किसी विधेयक में संवैधानिक या व्यावहारिक कमियां हैं, तो विपक्ष को रचनात्मक सुझाव देकर उसे बेहतर बनाने का प्रयास करना चाहिए। इसी प्रकार सत्ता पक्ष को भी विपक्ष की आशंकाओं को गंभीरता से सुनना चाहिए। लोकतंत्र की शक्ति संवाद, सहमति और संतुलन में निहित होती है, टकराव में नहीं। भारत आज ऐसे दौर में खड़ा है, जहां एक ओर विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत और विश्वगुरु भारत का सपना है, वहीं दूसरी ओर राजनीति की विश्वसनीयता को पुनर्स्थापित करने की चुनौती भी है। इन दोनों उद्देश्यों को अलग-अलग नहीं देखा जा सकता। आर्थिक विकास और नैतिक विकास समानांतर चलेंगे तभी भारत विश्व के सामने एक आदर्श लोकतांत्रिक राष्ट्र के रूप में स्थापित हो सकेगा। स्वच्छ राजनीति केवल किसी सरकार, विपक्ष या न्यायपालिका की जिम्मेदारी नहीं है। यह राजनीतिक दलों, संवैधानिक संस्थाओं, मीडिया, नागरिक समाज और मतदाताओं सभी की साझा जिम्मेदारी है। जिस दिन देश की राजनीति में ईमानदारी, पारदर्शिता, उत्तरदायित्व और नैतिक साहस को वास्तविक सम्मान मिलेगा, उसी दिन लोकतंत्र की जड़ें और मजबूत होंगी। विकसित भारत का मार्ग संसद से होकर अवश्य गुजरता है, लेकिन उसकी नींव जनविश्वास पर टिकी होती है। इसलिए यदि भारत को वर्ष 2047 तक वास्तव में विकसित, समृद्ध और विश्व के लिए आदर्श लोकतंत्र बनाना है, तो आर्थिक सुधारों के साथ राजनीतिक शुचिता, जवाबदेही और नैतिक नेतृत्व को भी राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाना होगा। यही सच्चे अर्थों में विकसित भारत की सबसे मजबूत आधारशिला होगी।

व्हाट्सएप, फेक न्यूज और डिजिटल युग में समाज की चुनौतियां

जितेन्द्र कुमार सिन्हा, पटना

आज का भारत एक ऐसे दौर से गुजर रहा है जहाँ युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं लड़े जा रहे हैं। बंदूकें, टैंक और मिसाइलें अब भी अपनी जगह महत्वपूर्ण हैं, लेकिन उनसे कहीं अधिक प्रभावशाली एक नया हथियार हमारे हाथों में आ चुका है "स्मार्टफोन"। यह छोटा-सा उपकरण केवल संवाद का माध्यम नहीं रहा, बल्कि विचारों, सूचनाओं, भावनाओं और जनमत को नियंत्रित करने का सबसे शक्तिशाली साधन बन गया है। विशेष रूप से व्हाट्सएप, जो कभी परिवार और मित्रों के बीच बातचीत का आसान माध्यम माना जाता था, आज सूचना के प्रवाह का ऐसा नेटवर्क बन चुका है जिसकी पहुँच देश के सबसे दूरस्थ गाँव तक है। भारत में करोड़ों लोग प्रतिदिन व्हाट्सएप का उपयोग करते हैं। सुबह उठते ही शुभकामना संदेशों से लेकर रात तक राजनीतिक बहसों, धार्मिक विचारों, वीडियो, समाचारों और तरह-तरह की सूचनाओं का आदान-प्रदान इसी मंच पर होता है। लेकिन इसी सुविधा के साथ एक गंभीर संकट भी जन्म ले चुका है। अब व्हाट्सएप केवल संवाद का मंच नहीं रहा, बल्कि जनमत निर्माण, समाज को प्रभावित करने और कई बार उसे विभाजित करने का माध्यम भी बन गया है। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि झूठी सूचनाएँ, आधे-अधूरे तथ्य और भ्रामक संदेश सत्य की तुलना में कहीं अधिक तेजी से फैलते हैं। एक व्यक्ति द्वारा भेजा गया गलत संदेश कुछ ही मिनटों में हजारों लोगों तक पहुँच सकता है और कुछ घंटों में लाखों लोगों तक। इस प्रक्रिया में सत्य अक्सर पीछे छूट जाता है, जबकि अफवाहें सामाजिक वास्तविकता का रूप धारण कर लेती हैं। यही कारण है कि आज डिजिटल सूचना के इस युग को समझना और उससे जुड़े खतरों को पहचानना पहले से कहीं अधिक आवश्यक हो गया है। मानव सभ्यता का इतिहास सूचना के विकास का इतिहास भी है। कभी संदेश पहुँचाने के लिए दूत भेजे जाते थे। फिर पत्रों का युग आया। उसके बाद टेलीफोन, रेडियो और टेलीविजन ने संचार व्यवस्था को बदल दिया। लेकिन इंटरनेट और स्मार्टफोन ने जिस गति से दुनिया को बदला है, उसका कोई ऐतिहासिक उदाहरण नहीं मिलता। भारत में इंटरनेट क्रांति के बाद सूचना का लोकतंत्रीकरण हुआ। अब केवल समाचार संस्थान ही सूचना के स्रोत नहीं रहे। प्रत्येक व्यक्ति स्वयं एक प्रकाशक बन गया। उसके पास कैमरा है, रिकॉर्डिंग की सुविधा है, सोशल मीडिया अकाउंट है और लाखों लोगों तक पहुँचने की क्षमता है। यह परिवर्तन कई दृष्टियों से सकारात्मक था। इससे आम नागरिकों को अपनी बात रखने का मंच मिला। ग्रामीण क्षेत्रों तक सूचना पहुँची। शिक्षा, स्वास्थ्य और प्रशासनिक सेवाओं का विस्तार हुआ। लेकिन इसी लोकतंत्रीकरण के साथ सूचना की गुणवत्ता और सत्यता की समस्या भी सामने आई। पहले किसी समाचार को प्रकाशित होने से पहले कई स्तरों की जाँच से गुजरना पड़ता था। संपादक, रिपोर्टर और संस्थान उसकी जिम्मेदारी लेते थे। आज कोई भी व्यक्ति बिना किसी सत्यापन के किसी भी सूचना को हजारों लोगों तक पहुँचा सकता है। यही स्थिति फेक न्यूज की सबसे बड़ी ताकत बन गई है। जब व्हाट्सएप की शुरुआत हुई थी, तब इसका उद्देश्य सरल और सुरक्षित संवाद उपलब्ध कराना था। इसकी लोकप्रियता का कारण इसकी सरलता थी।

फोन नंबर के आधार पर संपर्क स्थापित करना आसान था। परिवार, मित्र, विद्यालय, कार्यालय और सामाजिक समूहों के लिए यह आदर्श मंच बन गया। धीरे-धीरे व्हाट्सएप समूहों की संख्या बढ़ती गई। अब एक व्यक्ति सैकड़ों समूहों का हिस्सा हो सकता है। इनमें परिवार, जातीय समूह, धार्मिक संगठन, राजनीतिक समर्थक, व्यापारिक नेटवर्क और स्थानीय समुदाय शामिल हैं। यहीं से एक नई समस्या ने जन्म लिया। जब किसी समूह में कोई संदेश आता है, तो अधिकांश लोग उसे बिना सत्यापन के स्वीकार कर लेते हैं। यदि संदेश भेजने वाला व्यक्ति परिचित हो, तो उस पर विश्वास और बढ़ जाता है। मनोविज्ञान की भाषा में इसे "ट्रस्ट ट्रांसफर" कहा जाता है। अर्थात व्यक्ति सूचना पर नहीं, बल्कि सूचना भेजने वाले पर विश्वास करता है। यही कारण है कि झूठी खबरें भी तेजी से फैल जाती हैं। उदाहरण के लिए यदि किसी समूह में यह संदेश आए कि किसी विशेष समुदाय ने कोई घटना की है, या किसी स्थान पर हिंसा होने वाली है, तो बहुत से लोग बिना जाँच किए उसे आगे बढ़ा देते हैं। कुछ ही समय में यह संदेश सैकड़ों समूहों तक पहुँच जाता है और अफवाह वास्तविकता जैसी प्रतीत होने लगती है। यह समझना आवश्यक है कि लोग झूठी खबरों पर विश्वास क्यों कर लेते हैं। इसके पीछे कई मनोवैज्ञानिक कारण होते हैं। भय- मनुष्य स्वाभाविक रूप से खतरों के प्रति संवेदनशील होता है। यदि कोई संदेश भय उत्पन्न करता है, तो लोग उसे तुरंत साझा करते हैं। जैसे- "आज रात शहर में दंगा होने वाला है।" "फलाँ समुदाय के लोग हमला करने की तैयारी कर रहे हैं।" "बच्चों का अपहरण करने वाला गिरोह सक्रिय है।" ऐसे संदेश लोगों के मन में डर पैदा करते हैं और वे बिना सत्यापन के उन्हें आगे बढ़ा देते हैं।

पूर्वाग्रह - यदि कोई सूचना पहले से मौजूद धारणाओं के अनुरूप हो, तो लोग उसे आसानी से स्वीकार कर लेते हैं। इसे "कन्फर्मेशन बायस" कहा जाता है। यदि किसी व्यक्ति के मन में पहले से किसी समूह के प्रति नकारात्मक धारणा है, तो उससे जुड़ी झूठी खबर भी उसे सच लग सकती है। समूह पहचान- लोग अपने समूह की मान्यताओं के अनुसार सोचने लगते हैं। यदि किसी समूह में बार-बार एक ही प्रकार की सूचनाएँ साझा होती हैं, तो धीरे-धीरे सदस्य उन्हें सत्य मानने लगते हैं। तात्कालिकता- "अभी शेयर करें।" "तुरंत सबको भेजें।" "यह संदेश सरकार नहीं दिखाएगी।" ऐसे शब्द लोगों को बिना सोचे-समझे प्रतिक्रिया देने के लिए प्रेरित करते हैं। डिजिटल दुनिया में शुरू हुई अफवाहें कई बार वास्तविक दुनिया में हिंसा का कारण बन जाती हैं। भारत सहित दुनिया के अनेक देशों में ऐसी घटनाएँ सामने आई हैं जहाँ सोशल मीडिया पर फैली झूठी सूचनाओं ने सामाजिक तनाव और हिंसा को जन्म दिया। एक झूठी तस्वीर, पुराना वीडियो या संपादित क्लिप लोगों की भावनाओं को भड़का सकती है। जब भावनाएँ तर्क पर हावी हो जाती हैं, तब भीड़ का व्यवहार बदल जाता है। भीड़ व्यक्तिगत जिम्मेदारी को समाप्त कर देती है।

मेष राशि : मेष राशि वालों आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। आज छात्रों को प्रतियोगी परीक्षा का बेहतर परिणाम मिलेगा। आज व्यवसाय संबंधी नई जानकारियां हासिल करना जरूरी है। मीडिया और ऑनलाइन कामों से जुड़े बिजनेस में फायदा होगा। आज आपके द्वारा की गई मेहनत के परिणाम बेहतर होंगे। आपका हंसमुख स्वभाव लोगों को आकर्षित करेगा। इस राशि के सरकारी विभाग में सेवारत लोगों को आज महत्वपूर्ण कार्यभार संभालना पड़ेगा। शुभ अंक - 1

वृष राशिः वृष राशि वालों आज आपका दिन आपके लिए पाजिटिव रहेगा। ऑफिस में कलीग्स के साथ आपका तालमेल अच्छा रहेगा। सॉफ्टवेयर इंजीनियर अपने किसी ड्रीम प्रोजेक्ट के लिए कड़ी मेहनत करेंगे। साथ ही आज उन्हें किसी बड़ी कंपनी से जॉब का ऑफर आ सकता है। रियल एस्टेट से जुड़े लोगों को अच्छा फायदा होगा। इस राशि के विद्यार्थियों की मेहनत आज रंग लाएगी। शुभ अंक - 8

मिथुन राशिः मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके लिए नए अवसर लेकर आने वाला है। आज आप अपनी गतिविधियों को गोपनीय रखें साथ ही आसपास की गतिविधियों को नजर अंदाज ना करें। आज किसी विशेष योजना को लागू करने के लिए सक्रियता और सतर्कता बनाए रखने से सफलता मिलेगी। आज किसी से मदद की उम्मीद न रखकर अपनी कार्य क्षमता पर विश्वास रखें। शुभ अंक - 2

कर्क राशिः कर्क राशि वालों आज आपका दिन आपके लिए सार्थक रहेगा। आज रियल स्टेट से जुड़े लोगों की डील फायदेमंद हो सकती हैं। आज आप चुनौतियों को स्वीकार करते हुए कुछ क्रिएटिव करेंगे। आज के दिन नई योजना पर काम करने से नतीजे अच्छे मिलेंगे। आज कार्यस्थल पर पेपर वर्क करते समय सावधानी रखने की जरुरत होगी। शुभ अंक - 9

सिंह राशिः सिंह राशि वालों आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। आज आपको घर के वरिष्ठ सदस्यों से प्रेरणा मिलेगी। आज पारिवारिक निर्णय लेने के लिए समय अनुकूल है आज जो भी काम आप शुरू करेंगे उसमें सफलता अवश्य मिलेगी। आज आपके रहन-सहन और बातचीत करने का तरीका लोगों को आकर्षित करेगा। आज आपको अपनी पढ़ाई और करियर के प्रति ज्यादा मेहनत करने की जरूरत है। शुभ अंक - 1

कन्या राशिः कन्या राशि वालों आज आपका दिन खुशनुमा रहने वाला है। आज आपके ऊपर जिम्मेदारियां अधिक रहेंगी, जिन्हें आप काफी हद तक पूरा भी कर लेंगे। आज कुछ नए लोगों से जुड़ने पर आपको कई बेहतरीन जानकारियां मिलेंगी, जो भविष्य में आपके लिए काफी कारगर साबित होंगी। सरकारी कर्मचारियों को आज पदोन्नति का शुभ समाचार मिल सकता है। आज आप खुद को एनर्जेटिक महसूस करेंगे। शुभ अंक - 7

तुला राशिः तुला राशि वालों आज का दिन आपके लिए खुशियों की नई सौगात लेकर आएगा। आज कारोबारियों को अपना कारोबार आगे बढ़ाने के लिए नए अवसर मिलेंगे। अपने काम की क्वालिटी को और अधिक बेहतर करने के लिए प्रयास करेंगे। प्रतियोगी परीक्षा में प्रयासरत छात्रों को बड़ी सफलता मिलने के योग बन रहे हैं। शुभ अंक - 5

वृश्चिक राशिः वृश्चिक राशि वालों आज का दिन आपके जीवन में नए अवसर लेकर आने वाला है। आपकी हर समस्या का हल चुटकियों में निकल जायेगा। राजकीय कार्यों में आपको बड़े लाभ मिलने के आसार है आज अपने काम की क्वालिटी को और बेहतर बनाने पर ध्यान देंगे। मार्केटिंग संबंधी गतिविधियां सुचारु रूप से चलती रहेगी। शुभ अंक - 3

धनु राशिः धनु राशि वालों आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। आज आपका मन प्रसन्न रहेगा आज आपको शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। आज लेखन व सामाजिक आदि कार्यों से आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। आज किसी अनुभवी व्यक्ति या गुरु का मार्गदर्शन आपके मनोबल और आत्मविश्वास को बढ़ाएगा और आप अपने काम को सफलतापूर्वक पूरा करने में सफल रहेंगे। शुभ अंक - 3

मकर राशिः मकर राशि वालों आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। महत्वपूर्ण निर्णय लेने के लिए आज का दिन अच्छा है। किसी नयी बिजनेस डील के लिए ऑफर मिलेगा। आप जीवनसाथी के साथ घर के कार्यों को पूरा करने में व्यस्त रहेंगे। आज कारोबारी गतिविधियों में व्यवस्था बनाकर रखना जरूरी है। आज अधिकारियों और सम्मानित लोगों से संपर्क बनाए रखना आपके बिजनेस के लिए फायदेमंद रहेगा। शुभ अंक - 2

कुंभ राशिः कुंभ राशि वालों आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज पूरा दिन खुद को तरोताजा महसूस करेंगे। आपके आस-पास सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी। आज कार्य स्थल पर चल रही किसी भी गतिविधि को नजर अंदाज ना करें। आज अपनी योजनाओं को गुप्त ही रखें। आज कार्यस्थल पर शांति भरा माहौल रहेगा। शुभ अंक - 3

मीन राशिःमीन राशि वालों आज के दिन आप काफी व्यस्त रहने वाले है। रुका हुआ सरकारी काम आज पूरा हो जाएगा। आध्यात्मिक गतिविधियों के प्रति रुझान बढ़ेगा। विद्यार्थियों को सफलता मिलने के योग बने हुए है, लेकिन पढ़ाई में अधिक मेहनत करने की जरूरत है। आज किसी अनुभवी व्यक्ति से मिलकर आपको अपनी कई समस्याओं का हल मिल जाएगा। नौकरी के लिए प्रयासरत युवाओं को सफलता मिलने के योग है। शुभ अंक - 6

संकल्प से सिद्धि तक : आंतरिक सुरक्षा की सफलता और वैश्विक कूटनीति का नया भारत

आचार्य अशोक चौधरी प्रियदर्शी
कटिहार, बिहार

किसी भी राष्ट्र की प्रगति केवल उसके सकल घरेलू उत्पाद, ऊँची इमारतों अथवा आधुनिक तकनीक से नहीं मापी जाती। एक विकसित राष्ट्र की पहचान उसकी सुरक्षित सीमाओं, सुदृढ़ आंतरिक व्यवस्था, स्थिर राजनीतिक नेतृत्व, प्रभावी विदेश नीति और निरंतर आर्थिक प्रगति से होती है। यदि किसी देश के भीतर हिंसा, आतंक, उग्रवाद, मादक पदार्थों का जाल और असुरक्षा का वातावरण हो, तो विकास की गति स्वतः बाधित हो जाती है। दूसरी ओर यदि आंतरिक सुरक्षा मजबूत हो, शासन का निर्णय स्पष्ट हो और विदेश नीति राष्ट्रीय हितों पर आधारित हो, तो वही राष्ट्र विश्व मंच पर सम्मानजनक स्थान प्राप्त करता है। पिछले कुछ वर्षों में भारत की नीतियों में दो ऐसे आयाम विशेष रूप से उभरकर सामने आए हैं, जिनका दूरगामी प्रभाव देश की सुरक्षा और अर्थव्यवस्था दोनों पर पड़ता दिखाई देता है। पहला, आंतरिक सुरक्षा के क्षेत्र में वाम उग्रवाद, आतंकवाद और मादक पदार्थों के नेटवर्क के विरुद्ध केंद्र सरकार का अभियान; और दूसरा, प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत की बहुआयामी विदेश नीति, जिसने अनेक देशों के साथ आर्थिक, औद्योगिक, तकनीकी और रणनीतिक संबंधों को नई गति दी है। गृह मंत्री अमित शाह को भारतीय राजनीति में ऐसे प्रशासक के रूप में देखा जाता है जो लक्ष्य निर्धारित कर उसके अनुरूप प्रशासनिक और सुरक्षा तंत्र को सक्रिय करने की शैली के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने वाम उग्रवाद को समाप्त करने के लिए समय-सीमा निर्धारित की और सरकार ने इस दिशा में सुरक्षा अभियानों, विकास योजनाओं, सड़क, संचार और पुनर्वास नीतियों के माध्यम से व्यापक प्रयास किए। सरकार का दावा है कि वाम उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों का दायरा लगातार घटा है तथा सुरक्षा अभियानों और आत्मसमर्पण नीति के कारण स्थिति में उल्लेखनीय सुधार आया है। यह स्वीकार करना होगा कि माओवाद केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं था। दशकों तक इसने अनेक राज्यों के आदिवासी क्षेत्रों में विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और आधारभूत संरचना को प्रभावित किया। हजारों नागरिकों, सुरक्षाबलों और स्थानीय लोगों ने हिंसा की कीमत चुकाई। ऐसे में यदि किसी सरकार ने स्पष्ट समय-सीमा के साथ इस चुनौती से निपटने का प्रयास किया, तो उसका मूल्यांकन केवल राजनीतिक दृष्टि से नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के व्यापक परिप्रेक्ष्य में भी होना चाहिए। साथ ही, स्थायी शांति के लिए सुरक्षा कार्रवाई के साथ विकास, न्याय और स्थानीय समुदायों का विश्वास भी उतना ही आवश्यक है। अब गृह मंत्री ने मादक पदार्थों के विरुद्ध भी समयबद्ध अभियान की घोषणा करते हुए अगले तीन वर्षों में ड्रग्स नेटवर्क पर निर्णायक प्रहार का लक्ष्य रखा है। इसके लिए अंतर-एजेंसी समन्वय, सीमा प्रबंधन, वित्तीय नेटवर्क पर कार्रवाई और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को प्राथमिकता देने की बात कही गई है। ड्रग्स की समस्या केवल कानून का विषय नहीं है। यह परिवार, समाज, स्वास्थ्य, युवा शक्ति और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था से जुड़ा प्रश्न है। नशे की गिरफ्त में आने वाला युवा केवल अपना भविष्य नहीं खोता, बल्कि परिवार की आशाओं और राष्ट्र की उत्पादक शक्ति को भी प्रभावित करता है। इसलिए यदि भारत को विकसित राष्ट्र बनना है तो उसे नशामुक्त, शिक्षित और कौशलयुक्त युवा शक्ति का निर्माण करना होगा। ड्रग्स के विरुद्ध अभियान तभी सफल होगा जब सुरक्षा एजेंसियों की कार्रवाई के साथ विद्यालयों, विश्वविद्यालयों, परिवारों, सामाजिक संगठनों और धार्मिक संस्थाओं की भी सक्रिय भागीदारी हो। नशे के विरुद्ध सबसे प्रभावी हथियार केवल गिरफ्तारी नहीं, बल्कि जागरूकता, पुनर्वास और सामाजिक उत्तरदायित्व भी है। इसी कारण यह अभियान केवल गृह मंत्रालय का कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्रीय जनभागीदारी का अभियान बनना चाहिए। आंतरिक सुरक्षा और आर्थिक विकास का संबंध अत्यंत गहरा है। जहाँ सुरक्षा होती है, वहीं निवेश आता है; जहाँ निवेश आता है, वहीं उद्योग स्थापित होते हैं; जहाँ उद्योग बढ़ते हैं, वहीं रोजगार के अवसर पैदा होते हैं। इसलिए नक्सलवाद पर नियंत्रण और ड्रग्स के विरुद्ध अभियान को केवल सुरक्षा नीति के रूप में नहीं, बल्कि आर्थिक विकास की आधारशिला के रूप में भी देखा जाना चाहिए। इसी प्रकार भारत की विदेश नीति में भी पिछले वर्षों में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन दिखाई देता है। भारत ने अपने राष्ट्रीय हितों को केंद्र में रखते हुए अनेक देशों के साथ संतुलित संबंध विकसित करने का प्रयास किया है। भारत आज एक ऐसे राष्ट्र के रूप में उभर रहा है जो विभिन्न वैश्विक शक्तियों के साथ अपने हितों के अनुरूप सहयोग करता है और किसी एक ध्रुव पर निर्भर रहने के बजाय बहुआयामी कूटनीति को महत्व देता है।...भारत आज एक ऐसे राष्ट्र के रूप में उभर रहा है जो विभिन्न वैश्विक शक्तियों के साथ अपने राष्ट्रीय हितों के अनुरूप संबंध विकसित कर रहा है। यह विदेश नीति किसी एक ध्रुव पर निर्भर रहने के बजाय बहुआयामी कूटनीति, आर्थिक सहयोग और रणनीतिक संतुलन पर आधारित दिखाई देती है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत ने पिछले वर्षों में यह स्पष्ट संकेत दिया है कि विदेश नीति का केंद्रबिंदु केवल कूटनीतिक औपचारिकताएँ नहीं, बल्कि राष्ट्रीय हित, आर्थिक विकास, तकनीकी सहयोग, निवेश, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भारत की भागीदारी तथा सामरिक संतुलन है। इसी कारण भारत ने एक ओर विकसित देशों के साथ अपने संबंधों को मजबूत किया है, तो दूसरी ओर उभरती अर्थव्यवस्थाओं और वैश्विक दक्षिण के देशों के साथ भी सहयोग का दायरा बढ़ाया है। इस नीति का मूल आधार यह है कि भारत अपने निर्णय स्वयं करेगा और प्रत्येक संबंध का मूल्यांकन अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर करेगा। इस संदर्भ में जापान के साथ भारत के संबंध विशेष महत्व रखते हैं। जापान केवल एक आर्थिक शक्ति नहीं, बल्कि भारत के बुनियादी ढाँचे, औद्योगिक विकास, उच्च प्रौद्योगिकी, हरित ऊर्जा, सेमीकंडक्टर, हाई-स्पीड रेल, लॉजिस्टिक्स और विनिर्माण क्षेत्र का महत्वपूर्ण सहयोगी बनकर उभरा है। दोनों देशों के बीच बढ़ता निवेश केवल पूँजी का प्रवाह नहीं है, बल्कि तकनीक, कौशल, रोजगार और दीर्घकालिक औद्योगिक साझेदारी का भी प्रतीक है। हाल के वर्षों में भारत-जापान आर्थिक सहयोग को और गति देने के लिए अनेक व्यावसायिक समझौतों और निवेश प्रस्तावों पर कार्य हुआ है। इसी प्रकार भारत ने अमेरिका, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, यूरोपीय देशों तथा दक्षिण-पूर्व एशिया के अनेक देशों के साथ भी आर्थिक, रक्षा, ऊर्जा और तकनीकी सहयोग का विस्तार किया है। यह नीति बताती है कि आधुनिक विश्व में विदेश नीति केवल राजनीतिक संबंधों तक सीमित नहीं रहती, बल्कि व्यापार, निवेश, आपूर्ति श्रृंखला, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल अर्थव्यवस्था, रक्षा उत्पादन और ऊर्जा सुरक्षा से भी गहराई से जुड़ी होती है। आज वैश्विक अर्थव्यवस्था तेजी से बदल रही है। अनेक बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ अपने विनिर्माण केंद्रों का विविधीकरण कर रही हैं। भारत के सामने यह अवसर है कि वह विश्व की उत्पादन श्रृंखला का प्रमुख केंद्र बने। इसके लिए केवल विदेशी निवेश आकर्षित करना पर्याप्त नहीं होगा; देश के भीतर स्थिर कानून-व्यवस्था, विश्वसनीय प्रशासन, आधुनिक आधारभूत संरचना, कुशल मानव संसाधन और निवेश-अनुकूल वातावरण भी आवश्यक है। यही कारण है कि आंतरिक सुरक्षा और विदेश नीति वस्तुतः एक-दूसरे की पूरक हैं। जहाँ सुरक्षा होगी, वहीं निवेश आएगा; जहाँ निवेश आएगा, वहीं उद्योग स्थापित होंगे; और जहाँ उद्योग बढ़ेंगे, वहीं रोजगार और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होगा। इसी संदर्भ में माओवाद के विरुद्ध कार्रवाई, सीमावर्ती सुरक्षा को मजबूत करना, आतंकवाद के विरुद्ध कठोर नीति और अब मादक पदार्थों के नेटवर्क के विरुद्ध समयबद्ध अभियान—इन सभी को एक व्यापक राष्ट्रीय दृष्टि से देखा जाना चाहिए। सरकार ने मादक पदार्थों के विरुद्ध "Detect, Disrupt and Destroy" की रणनीति प्रस्तुत करते हुए 2026–2029 की कार्ययोजना पर बल दिया है। यदि यह अभियान प्रभावी ढंग से आगे बढ़ता है, तो इसका लाभ केवल कानून-व्यवस्था तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि युवा शक्ति, सामाजिक स्वास्थ्य और आर्थिक उत्पादकता पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। हालाँकि, यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि किसी भी लक्ष्य की सफलता का अंतिम मूल्यांकन उसके वास्तविक परिणामों के आधार पर किया जाए। सरकारें लक्ष्य निर्धारित करती हैं, नीतियाँ बनाती हैं और अभियान चलाती हैं, किंतु उनकी दीर्घकालिक सफलता का आकलन स्वतंत्र संस्थाओं, आँकड़ों और जनजीवन में आए स्थायी परिवर्तन से होता है। इसलिए लोकतांत्रिक व्यवस्था में उपलब्धियों का स्वागत और सतत मूल्यांकन—दोनों साथ-साथ चलने चाहिए। विकसित भारत–2047 का लक्ष्य केवल आर्थिक आँकड़ों का लक्ष्य नहीं है। यह एक ऐसे भारत की परिकल्पना है जो सुरक्षित हो, आत्मनिर्भर हो, वैश्विक स्तर पर सम्मानित हो, युवाओं को अवसर प्रदान करे और विश्व अर्थव्यवस्था में निर्णायक भूमिका निभाए।

संक्षिप्त समाचार

बिना यू-डाइस कोड के चल रहे निजी स्कूल, अंधकार में छात्रों का भविष्य

मयूरहंड। शिक्षा के अधिकार के तहत स्कूलों का निबंधन और यू-डाइस (UDISE) कोड अनिवार्य है, लेकिन मयूरहंड प्रखंड में नियमों को ताक पर रखकर धड़ल्ले से निजी स्कूलों का संचालन किया जा रहा है। प्रखंड में ऐसे कई निजी विद्यालय चल रहे हैं, जिनके पास न तो सरकार से मान्यता है और न ही यू-डाइस कोड है। इसमें कुछ स्कूल आवाशीए भवन में स्कूल संचालन कर रहे है। खेल मैदान जो दिखा रहे हैं वह केवल कागज पर है। सभी जमीन पर खेती कार्य किया जा रहा है और बच्चे का विकाश केवल एक कमरा तक सिमट कर रह जा रहा है। विभागीय उदासीनता के कारण ये अवैध संस्थान शिक्षा की दुकान चला रहे हैं, जिससे छात्रों का भविष्य अंधकार में है। यू-डाइस कोड के बिना किसी भी विद्यालय का पोर्टल पर डेटा दर्ज होना संभव नहीं है। बिना मान्यता और यू-डाइस कोड वाले इन निजी स्कूलों में पढ़ने वाले छात्र आधिकारिक रिकॉर्ड में कहीं नहीं हैं। इसका सीधा मतलब यह है कि ये बच्चे सरकारी पोर्टल पर अपना अपार आईडी नहीं बना पाएंगे। भविष्य में जब ये बच्चे उच्च शिक्षा या किसी सरकारी योजना का लाभ लेने जाएंगे, तो वे डेटाबेस में शून्य पाए जाएंगे। सरकार की नजर में ये छात्र अशिक्षित ही रहेंगे। अवैध रूप से चल रहे स्कूलों पर कार्रवाई करने के बजाय शिक्षा विभाग के अधिकारी पूरी तरह से मूकदर्शक बने हुए हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि जिम्मेदारों की मिलीभगत के कारण ही इन स्कूलों का संचालन निर्बाध रूप से हो रहा है। अभिभावक बेहतर शिक्षा की उम्मीद में इन निजी स्कूलों में मोटी फीस भर रहे हैं, लेकिन उन्हें यह जानकारी ही नहीं है कि उनके बच्चों का शैक्षिक करियर दांव पर लगा है। सरकारी अधिकारी को माने तो जिस स्कूल के पास यूं डैस की मान्यता नहीं है उस स्कूल में बच्चों का नामांकन नहीं करवाना चाहिए। अगर अविभावक नामांकन करवा रहे है तो बच्चे का भविष्य अधर में है। प्रबुद्ध जनों ने मांग की है कि शिक्षा विभाग तुरंत प्रखंड के सभी निजी विद्यालयों की सूची सार्वजनिक करे और बिना मान्यता के चल रहे स्कूलों पर सख्त कानूनी कार्रवाई करे, ताकि मासूम बच्चों का भविष्य सुरक्षित किया जा सके।

टंडवा शहीद चौक में 20 घंटे बाद कोल वाहनों का जाम समाप्त

टंडवाःचतरा।स्थानीय शहीद चौक से उड़सू मार्ग को कोल ट्रांसपोर्टिंग से मुक्त कराने की मांग को लेकर जारी गतिरोध आखिरकार समाप्त हो गया है। कांग्रेस नेता सह समाजसेवी सुभाष दास के नेतृत्व में बृहस्पतिवार शाम से शुरू हुआ सड़क जाम शुक्रवार दोपहर तक जारी रहा। करीब 20 घंटे तक कोल ट्रांसपोर्टिंग वाहनों के पहिए थमे रहे, जिसे टंडवा थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर पप्पू कुमार शर्मा की मध्यस्थता और सफल वार्ता के बाद हटा लिया गया। समाजसेवी सुभाष दास के द्वारा पूर्व में भी इन गंभीर समस्याओं को लेकर कई विभाग को लिखित शिकायत दी गई है। ग्रामीणों और प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि नकाश कोल ट्रांसपोर्टिंग कंपनी द्वारा 'साईं पेट्रोल पंप' (भारत पेट्रोलियम) में डीजल भरवाने के नाम पर इस सार्वजनिक और घनी आबादी वाले मार्ग को अनधिकृत रूप से ट्रांसपोर्टिंग रूट बना दिया गया था। इससे स्थानीय लोगों को भारी प्रदूषण, जाम और सड़क दुर्घटनाओं के साए में जीना पड़ रहा था। कितने बार आए दिन सड़क दुर्घटनाएं भी घटी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी पप्पू कुमार शर्मा ने प्रदर्शन स्थल पर पहुंचकर समाजसेवी सुभाष दास और ग्रामीणों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना। हर पहलू की समीक्षा करने के बाद इंस्पेक्टर ने कोल कंपनियों को सख्त लहजे में हिदायत दी कहा कि केडी माइंस या पांडू माइंस से कोयला ढुलाई करने वाली कोई भी ट्रांसपोर्टिंग कंपनी उड़सू मोड़ से शहीद चौक वाले रास्ते का इस्तेमाल ट्रांसपोर्टिंग मार्ग के रूप में नहीं करेगी। डीजल के लिए वैकल्पिक व्यवस्था पर पहल-वाहनों में डीजल भरवाने के लिए टंडवा से सिमरिया मार्ग पर कई पेट्रोल पंप हैं, कंपनियां वहां का उपयोग करें।टैंकर से सप्लाई का विकल्प के तौर पर यदि शहीद चौक स्थित पेट्रोल पंप से ही डीजल लेना अनिवार्य है, तो कंपनियां टैंकरों के माध्यम से अपने वाहनों तक डीजल मंगाएं। आम सड़क पर भारी वाहनों की कतार न लगाएं। थाना प्रभारी ने स्पष्ट किया कि इस व्यवस्था से राहगीरों और ग्रामीणों को प्रदूषण तथा संभावित दुर्घटनाओं से मुक्ति मिलेगी। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कोल कंपनियों द्वारा इस निर्देश का उल्लंघन किया गया, तो उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस के इस भरोसे और ठोस निर्णय के बाद आंदोलनकारियों ने जाम समाप्त कर दिया, जिसके बाद वाहनों का परिचालन दोबारा शुरू हो सका। मौके पर कांग्रेस नेता सह समाजसेवी सुभाष दास,तिलेश्वर साव,विक्की मालाकार,कारू उर्फ बिनोद यादव,रामलाल उराँव,राजू यादव,प्रमोद गुप्ता,पप्पू उराँव,अजय मौर्या, मुकेश प्रजापति, प्रदीप प्रजापति, विकास कुमार, पीयूष कुमार तथा अन्य लोग मौजूद थे।

पैक्स सदस्यता अभियान को लेकर ग्रामीणों की बैठक, आधे मूल्य पर मिल रहा हाइब्रिड धान बीज

गिद्धौर (चतरा)।प्रखंड के पंचायत भवन सभागार में शुक्रवार को सहकारिता विभाग के तत्वावधान में पैक्स सदस्यता अभियान को लेकर ग्रामीणों की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मुखिया निर्मला देवी ने की, जबकि संचालन प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी (बीसीओ) सुरेश सहदेव ने किया। बैठक में बीसीओ सुरेश सहदेव ने ग्रामीणों को पैक्स की सदस्यता लेने के लाभों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पैक्स के माध्यम से किसानों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ मिलता है। साथ ही पैक्स में धान का बीज भी उपलब्ध है तथा हाइब्रिड धान का बीज किसानों को 50 प्रतिशत अनुदान (आधे मूल्य) पर दिया जा रहा है। उन्होंने अधिक से अधिक किसानों से पैक्स का सदस्य बनने की अपील की। बैठक में पैक्स अध्यक्ष चिंतामन दांगी, पैक्स संचालक सुरेश दांगी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

रिश्तों की मर्यादा हुआ तार-तार,ससुर की काली करतूत बहु से दुष्कर्म काआरोप

सिमरिया।थाना क्षेत्र के शीला ओपी थाना अंतर्गत तिबाब गांव में इंसानियत को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। सभी धर्मों में जिस रिश्ते को 'पिता' का दर्जा दिया जाता है, उसी रिश्ते को एक कलयुगी ससुर ने रिश्ते को तार तार कर दिया है। आरोप है कि आरोपी कृष्ण राणा ने अपनी बहू के साथ दुष्कर्म किया है।पीड़ित महिला ने किसी तरह हिम्मत जुटाकर सीधे शीला ओपी पहुंची और लिखित शिकायत की। शिकायत मिलते ही पुलिस हरकत में आई और शिला ओपी प्रभारी हरिश्चंद तिरवार ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सिमरिया थाना में कांड संख्या 120/26 दर्ज कराया और जांच पड़ताल शुरू कर दी है।वहीं पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी ससुर कृष्ण राणा को दबोच लिया है। गिरफ्तारी के बाद उसे सीधे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि मामले की हर एंगल से जांच की जा रही है।

विधिक जागरूकता शिविर में घरेलू हिंसा व साइबर अपराध पर दी गई जानकारी

नई सोच एक्सप्रेस

कटकमसाण्डी।झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार (झालसा), रांची के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डीएलएसए) हजारीबाग द्वारा चलाए जा रहे 90 दिवसीय विधिक जागरूकता अभियान के तहत शुक्रवार को कटकमसांडी प्रखंड स्थित कस्तूरबा बालिका विद्यालय कटकमसांडी एवं उत्क्रमित उच्च विद्यालय उलांज में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया,शिविर का संचालन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डीएलएसए अध्यक्ष ध्रुव चंद्र मिश्रा के मार्गदर्शन तथा डीएलएसए सचिव डॉ. रवि प्रकाश तिवारी की निगरानी में किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं एवं ग्रामीणों को विभिन्न कानूनी अधिकारों एवं सरकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई,अधिकार मित्रों (पीएलवी) ने घरेलू हिंसा, डायन-भूत प्रतिषेध अधिनियम, नशीले पदार्थों के दुष्प्रभाव, साइबर अपराध एवं ऑनलाइन ठगी से बचाव सहित कई महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से छोटे-छोटे विवादों का निःशुल्क समाधान आपसी सहमति एवं संवाद के जरिए कराया जाता है। इसके अलावा जरूरतमंद एवं आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को निःशुल्क विधिक सहायता और अधिवक्ता भी उपलब्ध कराए जाते हैं। शिविर के दौरान नालसा एवं झालसा की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए महिलाओं और छात्राओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 15100 के माध्यम से घर बैठे कानूनी सलाह एवं निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया समझाई गई। साइबर धोखाधड़ी के मामलों में तत्काल सहायता के लिए साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 की जानकारी भी दी गई,अधिकार मित्रों ने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण आम नागरिकों के लिए न्याय तक आसान पहुंच सुनिश्चित करने का कार्य कर रहा है। लोगों को अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने और आवश्यकता पड़ने पर विधिक सेवा प्राधिकरण की सेवाओं का लाभ लेने की अपील की गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, शिक्षक-शिक्षिकाएं तथा अधिकार मित्र बबलू कुमार राणा, सुनीता राणा, अनिल पासवान, परवेज आलम एवं गीता देवी सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

शिक्षा के व्यापारी नहीं पुजारी थे सेवानिवृत्त शिक्षक

नई सोच एक्सप्रेस

मयूरहंड।गम्हरिया स्थित मध्य विद्यालय परिसर में शुक्रवार को विदाई समारोह का आयोजन किया गया. समारोह में विद्यालय के सेवानिवृत्त शिक्षक अशोक वर्मा को विदाई दी गयी. शिक्षकों ने उनके बेहतर कार्यकाल की प्रसंशा की है. समारोह के मुख्य अतिथि मुखिया अशोक भुईयां व स्वामी विवेकानंद प्लस टू उच्च विद्यालय के प्राचार्य राजेन्द्र कुमार दास ने कहा कि सेवानिवृत्त हुए शिक्षक अशोक वर्मा एक ईमानदार शिक्षक है. वे शिक्षा के व्यापारी नहीं शिक्षा के पुजारी के साथ विद्यार्थियों के अच्छे मार्गदर्शक भी थे. कार्यक्रम के दौरान सेवानिवृत्त शिक्षक भावुक हो गये. उनके भावुक क्षण के दौरान विद्यालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के आंखों पर भी आंशु छलक गये. मौके पर प्रधान शिक्षक श्रीराम रॉय, सुरेश रविदास, विद्यालय के शिक्षक प्रमोद कुमार राणा, संजय कुमार राम, आशा कुमारी, नीतू, बिरजू कुमार, मनोज कुमार, अध्यक्ष बसंत राम समेत कई लोग उपस्थित थे।

खम्भवा बिरहोर टोला में राशन वस्त्र पाकर खिले आदिवासियों के चेहरे, एमओ की उपस्थिति में हुआ वितरण

नई सोच एक्सप्रेस

टाटीझरिया (हजारीबाग)।प्रखंड क्षेत्र के खंभवा बिरहोर टोला में जन वितरण प्रणाली के तहत एक विशेष वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी प्रदीप राम उपस्थित रहे। जिनकी देखरेख में स्थानीय जविप्र दुकानदार अरुण सिंह द्वारा आदिवासी बहुल समाज के राशन कार्ड धारकों के बीच राहत सामग्री का वितरण किया गया। सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारते हुए, इस वितरण शिविर में बिरहोर टोला के आदिवासियों को प्रति राशन कार्ड 35 किलोग्राम अनाज मुहैया कराया गया। इसके साथ ही, ठंड और मौसम की जरूरतों को देखते हुए राज्य सरकार की योजना के तहत लाभुकों के बीच साड़ी और लुंगी का भी वितरण किया गया। अनाज और वस्त्र मिलने से बिरहोर टोला के ग्रामीणों और आदिवासियों के चेहरे खिल उठे। समय पर और पारदर्शी तरीके से मिले इस लाभ को लेकर स्थानीय लोगों में भारी उत्साह देखा गया। ग्रामीणों ने प्रशासन और जविप्र दुकानदार के इस प्रयास की सराहना की। इस मौके पर आपूर्ति पदाधिकारी ने कहा कि सरकार की मंशा है कि सुदूर क्षेत्रों में रहने वाले अंतिम व्यक्ति तक राशन और सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचे। वितरण के दौरान पूरी पारदर्शिता बरती जा रही है ताकि किसी भी लाभुक को परेशानी न हो। लाभुकों में बद्री बिरहोर,मनोज बिरहोर,कार्तिक बिरहोर,कारू बिरहोर, मंगरी देवी, सुमा देवी,समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

ब्राह्मण समाज की बेटी अंतर्जातीय से किया विवाह परिजनों ने पुतला दहन कर निकाली रैली

नई सोच एक्सप्रेस

» पिंडदान कर बेटी से कोई रिश्ता नहीं रखने का किया ऐलान

गिद्धौर।थाना क्षेत्र के गिद्धौर निवासी अशोक पांडेय ने अपनी पुत्री का पुतला बनाकर तथा फोटो लगाकर शुक्रवार को शव यात्रा निकाला।शव यात्रा अपनी पुत्री के अंतर्जातीय विवाह करने के विरोध में निकाला।शव यात्रा में गिद्धौर के लगभग सभी ब्राह्मण समाज के लोग उपस्थित थे।शवयात्रा ब्राह्मण समाज के जिला अध्यक्ष एवं प्रखंड अध्यक्ष संजय पांडेय के नेतृत्व में निकाला गया।शवयात्रा घर से निकालकर धोबिनियां शमशान घाट पहुंचकर विधिवत अंतिमसंकार किया।अंतिम शव यात्रा में समाज के लोगों ने राम नाम सत्य है।राम नाम सत्य है। का स्लोगन बोल रहे थे।बताया गया कि अंतिमसंस्कार के बाद विधिवत श्राद्ध कार्यक्रम भी किया गया।समाज तथा परिजन के लोगों ने बेटी को मृत साबित कर क्रियाकर्म किया है।जिससे भविष्य में इस पुत्री से कोई मतलब नहीं रखा जाएगा।मालूम हो कि अशोक पांडेय की पुत्री पांच दिन पूर्व गांव के ही दांगी समाज के प्रमोद दांगी के पुत्र के साथ अंतर्जातीय विवाह किया।जिससे युवती के परिजन काफी नाराज थे।युवती का अंतिम संस्कार कर अपनी नाराजगी जाहिर किया।शव यात्रा में जिला अध्यक्ष संजय पांडेय,प्रखंड अध्यक्ष संजय पांडेय प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य यदुनंदन पांडेय प्रदीप पांडेय बैजनाथ पांडेय सचिव लम्बोदर पांडेय,यदुनंदन पांडेय,पिंटू पांडेय,सुधीर पांडेय,सत्यदेव पांडेय समेत समाज के लोग शामिल थे।

राष्ट्रीय आदिवासी छात्र संघ के केन्द्रीय संयोजक विक्की के ज्ञापन के बाद ऑन द स्पॉट हरकत में आया कल्याण विभाग

नई सोच एक्सप्रेस

» छात्रावास पहुंचकर किया निरीक्षण

हजारीबाग।कृष्ण वल्लभ महिला महाविद्यालय परिसर में स्थित आदिवासी बालिका छात्रावास में लंबे समय से बनी पेयजल समस्या को लेकर राष्ट्रीय आदिवासी छात्र संघ के केंद्रीय संयोजक सह पूर्व प्रत्याशी मुन्ना सिंह के निजी मीडिया प्रतिनिधि विक्की कुमार धान ने प्रभारी जिला कल्याण पदाधिकारी महेंद्र छोटन उरांव को ज्ञापन सौंपकर छात्रावास में रह रही 200 से अधिक आदिवासी छात्राओं के लिए स्वच्छ एवं नियमित पेयजल की स्थायी व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग किया। ज्ञापन में कहा गया है कि छात्रावास में पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने के कारण छात्राओं को प्रतिदिन कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। पानी के लिए लंबी प्रतीक्षा करनी पड़ती है और कई बार छात्राओं को अपनी पढ़ाई छोड़कर बाहर से पानी लाना पड़ता है। इससे उनकी शिक्षा प्रभावित होने के साथ-साथ स्वास्थ्य संबंधी जोखिम भी बढ़ रहे हैं। विक्की कुमार धान ने बताया कि छात्रावास परिसर स्थित चापाकल से कई बार लाल रंग का दूषित पानी निकलने की शिकायत मिली है। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं किया गया तो जलजनित बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। उन्होंने प्रशासन से छात्राओं के हित में तत्काल प्रभावी कदम उठाने की मांग करते हुए कहा कि आदिवासी छात्राओं को बेहतर शैक्षणिक एवं आवासीय वातावरण उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है, इसलिए पेयजल जैसी बुनियादी सुविधा की अनदेखी उचित नहीं है। ज्ञापन के माध्यम से जलापूर्ति व्यवस्था की तकनीकी जांच, शुद्ध पेयजल की नियमित उपलब्धता, आवश्यकता पड़ने पर नए बोरवेल, जलमीनार अथवा पाइपलाइन निर्माण, पेयजल की गुणवत्ता की नियमित जांच तथा समयबद्ध कार्ययोजना के तहत स्थायी समाधान सुनिश्चित करने की मांग की है। साथ ही इस मामले में लापरवाही बरतने वाले संबंधित अधिकारियों एवं एजेंसियों के विरुद्ध कार्रवाई की भी मांग की गई है।मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रभारी जिला कल्याण पदाधिकारी महेंद्र छोटन उरांव ने ज्ञापन प्राप्त होते ही आदिवासी बालिका छात्रावास का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने छात्राओं से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा पेयजल, विद्युत आपूर्ति, बाउंड्री वॉल सहित अन्य आधारभूत सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने भरोसा दिलाया कि समस्या की विस्तृत जांच कर आवश्यक कदम शीघ्र उठाए जाएंगे, ताकि छात्राओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। गौरतलब है कि छात्रावास में पेयजल संकट लंबे समय से बना हुआ है। छात्राओं का कहना है कि समस्या के स्थायी समाधान में लगातार हो रही देरी का असर उनकी पढ़ाई और दैनिक जीवन पर पड़ रहा है। ऐसे में अब जिला प्रशासन की पहल के बाद छात्राओं को शीघ्र राहत मिलने की उम्मीद जगी है।

5 जुलाई को सेवाधाम में होगा स्वदेशी जागरण मंच का जिला विचार वर्ग

नई सोच एक्सप्रेस

देवघर।स्वदेशी जागरण मंच, देवघर की ओर से 5 जुलाई (रविवार) को नंदन पहाड़ स्थित सेवाधाम में जिला विचार वर्ग का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य राष्ट्रहित, स्वदेशी और आत्मनिर्भर भारत के विचारों को जन-जन तक पहुंचाना है। मंच के जिला संयोजक संजय कुमार सिंह ने बताया कि कार्यक्रम में मंच के प्रांत स्तरीय वरिष्ठ पदाधिकारी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे और स्वदेशी स्वावलंबन तथा राष्ट्र निर्माण से जुड़े विषयों पर मार्गदर्शन देंगे। उन्होंने बताया कि विचार वर्ग में स्वदेशी जागरण मंच के पदाधिकारी एवं सदस्य, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक, विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि तथा शहर के गणमान्य नागरिक भाग लेंगे। मंच की ओर से सभी नागरिकों से कार्यक्रम में उपस्थित होकर इसे सफल बनाने की अपील की गई है।

SIR 2026 में बीएलओ नीतू कुमारी की मेहनत रंग ला रही, घर-घर पहुंचकर कर रही हैं गणना प्रपत्रों का वितरण व संग्रहण

नई सोच एक्सप्रेस

सिमरिया।विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR-2026) कार्यक्रम के तहत सिमरिया अनुमंडल के सिमरिया कला क्षेत्र में बीएलओ नीतू कुमारी द्वारा गणना प्रपत्रों के वितरण एवं संग्रहण का कार्य पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ किया जा रहा है। वह लगातार घर-घर जाकर मतदाताओं से संपर्क स्थापित कर रही हैं तथा यह सुनिश्चित कर रही हैं कि कोई भी पात्र व्यक्ति इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया से वंचित न रह जाए। नीतू कुमारी ने बताया कि निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार प्रत्येक मतदाता तक पहुंचकर गणना प्रपत्र उपलब्ध कराया जा रहा है तथा भरे हुए प्रपत्रों का समयबद्ध संग्रहण भी किया जा रहा है। इसके लिए वे सुबह से शाम तक क्षेत्र में सक्रिय रहकर लोगों को आवश्यक जानकारी भी दे रही हैं। स्थानीय ग्रामीणों ने भी बीएलओ नीतू कुमारी की कार्यशैली और समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि वे पूरी ईमानदारी और तत्परता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन कर रही हैं। उनके प्रयासों से क्षेत्र के मतदाताओं को SIR प्रक्रिया की जानकारी मिल रही है और कार्य सुचारू रूप से आगे बढ़ रहा है। नीतू कुमारी यह सुनिश्चित करने में जुटी हैं कि सिमरिया कला पंचायत का कोई भी मतदाता गणना प्रपत्र वितरण एवं संग्रहण अभियान से छूटने न पाए। उनके इस समर्पण और सक्रियता की क्षेत्र में व्यापक प्रशंसा हो रही है।

शिबू प्रसाद सोनी बने कांग्रेस जिला सचिव, योधी प्रसाद यादव महासचिव

नई सोच एक्सप्रेस

टाटीझरिया (हजारीबाग)।कांग्रेस संगठन के विस्तार और मजबूती को लेकर जिला नेतृत्व द्वारा एक बड़ा फैसला लिया गया है। जिला अध्यक्ष जय प्रकाश भाई पटेल ने टाटीझरिया प्रखंड के वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं झरपो पंचायत के मुखिया शिबू प्रसाद सोनी को कांग्रेस का जिला सचिव मनोनीत किया है। इसके साथ ही, क्षेत्र के सक्रिय नेता योधी प्रसाद यादव को जिला महासचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इन दोनों नेताओं की नियुक्ति से टाटीझरिया प्रखंड के कांग्रेस कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड़ गई है। **संगठन को मिलेगा वरिष्ठ नेताओं के अनुभव का लाभः** कार्यकर्ताओं ने इस फैसले पर जिला अध्यक्ष के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इन दोनों वरिष्ठ नेताओं के मनोनयन से क्षेत्र में संगठन को एक नई ऊर्जा और गति मिलेगी। उनके लंबे राजनीतिक व सामाजिक अनुभव का लाभ कांग्रेस पार्टी को बूथ स्तर तक मजबूत करने में मिलेगा। नवनियुक्त जिला सचिव सह झरपो पंचायत के मुखिया शिबू प्रसाद सोनी ने अपनी नियुक्ति पर हर्ष जताते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी ने मुझ पर जो भरोसा जताया है और जो बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है, उसके लिए मैं जिला अध्यक्ष जय प्रकाश भाई पटेल एवं पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। मैं पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुँचाने तथा आम जनता की समस्याओं को प्राथमिकता के साथ उठाने का कार्य करूँगा।" इस अहम घोषणा के बाद स्थानीय कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने दोनों नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई दी है। कार्यकर्ताओं ने उम्मीद जताई कि उनके सफल कार्यकाल से टाटीझरिया प्रखंड में कांग्रेस संगठन पहले से और अधिक सशक्त और एकजुट होकर उभरेगा।

संक्षिप्त समाचार

सिमराढाव-पिंडरीया मुख्य मार्ग की स्थिति जर्जर, आवागमन में राहगीर बेहद परेशान

टाटीझरिया (हजारीबाग)। प्रखंड क्षेत्र के खैरा पंचायत अंतर्गत सिमराढाव से पिंडरीया जाने वाला मुख्य मार्ग इन दिनों अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। सड़क की स्थिति इतनी जर्जर हो चुकी है कि इस मार्ग से गुजरने वाले राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।पिंडरीया निवासी अशोक मुर्मू ने सड़क की दुर्दशा पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह मार्ग बेहद महत्वपूर्ण है। यह मुख्य रास्ता पुतो नारायणपुर, बेडमक्का, खैरा, कर्मबा, शिझुआ, झरपो, टटगांव, और जरगा समेत दर्जनों गांवों को आपस में जोड़ता है। प्रतिदिन इस मार्ग से होकर राहगीर, स्कूली विद्यार्थी और आम लोग पैदल, साइकिल, मोटरसाइकिल और चार पहिया वाहनों से अपने गंतव्य तक आते-जाते हैं। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, सड़क पर डामर का नामोनिशान मिट चुका है और पूरी सड़क गहरे गड्ढों में तब्दील हो गई है। स्थिति यह है कि राहगीरों को यह समझ नहीं आता कि सड़क में गड्ढा है या गड्ढे में सड़क। आए दिन इस मार्ग पर दुपहिया वाहन चालक अनियंत्रित होकर गिर रहे हैं, जिससे लोग चोटिल भी हो रहे हैं। विद्यार्थियों को स्कूल-कॉलेज जाने में और मरीजों को अस्पताल ले जाने में हर वक्त किसी अनहोनी का डर बना रहता है। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग से इस बदहाल सड़क की सुध लेने और जनहित में इसका जल्द से जल्द पुनर्निर्माण कराने की मांग की है।

भोजपुर में 5 जुलाई को बहुजन महापंचायत आयोजित करेगी बहुजन आर्मी

धनबाद। बहुजन आर्मी के झारखंड प्रदेश प्रभारी रामाशीष चौहान ने बताया कि संगठन 5 जुलाई को बिहार के भोजपुर में बहुजन महापंचायत आयोजित करेगा। उन्होंने कहा कि पहले प्रशासन से अनुमति मिलने के बाद कार्यक्रम पर रोक लगाए जाने के बावजूद अब निजी भूमि पर आयोजन करने का निर्णय लिया गया है। चौहान ने प्रशासन से शांतिपूर्ण आयोजन में सहयोग की अपील करते हुए कहा कि महापंचायत में बहुजन समाज से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा होगी तथा सरकार को 10 सूत्री मांगपत्र सौंपा जाएगा। प्रमुख मांगों में एससी/एसटी एक्ट का प्रभावी पालन, 69 प्रतिशत आरक्षण, पदोन्नति में आरक्षण, ओबीसी-ईबीसी के लिए कानूनी सुरक्षा और गरीब बहुजन छात्रों के लिए निःशुल्क शिक्षा शामिल हैं। उन्होंने दावा किया कि कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी होगी। संगठन के प्रशासन पर लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।

प्रखंड के शिवराजपुर ग्राम में घर घर जा कर SIR मतदाता पुनरीक्षण का कार्य किया जा रहा

लावालौंग। प्रखंड अंतर्गत शिवराजपुर ग्राम में शुक्रवार को मतदाता पुनरीक्षण(SIR) का कार्य किया जा रहा है।जिससे मतदाताओं को भविष्य में कोई परेशानी की सामना न करना पड़े। बताते चले कि भारत सरकार द्वारा सभी राज्यों में मतदाता पुनरीक्षण का कार्य किया जाना तय है क्योंकि मतदाता सूची में सरकार के अनुसार कई तरह की त्रुटियां है जिसमें बूथ न 36 शिवराजपुर का पुनरीक्षण किया जा रहा है ।इस मौके पर बीएलओ आंगनबाड़ी सेविका सुनीता कुमारी,शिक्षक अनिल कुमार राम,पूर्व वार्ड सदस्य प्रदीप राम,के साथ साथ अनेकों ग्रामीण शामिल रहे।

कान्हाचट्टी प्रखंड के पेलतौल गांव में जमीनी विवाद में खूनी झड़प,जिंदगी और मौत के बीच झूल रही नाबालिक बेटी

कान्हाचट्टी (चतरा)। प्रखंड के पेलतौल गांव में जमीन के विवाद को लेकर लक्ष्मी सिंह के परिवार पर गांव के ही बद्री सिंह, उनके बेटे सुजीत सिंह और पत्नी बिमला देवी ने जानलेवा हमला कर दिया।इस बर्बरतापूर्ण मारपीट में लक्ष्मी सिंह की नाबालिग बेटी को गंभीर चोटें आई हैं। राजपुर में प्राथमिक उपचार के बाद उसकी नाजुक स्थिति को देखते हुए बेहोशी की हालत में ऑक्सीजन सपोर्ट पर चतरा सदर अस्पताल रेफर किया गया है।बता दें कि पीड़ित लक्ष्मी सिंह के 20 वर्षीय बेटे का महज 4 महीने पहले ही देहांत हुआ था। इस घटना के बाद से पूरा परिवार बुरी तरह डरा-सहमा हुआ है।लक्ष्मी सिंह ने राजपुर थाना में लिखित आवेदन देकर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और न्याय की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

प्रेम विवाह की ऐसी सजा! जिंदा बेटी का कर दिया पिंडदान, श्मशान में निभाई अंतिम संस्कार की रस्म

चतरा। जिले के गिद्धौर प्रखंड से एक ऐसी घटना सामने आई है। जिसने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। प्रेम विवाह से नाराज एक परिवार ने अपनी जीवित बेटी का प्रतीकात्मक पिंडदान कर उसे सामाजिक रूप से मृत घोषित करने जैसा कदम उठाया। इतना ही नहीं बेटी के फोटो और पुतले की अर्थी को श्मशान घाट ले जाकर हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार अंतिम संस्कार की रस्में भी निभाई गईं।ऐसी घटना ने प्रखंड भर के लोगों को झकझोर दिया है जिस पुत्री को पिता ने बीस से इक्कीस सालों तक पालन पोषण,पढ़ाई लिखाई कर काबिल बनाने का सपना देख रहे थे आज उस पिता का सपना अधूरा रह गया अंततः पिंड दान कर गए ।

चतरा में सरकारी जमीनों पर भू-माफियाओं का कब्जा : करोड़ों की संपत्ति की फर्जी रजिस्ट्री

नई सोच एक्सप्रेस

चतरा। जिले में करोड़ों रुपये मूल्य की सरकारी, गैरमजरूआ, पहनाई एवं सार्वजनिक उपयोग की भूमि पर भू-माफियाओं का कब्जा और फर्जी रजिस्ट्री का खेल लगातार सामने आ रहा है। इससे पहले भी सदर अंचल कार्यालय की कार्यशैली, अभिलेखों में गड़बड़ी, फर्जी नामांतरण और सरकारी भूमि से जुड़े कई मामलों का खुलासा हो चुका है। अभिलेखागार में 200 से अधिक फर्जीवाड़े पकड़े जाने के बावजूद अब तक प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से पूरे तंत्र की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थिति यह है कि एक ओर जिला प्रशासन जेल, समाहरणालय और अन्य सरकारी परियोजनाओं के लिए भूमि की कमी का हवाला देता है, वहीं दूसरी ओर करोड़ों रुपये मूल्य की सरकारी जमीनों पर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर रजिस्ट्री और निर्माण कार्य बेखौफ जारी है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि यदि समय रहते प्रशासन सख्ती दिखाता तो सरकारी संपत्तियों की यह स्थिति नहीं होती। उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल के आयुक्त को सौंपे गए आवेदन में फर्जी रजिस्ट्री, जाली दस्तावेजों के उपयोग, सरकारी भूमि की अवैध खरीद-बिक्री तथा प्रशासनिक स्तर पर गंभीर अनियमितताओं के आरोप लगाए गए हैं। आवेदन में पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की गई है। आवेदन के अनुसार चतरा नगर परिषद के वार्ड संख्या-21 स्थित नगवां मुहल्ला की खाता संख्या-67 की लगभग 2.67 एकड़ सरकारी भूमि को कथित रूप से फर्जी दस्तावेजों के आधार पर निजी लोगों के नाम कर दिया गया। ग्रामीणों का कहना है कि वर्षों से सार्वजनिक उपयोग में रही इस भूमि पर अब कई आलीशान मकानों का निर्माण हो चुका है और निर्माण कार्य लगातार जारी है। आवेदन में पुराने न्यायिक एवं प्रशासनिक अभिलेखों का हवाला देते हुए पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच की मांग की गई है। मामला केवल सरकारी भूमि तक सीमित नहीं है। कृषि विभाग से सटे सार्वजनिक तालाब की घेराबंदी कर लिया गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह तालाब कृषि विभाग द्वारा विकसित कराया गया था और वर्षों से सार्वजनिक उपयोग में रहा है। अब इसके चारों ओर बाउंड्री कर कब्जा कर लिया गया है। हैरानी की बात यह है कि संबंधित विभाग की ओर से अब तक कोई ठोस आपत्ति या कार्रवाई सामने नहीं आई है। जबकि तालाब किसी भी नेचर के जमीन पर बना हो उसे कब्जाया नहीं जा सकता है । इसके बावजूद भू-माफिया इतने निडर और निर्भिक है कि तालाब पर भी कब्जा करने में नहीं परहेज किया । स्थानीय लोगों का आरोप है कि चतरा अंचल के मौजा तपेज, खाता संख्या-9, प्लॉट संख्या-40 की लगभग 20 एकड़ गैरमजरूआ सरकारी भूमि भी कथित रूप से जाली दस्तावेजों और प्रशासनिक मिलीभगत के सहारे बेच दी गई। आरोप है कि इस भूमि पर अब दर्जनों मकान बन चुके हैं, बाउंड्री वॉल खड़ी कर स्थायी कब्जा कर लिया गया है तथा व्यावसायिक उपयोग भी किया जा रहा है। सरकारी भूमि से जुड़े लगातार सामने आ रहे मामलों के बाद सदर अंचल कार्यालय की कार्यप्रणाली एक बार फिर सवालों के घेरे में है। स्थानीय लोगों का कहना है कि राजस्व अभिलेखों में हेरफेर, फर्जी रजिस्ट्री, नामांतरण और सरकारी भूमि पर कब्जा बिना विभागीय स्तर पर गंभीर लापरवाही या मिलीभगत के संभव नहीं है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हो सकी है तथा संबंधित अधिकारियों का पक्ष सामने आना बाकी है। हालांकि आप सभी को पता है कि 86 अनसर्वेड जमीन का भी मोटेशन कर दिया गया जिसका न कोई खाता है और ना ही प्लॉट । जबकि कई ऐसे लोग है जिनका खाता प्लॉट होने के बावजूद वर्षो से मोटेशन कार्य रुका हुआ है । आप सभी जानते है कि राष्ट्रीय शान ने अभिलेखागार में की गई जालसाजी , फर्जीवाड़ा और गडबडियों का लगातार खुलासा किया है जिसका परिणाम है कि कागजातों का स्कैनिंग का कार्य और जांच प्रक्रिया जारी है । विश्वस्त सूत्रों की माने तो अभिलेखागार में 200 से अधिक फर्जीवाड़े सामने आ चुके हैं, सरकारी भूमि से जुड़े कई मामलों का पहले भी खुलासा हो चुका है और लगातार शिकायतें उच्च अधिकारियों तक पहुंच रही हैं, तब भी दोषियों पर ठोस कार्रवाई क्यों नहीं हो रही है ? यदि सरकारी जमीनें ही सुरक्षित नहीं हैं, तो आम नागरिकों की भूमि कितनी सुरक्षित है? यह आप सभी समझ रहे है । चतरा ग्रामीणों एवं स्थानीय लोगों ने उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल के आयुक्त से मांग की है कि नगवां की 2.67 एकड़ भूमि, तपेज मौजा की 20 एकड़ गैरमजरूआ भूमि तथा कृषि विभाग से सटे सार्वजनिक तालाब की संयुक्त उच्चस्तरीय जांच कराई जाए। साथ ही कथित फर्जी रजिस्ट्रियों की जांच, अवैध कब्जे हटाने तथा दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। चतरा में भू-माफियाओं के हौसले इतने बुलंद हो चुके हैं कि मानो उन्हें कानून का कोई भय ही नहीं रह गया हो । सरकारी अभिलेखों में जालसाजी के मामले में अभिलेखागार के कर्मियों पर प्राथमिकी दर्ज किया गया पर विभागीय कार्रवाई अब तक नहीं हुई । जमीन सम्बंधित दस्तावेजों में 200 से अधिक फर्जीवाड़े उजागर होने के बाद भी सरकारी, गैरमजरूआ और सार्वजनिक भूमि पर फर्जी रजिस्ट्री व अवैध कब्जे के आरोप लगातार सामने आ रहे हैं। सवाल यह है कि जब सरकारी दस्तावेजों से छेड़छाड़ तक साबित हो चुकी है, तब करोड़ों रुपये मूल्य की सरकारी जमीनों की लूट पर प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं हो रही? आखिर किसके संरक्षण में यह खेल लगातार जारी है।

डीआईजी अंजनी झा ने सिमरिया एसडीपीओ कार्यालय का किया निरीक्षण, लंबित NDPS कांडों की गहन समीक्षा

नई सोच एक्सप्रेस

सिमरिया (चतरा)। झारखंड पुलिस के डीआईजी अंजनी झा ने शुक्रवार को सिमरिया अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) कार्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कार्यालय की कार्यप्रणाली, अभिलेखों, अपराध नियंत्रण एवं लंबित मामलों की गहन समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान विशेष रूप से एनडीपीएस (NDPS) अधिनियम से संबंधित लंबित कांडों की समीक्षा की गई। डीआईजी ने अनुसंधान में तेजी लाने, लंबित मामलों का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने तथा मादक पदार्थों की तस्करी और अवैध कारोबार में संलिप्त अपराधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया। डीआईजी अंजनी झा ने कहा कि NDPS से जुड़े मामलों में वैज्ञानिक एवं गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान किया जाए, फरार अभियुक्तों की शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित हो तथा न्यायालय में समय पर आरोप-पत्र समर्पित किए जाएं। उन्होंने अपराध नियंत्रण, विधि-व्यवस्था बनाए रखने और जनता के बीच पुलिस की विश्वसनीयता को और मजबूत करने पर भी जोर दिया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक (एसपी) चतरा अनिमेष नैथानी एवं सिमरिया एसडीपीओ नागरगोजे शुभम भाऊसाहेब भी उपस्थित रहे। अधिकारियों के साथ आयोजित समीक्षा बैठक में लंबित कांडों की प्रगति, अनुसंधान की गुणवत्ता, थाना स्तर की कार्यप्रणाली तथा कानून-व्यवस्था की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई। डीआईजी ने सभी पुलिस पदाधिकारियों को प्रभावी पुलिसिंग, नियमित समीक्षा और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के अंत में डीआईजी ने पुलिस अधिकारियों से कहा कि अपराध एवं नशा तस्करी के विरुद्ध अभियान को और अधिक प्रभावी बनाते हुए आम जनता में सुरक्षा और विश्वास का वातावरण कायम रखा जाए।

करोड़ो का गोदाम कार्यालय की दीवार में दरार,छत से टपक रहा पानी

नई सोच एक्सप्रेस/रौशन पाण्डेय

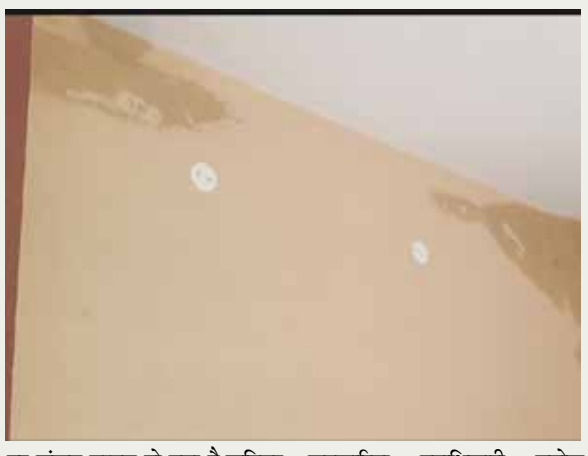

कटकमसांडी (हजारीबाग)। - प्रखंड के बाझा पंचायत में आईसीडीपी योजना के तहत करीब एक करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 500 एमटी क्षमता वाले गोदाम सह कार्यालय की गुणवत्ता पहली बारिश में ही सवालों के घेरे में आ गई है। जून 2026 में बनकर तैयार हुए भवन का विभाग को अभी हैंडओवर भी नहीं हुआ है, लेकिन दीवारों में दरारें, छत से पानी का रिसाव और अन्य निर्माण संबंधी खामियां सामने आने लगी हैं,स्थानीय लोगों का आरोप है कि भवन की कई दीवारों में दरार पड़ चुकी है, जबकि छत कई जगहों से टपक रही है। कुछ हिस्सों में बिना प्लास्टर किए ही रंग-रोगन कर दिए जाने की भी शिकायत है। परिसर में कराई गई बोरिंग भी पर्याप्त गहराई तक नहीं होने से पानी नहीं निकल रहा, जिससे पेयजल और शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाओं पर संकट उत्पन्न हो गया है,जूनियर इंजीनियर सौदाव आलम ने कहा कि सहकारिता सप्ताह के बाद भवन का विस्तृत निरीक्षण किया जाएगा। जांच में खामियां मिलने पर संबंधित हिस्से को तोड़कर दोबारा निर्माण कराया जाएगा तथा सभी कमियां दूर होने और पैक्स अध्यक्ष की एनओसी मिलने तक संवेदक को भुगतान नहीं किया जाएगा,जिला सहकारिता पदाधिकारी मनोज कुमार ने कहा कि निर्माण के दौरान भी घटिया सामग्री के उपयोग की शिकायत मिली थी। मामले की जानकारी वरीय अधिकारियों को दी गई थी। अब दोबारा जांच कर संवेदक के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई, ब्लैकलिस्ट करने तथा अन्य कानूनी कार्रवाई की अनुशंसा की गई है।

अवैध शराब के विरूद्ध छापामारी, 247 किग्रा जावा महुआ व 11 लीटर महुआ शराब विनष्ट किए गए

नई सोच एक्सप्रेस

सिमडेगा। जिला के विभिन्न थाना क्षेत्रों में थाना प्रभारी के नेतृत्व में अवैध शराब के विरूद्ध छापामारी अभियान चलाया जा रहा है। सिमडेगा जिला में अवैध शराब की रोकथाम के लिए लगातार जागरूकता व छापामारी अभियान के क्रम में पिछले सप्ताह 25 जून से 01 जुलाई तक थाना प्रभारी के नेतृत्व में विभिन्न थाना क्षेत्र में अवैध शराब के विरूद्ध छापामारी के दौरान दो सौ सैंतालीस (247) किलोग्राम जावा महुआ एवं ग्यारह (11) लीटर महुआ शराब विनष्ट किए गए हैं। इस दौरान पुलिस ने अवैध शराब बनाने के लिए उपयोग होने वाली भट्ठी को भी विनष्ट किया है। पुलिस प्रशासन ने सिमडेगा की जनता से अनुरोध किया है कि, अवैध शराब की रोकथाम व नशामुक्त समाज के निर्माण में सिमडेगा पुलिस का सहयोग करें। अपने आस-पास के लोगों को जागरूक करें व अवैध शराब बनाने व बिक्री करने से संबंधित कोई भी सूचना नियंत्रण कक्ष (कंट्रोल रूम) के मोबाईल पर निश्चित रूप से दें।

मिंजुरगाढ़ा आंगनबाड़ी केंद्र में लगा जन शिकायत कैंप, ग्रामीणों को किया गया जागरूक

नई सोच एक्सप्रेस

सिमडेगा। जलडेगा प्रखंड अंतर्गत ओड़गा ओपी क्षेत्र के मिंजुरगाढ़ा आंगनबाड़ी केंद्र में एक जन शिकायत कैंप का आयोजन किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों की समस्याओं को सुनना व उन्हें विभिन्न सामाजिक व सुरक्षा संबंधी मुद्दों पर जागरूक करना था। इस जन शिकायत केंद्र में स्थानीय ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कैंप के दौरान पुलिस प्रशासन की ओर से विभिन्न सरकारी व विभागीय कार्यों के लिए कुल 11 आचरण प्रमाण पत्र के आवेदन प्राप्त किए गए। जिन पर आगे की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। कैंप में उपस्थित एएसआई प्रमोद कुमार ने ग्रामीणों को कई महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी व उन्हें जागरूक किया।

डायन बिसाही (कुप्रथा) उन्मूलनः उन्होंने समाज में फैली डायन बिसाही जैसी कुप्रथाओं व अंधविश्वास के खिलाफ कड़ा संदेश दिया। उन्होंने कहा कि यह एक दंडनीय अपराध है व समाज को मिलकर इसे खत्म करना होगा।

सर्पदंश (सांप कट्टी) से बचावः सांप के काटने पर ओझा-गुणी के चक्कर में पड़ने के बजाय तुरंत अस्पताल जाने की सलाह दी गई, ताकि समय पर इलाज से जान बचाई जा सके।

नशे के दुष्प्रभावः एएसआई ने युवाओं व ग्रामीणों को नशे से दूर रहने की अपील की। उन्होंने बताया कि नशा न केवल स्वास्थ्य को बर्बाद करता है, बल्कि कई तरह के अपराधों व पारिवारिक कलह की वजह भी बनता है।

सड़क सुरक्षा नियमः यातायात नियमों का पालन करने की सख्त हिदायत देते हुए उन्होंने कहा कि बाइक चलाते समय हेलमेट व चारपहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का उपयोग अनिवार्य रूप से करें। यह आपकी अपनी सुरक्षा के लिए बेहद जरूरी है। वर्तमान में बढ़ते डिजिटल अपराधों पर चिंता जताते हुए एएसआई प्रमोद कुमार ने ग्रामीणों को साइबर ठगी के प्रति जागरूक किया। उन्होंने सख्त हिदायत दी की किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ अपना बैंक खाता नंबर, एटीएम पिन, यूपीआई पिन या मोबाइल पर आया ओटीपी भूलकर भी साझा ना करें। उन्होंने कहा कि लॉटरी जीतने या सस्ते लोन के झांसा में ने आएं। यदि कोई साइबर ठगी का शिकार होता है, तो तुरंत राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल कर अपनी शिकायत दर्ज कराएं। पुलिस प्रशासन ने ग्रामीणों से अपील की कि वे किसी भी तरह की समस्या या अपराध की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि क्षेत्र में शांति व सुरक्षा व्यवस्था बनी रहे। इस दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण व पुलिसकर्मी उपस्थित थे।

शादी का झांसा देकर डेढ़ साल तक यौन शोषण का आरोप केस दर्ज आरोपी फरार

नई सोच एक्सप्रेस

चतरा। हंटरगंज थाना क्षेत्र की एक युवती ने शादी का झांसा देकर करीब डेढ़ वर्ष तक यौन शोषण किए जाने का आरोप लगाया है। पीड़िता का कहना है कि प्राथमिकी दर्ज होने के बावजूद आरोपी अब तक गिरफ्तार नहीं हुआ, जिससे वह न्याय के लिए दर-दर भटक रही है। उसने चेतावनी दी है कि 24 घंटे के भीतर गिरफ्तारी नहीं होने पर थाना परिसर में आत्मदाह करेगी, जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन, आरोपी और उसके परिजनों की होगी। पीड़िता के अनुसार, नाबालिग रहने के दौरान युवक ने शादी का भरोसा देकर कई बार होटल ले जाकर शारीरिक संबंध बनाए। उसका आरोप है कि हर बार संबंध बनाने से पहले उसे गर्भनिरोधक दवा दी जाती थी। बाद में शादी की बात आने पर युवक और उसके परिजन मुकर गए। युवती का कहना है कि दोनों पक्षों के बीच दो बार पंचायत हुई थी, जिसमें 24 जून को शादी कराने पर सहमति बनी थी। हालांकि तय तिथि पर आरोपी पक्ष ने इनकार कर दिया और बाद में पैसे लेकर समझौता करने का दबाव बनाने तथा धमकी देने का आरोप भी लगाया। पीड़िता ने बताया कि उसने 25 और 27 जून को थाना में लिखित आवेदन दिया था। मामला दर्ज होने के बाद भी गिरफ्तारी नहीं होने से वह लगातार थाना और पुलिस कप्तान कार्यालय का चक्कर लगा रही है। उसने जिला पुलिस से शीघ्र गिरफ्तारी और निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की है। वहीं, हंटरगंज थाना प्रभारी प्रभात कुमार ने बताया कि पीड़िता के आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है तथा आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

चौपारण ब्लॉक मैदान का स्टेज हुआ जर्जर, कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा

नई सोच एक्सप्रेस

चौपारण (हजारीबाग)। प्रखंड मुख्यालय स्थित ब्लॉक मैदान का स्टेज इन दिनों पूरी तरह जर्जर अवस्था में पहुंच चुका है। स्टेज की छत, दीवारों और अन्य हिस्सों में दरारें पड़ गई हैं तथा कई स्थानों पर प्लास्टर उखड़ चुका है। ऐसे में किसी भी समय बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई है।ब्लॉक मैदान में समय-समय पर सरकारी कार्यक्रम, सांस्कृतिक आयोजन, खेलकूद प्रतियोगिताएं, जनसभाएं तथा विभिन्न सामाजिक कार्यक्रम आयोजित होते रहते हैं। फिलहाल प्रखंड के सभी सरकारी विद्यालयों के बच्चों को प्रखंड स्तरीय लिटिल चैम्प फुटबॉल प्रतियोगिता आयोजित की गई थी।और ऐसे कई आयोजनों में बड़ी संख्या में लोग शामिल होते हैं। जनप्रतिनिधियों और आम लोगों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि स्टेज की तकनीकी जांच कराकर आवश्यक मरम्मत या नए स्टेज का निर्माण कराया जाए, ताकि भविष्य में किसी अप्रिय घटना से बचा जा सके।ग्रामीणों का कहना है कि हादसे का इंतजार करने के बजाय प्रशासन को समय रहते इस ओर ध्यान देना चाहिए।यदि शीघ्र ही स्टेज मरम्मती या नव निर्माण स्टेज नहीं हुई तो भविष्य में किसी भी दिन बड़ा हादसा हो सकता है।

संक्षिप्त समाचार

सुप्रसिद्ध समाजसेवी धीरज यादव ने 10वीं बार किए बाबा बर्फानी के दर्शन

बागपत, उत्तर प्रदेश। जनपद बागपत के हरियाखेड़ा निवासी व सुप्रसिद्ध समाजसेवी धीरज यादव ने अपनी अटूट आस्था और सेवा भावना का परिचय देते हुए इस वर्ष भी पवित्र अमरनाथ यात्रा सफलतापूर्वक संपन्न की। वह 30 जून 2026 को अमरनाथ यात्रा के लिए रवाना हुए थे और शुक्रवार, 3 जुलाई 2026 की सुबह लगभग 10 बजे उन्होंने बाबा बर्फानी के पावन दर्शन कर भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त किया। विशेष बात यह है कि यह उनकी 10वीं अमरनाथ यात्रा रही, जो उनकी गहरी धार्मिक निष्ठा और आध्यात्मिक समर्पण को दर्शाती है। धीरज यादव केवल एक श्रद्धालु ही नहीं, बल्कि क्षेत्र के सक्रिय समाजसेवी के रूप में भी अपनी विशेष पहचान रखते हैं। वे समय-समय पर सामाजिक और धार्मिक आयोजनों में बढ़-चढ़कर भाग लेते हैं तथा जनसेवा के कार्यों में सदैव अग्रणी रहते हैं। अमरनाथ यात्रा के दौरान लगने वाले भंडारों में भी वे अपनी सामर्थ्य के अनुसार आर्थिक एवं शारीरिक सहयोग प्रदान करते हैं। दर्शन के उपरांत धीरज यादव ने बताया कि पहले जम्मू-कश्मीर से बालटाल जाने वाला मार्ग काफी कठिन और दुर्गम हुआ करता था, लेकिन अब सीमा सड़क संगठन बीआरओ द्वारा सड़क का उत्कृष्ट निर्माण कराए जाने से यात्रा कहीं अधिक सुगम और सुरक्षित हो गई है। उन्होंने कहा कि अब वाहन पहले की अपेक्षा काफी आगे तक आसानी से पहुंच रहे हैं, जिससे श्रद्धालुओं को बड़ी राहत मिली है। धीरज यादव ने यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा, मार्गदर्शन और सहायता में जुटे सीआरपीएफ, आईटीबीपी, एसएसबी तथा अन्य अर्धसैनिक बलों के जवानों की मुक्तकंठ से सराहना की। उन्होंने कहा कि इन सुरक्षाबलों की निष्ठा, अनुशासन और सेवाभाव के कारण लाखों श्रद्धालु निर्भय होकर अपनी यात्रा पूरी कर पा रहे हैं। धीरज यादव यह यात्रा समाज में आस्था, सेवा और समर्पण का प्रेरणादायी संदेश देती है।

10 साल के लीप के साथ 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' का नया अध्याय आज से

मुंबई। लोकप्रिय टीवी धारावाहिक 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' आज से 10 साल के लीप के साथ नए अध्याय की शुरुआत कर रहा है। शो में तुलसी के प्रतिष्ठित किरदार में एक बार फिर स्मृति ईरानी नजर आएंगी। स्मृति ईरानी ने कहा कि समय बदलने के बावजूद हर परिवार को ऐसे व्यक्ति की जरूरत होती है, जो रिश्तों को जोड़ने, संवाद बनाए रखने और परिवार को एकजुट रखने का प्रयास करे। उनके अनुसार, नए अध्याय में तुलसी 10 साल बाद अपने परिवार में लौटती है, जहां रिश्तों में आई दूरियों और नई पीढ़ी की चुनौतियों का सामना करते हुए वह परिवार को फिर से जोड़ने की कोशिश करेगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि दर्शकों को इस नई कहानी में अपने परिवार और जीवन की झलक देखने को मिलेगी। यह धारावाहिक आज से प्रतिदिन रात 10:30 बजे स्टार प्लस पर प्रसारित होगा और जियोहॉटस्टार पर भी उपलब्ध रहेगा।

स्काई-रूट के 'विक्रम-1' की उड़ान 12 जुलाई से शुरू हो सकती है

मुंबई। स्काई रूट एयरोस्पेस ने घोषणा की कि उसके विक्रम-1 लॉन्च वाहन की पहली परीक्षण उड़ान के लिए लॉन्च विंडो खोल दी गई है। यह भारत का पहला निजी तौर पर विकसित ऑर्बिट श्रेणी का रॉकेट है। टेस्ट फ्लाइट-1 का लक्ष्य 12 जुलाई से पहले नहीं रखा गया है और यह श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (एसडीएससी-शार) में असेंबली और परीक्षण कार्यों की पूर्णता के साथ-साथ मौसम, सुरक्षा और रेंज क्लीयरेंस पर निर्भर करेगा। लॉन्च विंडो 4 अगस्त तक खुली रहेगी। स्काई रूट के विक्रम-1 के सभी चरणों का सफलतापूर्वक एकीकरण कर उन्हें लॉन्च पैड पर स्थापित कर दिया गया है। यह मिशन प्रणोदन, स्टेज पृथक्करण, मार्गदर्शन, नेविगेशन, नियंत्रण और समग्र वाहन प्रदर्शन से संबंधित महत्वपूर्ण आंकड़े एकत्र करेगा, जिससे स्काई रूट को पूर्ण रूप से व्यावसायिक लॉन्च कंपनी बनने में मदद मिलेगी। पवन कुमार चंदाना, सह-संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, स्काई रूट एयरोस्पेस ने कहा, "मिशन आगमन का सबसे महत्वपूर्ण उद्देश्य विक्रम-1 के प्रत्येक सिस्टम के वास्तविक उड़ान प्रदर्शन से डेटा प्राप्त करना है। हम जानना चाहते हैं कि रॉकेट उड़ान भरने से लेकर आरोहण के हर चरण में कैसा प्रदर्शन करता है।" नागा भरत डाका, सह-संस्थापक एवं मुख्य परिचालन अधिकारी, स्काई रूट एयरोस्पेस ने कहा, "भारत में लॉन्च वाहन बनाने के सपने से लेकर अब ऑर्बिट उड़ान का प्रयास करने तक की यात्रा बेहद असाधारण रही है। वर्ष 2022 में विक्रम-एस के माध्यम से हमने अपनी तकनीकी क्षमताओं की नींव को स्थापित किया था। अब विक्रम-1 के साथ हम भारत में निर्मित, भारत और दुनिया के लिए विश्वसनीय तथा उच्च आवृत्ति वाले लॉन्च कार्यक्रम की दिशा में अपना सबसे बड़ा कदम उठा रहे हैं।"

डॉ तेजबीर सिंह महाप्रभु की तपस्या पूर्ण होने पर हलालपुर में हुआ विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन

बागपत, उत्तर प्रदेश। बाबा मोहनराम मन्दिर काली खोली धाम हलालपुर में धाम के पीठाधिपति धर्मचक्रवर्ती अनन्त श्री विभूषित अखण्ड़ भूमण्डलाधीश्वर वल्लभाचार्य जगद्गुरू डाक्टर तेजबीर सिंह खोखर महाप्रभु की ज्येष्ठ माह की तपस्या पूर्ण होने के अवसर पर विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। समस्त कार्य अनन्त श्री विभूषित ज्योतिष्पीठाधीश्वर श्री मज्जगद्गुरू शंकराचार्य देवादित्यानंद सरस्वती जी महाराज धर्मसंघ के पावन सान्ध्यि में सम्पन्न हुआ। सर्वप्रथम बाबा मोहनराम मन्दिर काली खोली धाम हलालपुर में नित्य पूजन क्रियाओं के उपरान्त यज्ञ का आयोजन किया गया, जिसमें उपस्थित श्रद्धालुओं ने विश्व की शांति और सभी के कल्याण के लिए आहुतियां डाली। इसके उपरान्त भजन-कीर्तन मंड़ली ने प्रभु की महिमा का बहुत सुन्दर गुणगान किया। महाप्रभु डाक्टर तेजबीर सिंह खोखर ने देवादित्यानंद सरस्वती जी महाराज को पूर्ण आदर सत्कार के साथ गद्दी पर बैठाकर उनकी सेवा की और आये अतिथियों को फूल माला पहनाकर, चादर ओढ़कार व प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में जनपद बागपत का नाम रोशन करने वाले विद्यार्थियों व सम्मानित लोगों को भी महाप्रभु डाक्टर तेजबीर सिंह खोखर ने फूल माला पहनाकर, चादर ओढ़कार व प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया। इसके उपरान्त धाम परिसर में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए श्री अर्जुन गोविन्द गौसेवा परिवार फाउंड़ेशन छपरौली के सदस्यों सहित समस्त सहयोगियों की प्रशंसा की गयी। कार्यक्रम का संचालन विनोद खेड़ा ने किया। इस अवसर पर भाकियू नेता राकेश टिकैत, छपरौली विधायक डा अजय कुमार, छपरौली चेयरमैन धर्मेन्द्र खोखर, डा मनीष तोमर, कर्नल ब्रहमपाल सिंह तोमर, इंदु, राजेन्द्र सिंह दरोगा, महामहिम राष्ट्रपति जी व उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सम्मानित वरिष्ठ पत्रकार विपुल जैन, मनमोहन जिंदल, प्रहलाद, योगाचार्य विशाल भारद्वाज, रामकुमार सिंह, नवीन जिंदल, श्रवण मलिक, सागर सिंह, अंकित शर्मा, नितिन शिवकुमार, राजेन्द्र सिंह, विनय मान सहित हजारों लोग उपस्थित थे।

चार जुलाई को एचएचआई होटल में सजेगा भव्य 'उड़ान सावन मेला', हर घंटे होगा लकी ड्रॉ

नई सोच एक्सप्रेस

वाराणसी। महिला उद्यमिता को प्रोत्साहन देने और स्थानीय व्यवसायों को नई पहचान दिलाने के उद्देश्य से 'उड़ान – Let's Grow Together' के तत्वावधान में 4 जुलाई को सुबह दस बजे से रात आठ बजे तक मलदहिया स्थित एचएचआई होटल में भव्य 'उड़ान सावन मेला' आयोजित किया जाएगा। मेले में शहरवासियों के लिए प्रवेश पूरी तरह निःशुल्क (फ्री एंट्री) रहेगा। मेले में हस्तशिल्प,फैशन,ज्वेलरी,होम डेकोर, लाइफस्टाइल,फूड एवं अन्य आकर्षक उत्पादों के अनेक स्टॉल सजेंगे जहां लोग खरीदारी के साथ सावन के उत्सवी माहौल का आनंद उठा सकेंगे। कार्यक्रम में आने वाले आगंतुकों के लिए आयोजकों की ओर से हर घंटे

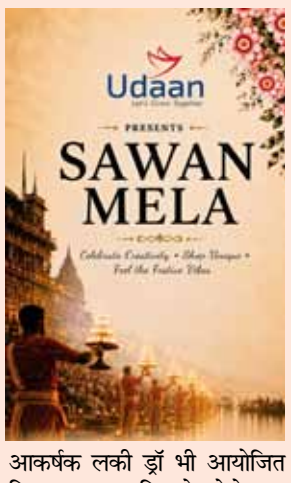

आकर्षक लकी ड्रॉ भी आयोजित किया जाएगा जिससे मेले का रोमांच और बढ़ जाएगा। कार्यक्रम का उद्घाटन वरिष्ठ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ,एआरटी कंसल्टेंट तथा वंश फर्टिलिटी एंड टेस्ट ट्यूब बेबी सेंटर एवं आयुष्मान

» महिला उद्यमियों को मिलेगा मंच,प्रवेश रहेगा निशुल्क,राजबंधु स्वीट्स टाइटल स्पॉन्सर,काशी फॉरेक्स को-स्पॉन्सर

हॉस्पिटल की निदेशक डॉ.अनु अग्रवाल करेंगी। विशिष्ट अतिथि के रूप में समाजवादी महिला सभा,उत्तर प्रदेश की प्रदेश अध्यक्ष ऋभु श्रीवास्तव,काउंसलिंग साइकोलॉजिस्ट एवं चेंजिंग माइंड्स मेंटल हेल्थ केयर तथा आईआईटी-बीएचयू से जुड़े डॉ.लक्ष्मण यादव,बीएनआई वाराणसी के संस्थापक एवं एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर आयुष नरसरिया एवं आंचल नरसरिया उपस्थित रहेंगे। इस भव्य मेले का आयोजन सोनम अग्रवाल एवं रश्मि अग्रवाल द्वारा किया जा रहा है। आयोजकों ने बताया कि मेले का मुख्य उद्देश्य स्थानीय एवं विशेष रूप से महिला उद्यमियों को अपने उत्पादों के प्रदर्शन,प्रचार और विपणन के लिए सशक्त मंच उपलब्ध कराना है ताकि वे अपने व्यवसाय को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकें। मेले में खरीदारी के साथ मनोरंजन, स्वादिष्ट व्यंजन,सावन थीम पर आधारित आकर्षक सजावट और पारिवारिक माहौल भी प्रमुख आकर्षण होंगे। कार्यक्रम के टाइटल स्पॉन्सर 'राजबंधु स्वीट्स' हैं जबकि 'काशी फॉरेक्स' इस आयोजन के को-स्पॉन्सर हैं। आयोजकों ने शहरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस भव्य 'उड़ान सावन मेला' का हिस्सा बनने और महिला उद्यमिता को प्रोत्साहित करने की अपील की है।।

कुरुक्षेत्र में रिपब्लिकन पार्टी (अठावले) का संगठन हुआ मजबूत, गुलजार सिंह बने जिला अध्यक्ष

नई सोच एक्सप्रेस

कुरुक्षेत्र। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (अठावले) हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट रवि सोनू कुंडली कुरुक्षेत्र पहुंचे। इस अवसर पर उन्होंने पूर्व पुलिस अधिकारी श्री गुलजार सिंह को रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (अठावले) का जिला अध्यक्ष, कुरुक्षेत्र नियुक्त किया तथा उन्हें नियुक्ति पत्र सौंपकर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट रवि सोनू कुंडली ने विश्वास व्यक्त किया कि श्री गुलजार सिंह अपने अनुभव, नेतृत्व क्षमता और समाज सेवा की भावना के साथ पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने तथा संगठन को जिला स्तर पर और अधिक मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इस अवसर पर रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (अठावले) के प्रदेश सचिव मास्टर सुरजवान जी, प्रमुख समाजसेवी श्री राजपाल जी, श्री महिपाल जी तथा श्री विकास जी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ तथा सभी उपस्थितजनों ने श्री गुलजार सिंह को नई जिम्मेदारी मिलने पर शुभकामनाएं एवं बधाई दी।

भाग्यश्री ने दशाश्वमेध घाट पर की मां गंगा की आरती,काशी की आध्यात्मिक आभा से हुईं अभिभूत

नई सोच एक्सप्रेस

वाराणसी। फिल्म अभिनेत्री भाग्यश्री ने शुक्रवार शाम विश्व प्रसिद्ध दशाश्वमेध घाट पहुंचकर मां गंगा की भव्य आरती में सहभागिता की। वैदिक मंत्रोच्चार, शंखध्वनि और सैकड़ों दीपों की मनमोहक आभा के बीच उन्होंने मां गंगा का पूजन -अर्चन कर आरती का दर्शन किया। गंगा तट का आध्यात्मिक वातावरण और आरती की दिव्यता देखकर वह भाव- विभोर नजर आईं। आरती के उपरांत गंगोत्री सेवा समिति ट्रस्ट की ओर से सचिव दिनेश शंकर दुबे ने भाग्यश्री का पुष्पगुच्छ,अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत एवं सम्मान किया। इस दौरान उन्हें काशी की प्राचीन धार्मिक परंपराओं, मां गंगा की महिमा और विश्व प्रसिद्ध गंगा आरती की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत की जानकारी भी दी गई

। भाग्यश्री ने मां गंगा के समक्ष देश और विश्व में सुख,शांति तथा समृद्धि की प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि काशी का आध्यात्मिक वातावरण,गंगा तट की अलौकिक छटा और दशाश्वमेध घाट की गंगा आरती का अनुभव उनके जीवन के सबसे अविस्मरणीय अनुभवों में शामिल रहेगा। गंगोत्री सेवा समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि दशाश्वमेध घाट पर प्रतिदिन होने वाली गंगा आरती केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं,बल्कि भारतीय

» विश्व प्रसिद्ध गंगा आरती में शामिल होकर लिया आशीर्वाद,गंगोत्री सेवा समिति ने किया सम्मानित

संस्कृति, सनातन परंपरा और काशी की आध्यात्मिक पहचान का वैश्विक प्रतीक बन चुकी है। यही कारण है कि देश- विदेश से आने वाले लाखों श्रद्धालु और पर्यटक इस दिव्य आयोजन का साक्षी बनने के लिए काशी पहुंचते हैं।।

डॉ तेजबीर सिंह महाप्रभु की तपस्या पूर्ण होने पर हलालपुर में हुआ विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन

नई सोच एक्सप्रेस

बागपत, उत्तर प्रदेश। बाबा मोहनराम मन्दिर काली खोली धाम हलालपुर में धाम के पीठाधिपति धर्मचक्रवर्ती अनन्त श्री विभूषित अखण्ड़ भूमण्डलाधीश्वर वल्लभाचार्य जगद्गुरू डाक्टर तेजबीर सिंह खोखर महाप्रभु की ज्येष्ठ माह की तपस्या पूर्ण होने के अवसर पर विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। समस्त कार्य अनन्त श्री विभूषित ज्योतिष्पीठाधीश्वर श्री मज्जगद्गुरू शंकराचार्य देवादित्यानंद सरस्वती जी महाराज धर्मसंघ के पावन सान्ध्यि में सम्पन्न हुआ। सर्वप्रथम बाबा मोहनराम मन्दिर काली खोली धाम हलालपुर में नित्य पूजन क्रियाओं के उपरान्त यज्ञ का आयोजन किया गया, जिसमें उपस्थित श्रद्धालुओं ने विश्व की शांति और सभी के कल्याण के लिए आहुतियां डाली। इसके उपरान्त भजन-कीर्तन मंड़ली ने प्रभु की महिमा का बहुत सुन्दर गुणगान किया। महाप्रभु डाक्टर तेजबीर सिंह खोखर ने देवादित्यानंद सरस्वती जी महाराज को पूर्ण आदर सत्कार के साथ गद्दी पर बैठाकर उनकी सेवा की और आये अतिथियों को फूल माला पहनाकर, चादर ओढ़कार व प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया।

महिमा का बहुत सुन्दर गुणगान किया। महाप्रभु डाक्टर तेजबीर सिंह खोखर ने देवादित्यानंद सरस्वती जी महाराज को पूर्ण आदर सत्कार के साथ गद्दी पर बैठाकर उनकी सेवा की और आये अतिथियों को फूल माला पहनाकर, चादर ओढ़कार व प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में जनपद बागपत का नाम रोशन करने वाले विद्यार्थियों व सम्मानित लोगों को भी महाप्रभु डाक्टर तेजबीर सिंह खोखर ने फूल माला पहनाकर, चादर ओढ़कार व प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर भाकियू नेता राकेश टिकैत, छपरौली विधायक डा अजय कुमार, छपरौली चेयरमैन धर्मेन्द्र खोखर, डा मनीष तोमर, कर्नल ब्रहमपाल सिंह तोमर, इंदु, राजेन्द्र सिंह दरोगा, महामहिम राष्ट्रपति जी व उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सम्मानित वरिष्ठ पत्रकार विपुल जैन, मनमोहन जिंदल, प्रहलाद, योगाचार्य विशाल भारद्वाज, रामकुमार सिंह, नवीन जिंदल, श्रवण मलिक, सागर सिंह, अंकित शर्मा, नितिन शिवकुमार, राजेन्द्र सिंह, विनय मान सहित हजारों लोग उपस्थित थे।

नकली दवाइयों के कारोबारियों को मिले फांसी की सजा, डॉक्टर सेवा भाव से करें मरीजों का इलाज : तेजपाल सिंह सहरावत

नई सोच एक्सप्रेस

नई दिल्ली। आदि लीला फाउंडेशन द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे समाजसेवी तेजपाल सिंह सहरावत ने डॉक्टरों से सेवा भावना के साथ मरीजों का उपचार करने का आह्वान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. आदित्य नारायण (पूर्व निदेशक) ने की। अपने संबोधन में तेजपाल सिंह सहरावत ने कहा कि एक समय था जब डॉक्टरों को भगवान का रूप माना जाता था और समाज में उनका अत्यंत सम्मान होता था। लेकिन आज कुछ लोगों ने चिकित्सा सेवा को केवल व्यापार का माध्यम बना दिया है, जिसके कारण आम जनता को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कई मरीज सही समय पर उचित इलाज न मिलने के कारण अपनी जान तक गंवा

देते हैं। उन्होंने डॉक्टरों से हाथ जोड़कर अपील करते हुए कहा कि वे अपनी जिम्मेदारी को समझें और मरीजों की सेवा भाव से चिकित्सा करें। उन्होंने कहा कि वे यह नहीं कहते कि डॉक्टर निःशुल्क इलाज करें, बल्कि उचित और न्यायसंगत शुल्क लेकर ईमानदारी से मरीजों का उपचार करें। सहरावत ने देश में नकली दवाइयों और चिकित्सा क्षेत्र में हो रही अनियमितताओं पर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि कम कीमत की दवाइयों पर कई गुना अधिक एमआरपी अंकित कर आम लोगों से मनमानी वसूली की जा रही है, जो एक गंभीर मामला है। उन्होंने सरकार से मांग की कि नकली दवाइयों और मिलावटी चिकित्सा सामग्री का निर्माण एवं बिक्री करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि ऐसे अपराधों के मामलों का तीन महीने के भीतर निपटारा किया जाए तथा दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाए, ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति जनता के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने का साहस न कर सके। कार्यक्रम के अंत में तेजपाल सिंह सहरावत ने आदि लीला फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. आदित्य नारायण एवं उनकी पूरी टीम को समाज सेवा और स्वास्थ्य क्षेत्र में किए जा रहे सराहनीय कार्यों के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

स्व राम विलास पासवान की जयंती महोत्सव में उमड़ेंगे लाखों

नई सोच एक्सप्रेस

कानपुर। लोक जनशक्ति पार्टी रा उत्तर प्रदेश के प्रदेश उपाध्यक्ष आनंद सिंह ने कानपुर मंडल की बैठक नौबस्ता स्थित गैलेक्सी होटल में की। जहां बड़ी संख्या में आए पदाधिकारियों को आगामी 5 जुलाई को लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित नव संकल्प सभा तथा पदम भूषण स्व राम विलास पासवान जी के जयंती महोत्सव पर प्रत्येक जिले ब्लॉक तहसील स्तर पर कार्यकर्ताओं को लाने तथा ले जाने की व्यवस्था पर प्रदेश उपाध्यक्ष एवं कानपुर मंडल प्रभारी आनन्द सिंह ने वार्ता कर सभी के कार्यों पर विचार विमर्श किया। आनन्द सिंह ने बताया कि कानपुर नगर औरैया इटावा फर्रुखाबाद सहित अन्य जिलों से पार्टी पदाधिकारी बड़ी संख्या में लखनऊ को रवाना होगे जहां राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान जी के ओजस्वी भाषणों को सुनेंगे। श्री सिंह ने मंशा साफ करते हुए

» महोत्सव में कानपुर मंडल से पहुंचेगे हजारों हजार कार्यकर्ता मंडल अध्यक्ष आनन्द सिंह

कहा कि बहुत समय से राष्ट्रीय अध्यक्ष उत्तर प्रदेश की सरजमीं पर पार्टी का परचम लहराना चाह रहे थे। उत्तर प्रदेश के आम जनमानस ने भी पार्टी को बढ़ चढ़कर प्रेम और स्नेह दिया है। इस दौरान मुख्य रूप से हर्ष वर्मा अंशुल सोनी गोलू श्रीवास्तव नितिन कुमार अंशु गौतम अथर्व गुप्ता रिशु शर्मा वंश गुप्ता शुभ अग्रहरि मयंक चौरसिया अक्षय श्रीवास्तव उज्जवल चौरसिया अक्षय यादव अरुण कुमार हिमांशु शुभ यादव अरुण कुमार हिमांशु राजपूत प्रथम पाण्डेय प्रिंस सिंह सार्थक सिंह हर्षित दिवाकर अनमोल कुशवाहा सहित काफी संख्या में पदाधिकारी मौजूद रहे।

बच्चों की सुरक्षा से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं, दोषियों पर हो सख्त कार्रवाई — एनएसयूआई

नई सोच एक्सप्रेस

जबलपुर। तैयब अली चौक स्थित क्राइस्ट चर्च स्कूल में विगत दिवस बच्चे को सांप काटने की घटना को लेकर एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने विद्यालय परिसर में प्रदर्शन करते हुए गहरा रोष व्यक्त किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने विद्यालय के प्राचार्य को ज्ञापन सौंपकर घटना की निष्पक्ष जांच कराने तथा विद्यार्थियों की सुरक्षा के लिए तत्काल प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की। छात्रनेता अनुराग शुक्ला व शफी खान ने कहा कि स्कूल में शिक्षकों द्वारा मासूम बच्चों से घास कटवाई जा रही थी जो RTE Act 2009 का खुला उल्लंघन है। बरसात के मौसम में जहरीले सांप-कीड़ों का खतरा जानते हुए भी बच्चों को बिना सुरक्षा उपकरण के झाड़ियों में भेजना आपराधिक लापरवाही है। विद्यालय प्रबंधन ने बच्चे की जान जोखिम में डाली है। उन्होंने कहा कि विद्यालय जैसी संवेदनशील जगह पर इस

प्रकार की घटना अत्यंत गंभीर है। विद्यार्थियों की सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जा सकती। उन्होंने मांग की कि स्कूल परिसर की नियमित साफ-सफाई कराई जाए, झाड़ियों एवं अन्य जोखिम वाले स्थानों को तत्काल हटाया जाए तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की

» क्राइस्ट चर्च स्कूल में बच्चे को सांप काटने की घटना पर NSUI का प्रदर्शन, प्राचार्य को सौंपा ज्ञापन

पुनरावृत्ति रोकने के लिए स्थायी सुरक्षा व्यवस्था लागू की जाए। एनएसयूआई ने चेतावनी दी कि यदि विद्यालय प्रबंधन द्वारा विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए शीघ्र ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो संगठन उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा, जिसकी समस्त जिम्मेदारी विद्यालय प्रशासन की होगी। प्रदर्शन के दौरान प्रदेश सचिव एजाज अंसारी,अंकित शुक्ला, अंकित कोरी, वकार खान,ऐश्वर्या नाहिर,पुष्पराज सिंह राजपूत,युग ठाकुर,ऋषि यादव,निखिल बंशकार,आर्यन चौधरी,अनिकेत तिवारी,करण अंबाला सहित बड़ी संख्या में एनएसयूआई कार्यकर्ता तथा अभिभावक उपस्थित थे।

कुपवाड़ा में ऑल कश्मीर कारपेंटर यूनियन की बैठक, समुदाय के अधिकारों और कल्याण पर हुई चर्चा

नई सोच एक्सप्रेस

कुपवाड़ा। ऑल कश्मीर कारपेंटर यूनियन की ओर से शुक्रवार को कुपवाड़ा के टाउन हॉल में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का उद्देश्य कारपेंटर समुदाय से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श करना तथा यूनियन को और अधिक मजबूत एवं प्रभावी बनाने की रणनीति तैयार करना था। बैठक में यूनियन के प्रदेश और जिला स्तर के पदाधिकारियों के साथ बड़ी संख्या में कारपेंटर समुदाय के लोग शामिल हुए। कार्यक्रम में ऑल कश्मीर कारपेंटर यूनियन के अध्यक्ष नियाज़ अहमद नज़र (अनंतनाग), उपाध्यक्ष गुलाम मोहिदीन नज़र (बांदीपोरा), महासचिव सज्जाद अहमद नज़र (बारामूला) तथा चेयरमैन फारूक अहमद नज़र (पुलवामा) विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक का संचालन यूनियन के अकाउंटेंट एवं कुपवाड़ा चेयरमैन फारूक अहमद नज़र ने किया। इस अवसर पर कुपवाड़ा जिला अध्यक्ष मोहम्मद रफीक नज़र, उपाध्यक्ष ताहिर अहमद नज़र और जिला

महासचिव मुनीर अहमद नज़र सहित अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहे। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि कारपेंटर समुदाय के सामाजिक और आर्थिक हितों की रक्षा, उनके अधिकारों को सुनिश्चित करने तथा युवाओं को इस पारंपरिक व्यवसाय से जोड़ने के लिए यूनियन लगातार प्रयासरत है। उन्होंने संगठन की एकजुटता पर बल देते हुए कहा कि सभी सदस्यों के सहयोग से समुदाय की समस्याओं को प्रभावी ढंग से संबंधित विभागों के समक्ष उठाया जाएगा। कार्यक्रम के अंत में सभी पदाधिकारियों और सदस्यों ने पूरे कश्मीर में कारपेंटर समुदाय की एकता को और मजबूत करने तथा उनके कल्याण, सम्मान और अधिकारों की रक्षा के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

कब रखा जाएगा योगिनी एकादशी व्रत शुभ मुहूर्त और पूजा का महत्व

हिंदू पंचांग के अनुसार, आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष में आने वाली एकादशी को योगिनी एकादशी के नाम से जाना जाता है। यह एकादशी भगवान विष्णु की पूजा-आराधना के लिए समर्पित होती है जो बहुत ही पवित्र और पुण्यदायी मानी जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस एकादशी पर विधि-विधान के साथ व्रत रखते हुए भगवान विष्णु के योगेश्वर स्वरूप की पूजा करने का विशेष महत्व होता है। इस एकादशी पर भगवान विष्णु की पूजा करने पर सुख-समृद्धि और आरोग्यता की प्राप्ति होती है। वहीं एक दूसरी धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस योगिनी एकादशी का व्रत करने से 88 हजार ब्राह्मणों को भोजन कराने के बराबर पुण्य फल की प्राप्ति होती है। हिंदू पंचांग के अनुसार इस वर्ष योगिनी एकादशी 10 जुलाई को मनाई जाएगी।

योगिनी एकादशी 2026 तिथि

हिंदू पंचांग के अनुसार, आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष की योगिनी एकादशी तिथि की शुरुआत 09 जुलाई को शाम 07 बजकर 46 मिनट से होगी और इस तिथि का समापन 10 जुलाई को शाम 4 बजकर 52 मिनट पर होगा। उदया तिथि के आधार पर योगिनी एकादशी 10 जुलाई शुक्रवार को रखा जाएगा। वही व्रत खोलने का समय 11 जुलाई को सुबह 5 बजकर 49 मिनट से लेकर 08 बजकर 39 मिनट तक रहेगा।

योगिनी एकादशी का धार्मिक महत्व

वैसे तो एक वर्ष में आने वाली सभी 24 एकादशी का अपना विशेष महत्व होता है लेकिन आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष में आने वाली योगिनी एकादशी का खास महत्व होता है। योगिनी एकादशी भगवान विष्णु को समर्पित होती है। धर्म शास्त्रों और पुराणों के अनुसार इस एकादशी का व्रत करने और नियमों का पालन करने जीवन में हर तरह के सुखों की प्राप्ति होती है और पापों से मुक्ति मिलती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यह एकादशी शरीर की समस्त बीमारियों को नष्ट कर सुंदर रूप, गुण और यश देने वाली होती है। इस एकादशी का व्रत रखने से रुके हुए कार्यों में सफलता मिलती है और बहुत शुभफलदायी माना गया है।

योगिनी एकादशी पूजा विधि

योगिनी एकादशी के दिन सुबह जल्दी ब्रह्म मुहूर्त में उठकर जल्दी से स्नान करके साफ-सुधरे वास्त्र पहनें। फिर इसके बाद पूजा और व्रत रखने का संकल्प लेते हुए पूजा स्थल की साफ-सफाई करके भगवान विष्णु की प्रतिमा को स्थापित करें। इसके बाद भगवान विष्णु की मूर्ति को ऊं नमो भगवते वासुदेवाय 'मंत्र का उच्चारण करते हुए स्नान आदि कराकर वस्त्र, चन्दन, जनेऊ, गंध, अक्षत, पुष्प, धूप-दीप नैवेध आदि समर्पित करके आरती उतारें। इस दौरान ऊं नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जाप करें और इसी के साथ विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करें।

योगिनी एकादशी को क्यों कहा जाता है रोग संहारक व्रत

हिंदू धर्म में योगिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु की पूजा विधिवत रूप से करने से लाभ हो सकता है। साथ ही जीवन में आ रही सभी समस्याएं दूर हो सकती है। अब ऐसे में योगिनी एकादशी को रोग संहारक व्रत के नाम से जाना जाता है।

हिंदू धर्म में योगिनी एकादशी की पूजा का विशेष महत्व है। यह आषाढ़ मास के कृष्ण पक्ष में पड़ने वाली एकादशी है और इसे तीनों लोकों में प्रसिद्ध एकादशी माना गया है। ऐसी मान्यता है कि योगिनी एकादशी का व्रत रखने से व्यक्ति को समस्त पापों से मुक्ति मिलती है। यह व्रत पापों को शांत कर जीवन को सुखी बनाता है। यह एकादशी उन लोगों के लिए विशेष रूप से फलदायी मानी जाती है जो किसी श्राप या शाप से पीड़ित हैं। माना जाता है कि इस व्रत के प्रभाव से ऐसे श्रापों का निवारण होता है और व्यक्ति को शांति प्राप्त होती है। इसके अलावा, यह एकादशी शारीरिक कष्टों से मुक्ति दिलाने और अच्छे स्वास्थ्य का आशीर्वाद देने वाली भी मानी जाती है। आपको बता दें, यह व्रत रोग संहारक वाला माना जाता है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, योगिनी एकादशी का व्रत करने से व्यक्ति के सभी पाप नष्ट हो जाते हैं। पापों का नाश होने से शारीरिक और मानसिक कष्टों से भी मुक्ति मिलती है, क्योंकि कई रोगों का कारण पूर्व जन्म के कर्म या पाप माने जाते हैं। यह व्रत भगवान विष्णु को समर्पित है। भगवान विष्णु को सृष्टि का पालनहार माना जाता है और उनकी कृपा से सभी प्रकार के दुख, कष्ट और रोग दूर होते हैं।

योगिनी एकादशी पर भगवान विष्णु की पूजा-अर्चना और व्रत करने से उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है, जिससे आरोग्य का वरदान मिलता है। आपको बता दें, योगिनी एकादशी को रोग संहारक व्रत कहे जाने के पीछे एक कथा है। कहा जाता है कि स्वर्ग का एक माली हेममाली, जो भगवान शिव का भक्त था। वह अपनी पत्नी के वियोग में कोढ़ी हो गया था। तब नारद मुनि के कहने पर उसने योगिनी एकादशी का व्रत विधि-विधान से किया। इस व्रत के प्रभाव से हेममाली को न केवल कुष्ठ रोग से मुक्ति मिली, बल्कि उसे अपना सुंदर रूप वापस मिल गया और वह अपने परिवार व स्वामी के पास लौट सका। यह कथा बताती है कि योगिनी एकादशी का व्रत गंभीर से गंभीर शारीरिक रोगों का नाश करने की शक्ति रखता है। ऐसा माना जाता है कि इस व्रत का पालन करने से 18 प्रकार के कुष्ठ रोग और शारीरिक व्याधियां दूर होती हैं।

योगिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु का केसर से अभिषेक करने से मिलते हैं ये लाभ

योगिनी एकादशी का व्रत रखने से भक्तों को सभी कष्टों से छुटकारा दिलाने में मदद करता है। इस एकादशी के दिन व्रत रखने से व्यक्ति की सभी परेशानियां दूर होती है और मनचाहे परिणाम मिलते हैं। योगिनी एकादशी के दिन रोग संहारक के व्रत के नाम से भी जाना जाता है। पंचांग के हिसाब से योगिनी एकादशी का व्रत आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि के दिन रखा जाता है। वहीं इस साल यह व्रत 10 जुलाई को रखा जाएगा। अब ऐसे में एकादशी के दिन भगवान विष्णु की पूजा-अर्चना करने के साथ-साथ अभिषेक करने का भी महत्व है। अब ऐसे में भगवान विष्णु का केसर से अभिषेक करने का क्या महत्व है।

- योगिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु का करें केसर से अभिषेक
- सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र धारण करें।
- पूजा घर को साफ करें और भगवान विष्णु की मूर्ति या तस्वीर स्थापित करें।
- एक लोटे में गंगाजल या शुद्ध जल लें और उसमें थोड़ा सा केसर घोल लें।
- अब इस केसर मिश्रित जल से भगवान विष्णु का धीरे-धीरे अभिषेक करें। अभिषेक करते समय ऊं नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जाप करते रहें।
- अभिषेक के बाद भगवान को पंचामृत यानी कि दूध, दही, घी, शहद और गंगाजल का मिश्रण से स्नान कराएं।
- इसके बाद फिर से शुद्ध जल से स्नान कराकर उन्हें साफ कपड़े से पोंछें।
- भगवान को पीले वस्त्र, चंदन, पुष्प, तुलसी दल और भोग अर्पित करें।
- आखिर में भगवान विष्णु की आरती करें।

भगवान विष्णु को केसर अत्यंत प्रिय है। योगिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु का केसर से अभिषेक करना बहुत ही शुभ माना जाता है। ऐसा करने से भगवान विष्णु शीघ्र प्रसन्न होते हैं और भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। केसर अभिषेक से घर में सुख-समृद्धि आती है और नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है। ऐसी मान्यता है कि केसर से अभिषेक करने से भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है। यह दरिद्रता दूर कर धन-धान्य में वृद्धि करता है।

योगिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु के सामने कौन सा दीया जलाना चाहिए?

योगिनी एकादशी का व्रत रखने से मानसिक बल मिलता है जिसके कारण व्यक्ति की निर्णय लेने की शक्ति बढ़ती है। साथ ही, यह व्रत रखने से व्यक्ति की इन्ट्यूशन पॉवर भी बढ़ती है क्योंकि योगिनी एकादशी भीतर के ज्ञान और चेतना को जागृत करती है। आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष की योगिनी एकादशी को बहुत पुण्यकर माना जाता है क्योंकि इस एकादशी का व्रत रखने से अध्यात्मिक उन्नति होती है, ध्यान और योग के माध्यम से भगवत ज्ञान को प्राप्त किया जा सकता है एवं इस एकादशी का व्रत रखने से व्यक्ति को भगवान विष्णु की कृपा से मानसिक बल मिलता है जिसके कारण व्यक्ति की निर्णय लेने की शक्ति बढ़ती है और उसकी भीतर की चेतना भी जागृत होती है या यूं कहें कि मजबूत होती है। सरल शब्दों में समझाएं तो योगिनी एकादशी का व्रत रखने से व्यक्ति की इन्ट्यूशन पॉवर बढ़ती है। इसी कारण से इस व्रत के दौरान भगवान विष्णु की पूजा करते हुए ध्यान लगाना बहुत आवश्यक माना गया है। वहीं, दूसरी ओर इस दिन भगवान विष्णु की आराधना के दौरान विशेष दीया जलाने का भी महत्व और लाभ है। ऐसे में आइये जानते हैं कि योगिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु के समक्ष कौन सा दीया जलाएं और क्या हैं उससे मिलने वाले लाभ।

योगिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु के सामने पूजा के दौरान गेंदे के फूल और कपूर का दीया जलाना चाहिए। गेंदे का फूल बृहस्पति ग्रह से संबंधित माना जाता है। बृहस्पति ग्रह को ज्ञान, बुद्धि, समृद्धि, सौभाग्य, संतान और विवाह का कारक ग्रह माना जाता है। वहीं, कपूर को ज्योतिष में शुक्र ग्रह से संबंधित माना जाता है। शुक्र ग्रह ऐश्वर्य, सुख-समृद्धि, सौंदर्य, प्रेम और दांपत्य जीवन का कारक है।

ऐसे में भगवान विष्णु के सामने गेंदे के फूल और कपूर का दीया जलाने से घर में सुख-समृद्धि आती है और धन संबंधी समस्याओं से मुक्ति मिलती है। व्यक्ति की बुद्धि तेज होती है, शिक्षा में सफलता मिलती है और सही निर्णय लेने की क्षमता बढ़ती है। यह दीया जलाने से नकारात्मक ऊर्जा नष्ट होती है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। गेंदे के फूल और कपूर का दीया जलाने से श्री हरि प्रसन्न हो जाते हैं।

भगवान विष्णु के सामने गेंदे के फूल और कपूर का दीया जलाने से संतान संबंधी समस्याओं और विवाह में आने वाली बाधाओं से छुटकारा मिलता है। भगवान विष्णु के सामने गेंदे के फूल और कपूर का दीया जलाने से क्ति के भीतर के अहंकार का नाश होता है और विनम्रता बढ़ती है। शांति का अनुभव होता है और मानसिक तनाव कम होता है। चूंकि भगवान विष्णु पितरों के देवता हैं, ऐसे में इससे पितृ दोष भी दूर होता है।

आषाढ़ मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी को योगिनी एकादशी के नाम से जाना जाता है। योगिनी एकादशी का व्रत रखना बहुत पुण्यकर माना जाता है। इस व्रत को रखने और भगवान विष्णु की विधि-विधान से पूजा करने से व्यक्ति के सभी पाप नष्ट हो जाते हैं और उसे मृत्यु के बाद मोक्ष की प्राप्ति होती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, यह व्रत न केवल शारीरिक कष्टों और बीमारियों को दूर करता है बल्कि 88 हजार ब्राह्मणों को भोजन कराने के बराबर पुण्य भी प्रदान करता है। इसके अलावा, योगिनी एकादशी के दिन दाना का भी बहुत महत्व माना जाता है।

घर की दरिद्रता करना चाहती हैं दूर तो योगिनी एकादशी के दिन करें इन चीजों का दान

- योगिनी एकादशी के दिन गेहूं, चावल, दालें, या पका हुआ भोजन जैसे खिचड़ी, पूड़ी-सब्जी। आप किसी गरीब या जरूरतमंद व्यक्ति को, मंदिर में या किसी गौशाला में दान कर सकते हैं। अन्न का दान शास्त्रों में सर्वोत्तम दान माना गया है। इससे घर में कभी अन्न की कमी नहीं होती और मां अन्नपूर्णा की कृपा बनी रहती है। यह व्यक्ति के पिछले जन्मों के पापों को भी नष्ट करता है और भविष्य में सुख-समृद्धि लाता है। ज्योतिष के अनुसार, अन्न दान से कुंडली में कमजोर ग्रहों की स्थिति मजबूत होती है और दरिद्रता दूर होती है।
- गरीबों या जरूरतमंदों को साफ और नए कपड़े दान करें। विशेष रूप से पीले रंग के वस्त्र दान करना शुभ माना जाता है क्योंकि पीला रंग भगवान विष्णु को अत्यंत प्रिय है। वस्त्र दान से व्यक्ति को मान-सम्मान और प्रतिष्ठा प्राप्त होती है। यह घर में सुख-शांति लाता है और सामाजिक संबंधों को मजबूत करता है। ज्योतिष में, पीले वस्त्रों का दान बृहस्पति ग्रह को मजबूत करता है जिससे ज्ञान, भाग्य और समृद्धि बढ़ती है।
- प्यासे लोगों को पानी पिलाएं, सार्वजनिक स्थानों पर पानी की व्यवस्था करें या जल से भरे कलश का दान करें। जल का दान जीवन और तृप्ति का प्रतीक है। इससे पितरों को शांति मिलती है और व्यक्ति को मानसिक शांति प्राप्त होती है। ज्योतिष में जल दान चंद्रमा ग्रह को शांत करता है जिससे मन की चंचलता दूर होती है और भावनात्मक स्थिरता आती है।
- मंदिर में, पीपल के पेड़ के नीचे या तुलसी के पौधे के पास घी या तेल का दीपक जलाएं। दीप दान करने से जीवन से अंधकार दूर होता है और ज्ञान का प्रकाश फैलता है। यह घर की दरिद्रता दूर करता है और सभी इच्छाओं की पूर्ति में सहायक होता है। ज्योतिष के अनुसार, दीप दान करने से सूर्य और मंगल जैसे ग्रहों के शुभ प्रभाव बढ़ते हैं जो ऊर्जा, आत्मविश्वास और सफलता प्रदान करते हैं।
- अपनी क्षमतानुसार ब्राह्मणों, जरूरतमंदों या धार्मिक संस्थाओं को धन दान करें। धन का दान व्यक्ति के अंदर की लोभ की भावना को कम करता है और उदारता बढ़ाता है। इससे घर में लक्ष्मी का वास होता है और आर्थिक समस्याएं दूर होती हैं। ज्योतिष में धन का दान शुक्र ग्रह को बल देता है जिससे सुख, ऐश्वर्य और भौतिक समृद्धि आती है।
- मौसमी फल जैसे आम, केला, सेब आदि का दान करें। फलों का दान आरोग्य और खुशहाली लाता है। यह जीवन में मिठास भरता है और संतोष की भावना प्रदान करता है। इन चीजों का दान करते समय सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि दान निस्वार्थ भाव से और पूरी श्रद्धा के साथ किया जाए। दिखावे के लिए किया गया दान उतना फलदायी नहीं होता जितना सच्चे मन से किया गया दान।

योगेश रावत और आकांक्षा चौधरी नए रियलिटी शो लॉक अप : सच या सजा में साथ नजर आयेंगे

रियलिटी शो की चर्चित जोड़ियों में शामिल योगेश रावत और आकांक्षा चौधरी एक बार फिर चर्चा का केंद्र बन गए हैं। यह जोड़ी अब नए रियलिटी शो लॉक अपः सच या सजा में साथ नजर आने वाली है। योगेश और आकांक्षा की पहली मुलाकात शो स्प्लिट्सविला के दौरान हुई थी। शो में उनकी जोड़ी को काफी पसंद किया गया था। हालांकि, कहानी में उस समय बड़ा मोड़ आया जब योगेश की पूर्व प्रेमिका रुरु की शो में एंट्री हुई। इसके बाद रिश्तों को लेकर कई तरह के सवाल उठने लगे और पूरे शो का माहौल बदल गया। फिनाले के करीब पहुंचते-पहुंचते विवाद और भी गहरा गया। सोशल मीडिया पर कई लोगों ने आरोप लगाए कि योगेश ने रुरु के साथ रिश्ते में रहते हुए आकांक्षा के करीबियां बढ़ाईं। इस विवाद ने दर्शकों के बीच लंबे समय तक बहस छेड़े रखी और दोनों के रिश्ते को लेकर अलग-अलग तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आईं। अब नए शो में शामिल होने को लेकर योगेश रावत काफी उत्साहित हैं। उनका कहना है कि इस मंच पर दर्शकों को उनका वास्तविक व्यक्तित्व देखने का अवसर मिलेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि लोग जिस योगेश को पसंद करते हैं, वही अंदाज और व्यवहार नए शो में भी दिखाई देगा। उनके अनुसार यह मंच उन्हें खुद को बेहतर तरीके से पेश करने का मौका देगा। वहीं आकांक्षा चौधरी ने भी शो में अपनी भागीदारी को लेकर खुशी जाहिर की है। उनका कहना है कि आज भी कई ऐसे सवाल हैं जिनके जवाब उनके प्रशंसक जानना चाहते हैं। उनके मुताबिक यह शो उन्हें अपनी बात खुलकर रखने और अपने पक्ष को सामने रखने का अवसर देगा। आकांक्षा ने इसे अपने करियर का महत्वपूर्ण पड़ाव बताया है। योगेश और आकांक्षा की एंट्री का खुलासा शो के पूर्व विजेता और लोकप्रिय कॉमेडियन मुनव्वर फारूकी ने किया। एक वीडियो में उन्होंने नए सीजन के सेट की झलक दिखाते हुए दर्शकों को जेलर का कमरा, प्रतियोगियों के रहने की जगह और शो के अन्य हिस्सों से परिचित कराया। वीडियो के अंत में योगेश और आकांक्षा के नामों की घोषणा की गई।

11 सितंबर को रिजीज होगी क्राइम थ्रिलर फिल्म हैवान

आगामी क्राइम थ्रिलर फिल्म हैवान की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया गया है। प्रियदर्शन के निर्देशन में बनने वाली इस बहुप्रतीक्षित फिल्म के लिए दर्शकों को 11 सितंबर, 2026 तक का इंतजार करना होगा। अपकमिंग फिल्म हैवान में एक बार फिर बॉलीवुड के सुपरस्टार अक्षय कुमार और सैफ अली खान की दमदार जोड़ी बड़े पर्दे पर वापसी करती नजर आएगी। फिल्म के प्रोडक्शन हाउस, केवीएन प्रोडक्शन ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म का एक पोस्टर साझा करते हुए इसकी रिलीज डेट की घोषणा की है। जारी किए गए पोस्टर पर बड़े-बड़े लाल अक्षरों में हैवान लिखा है और उसके नीचे सिनेमाघरों में 11 सितंबर, 2026 को अंकित है। पोस्टर पर एक आकर्षक टैगलाइन भी हैः 60 ब्लॉकबस्टर्स, एक मास्टर स्टोरीटेलर। फिल्म बाय प्रियदर्शन - हैवान। प्रोडक्शन हाउस ने पोस्टर के साथ कैप्शन में लिखा है, एक जुनून। एक अटूट लगन। एक ऐसी तारीख जो आप याद रखना चाहेंगे। हैवान में प्रियदर्शन की फिल्म जिसमें सैफ अली खान और अक्षय कुमार नजर आएंगे। सिनेमाघरों में 11 सितंबर, 2026 को। अपने कैलेंडर में तारीख मार्क कर लीजिए। इस घोषणा के बाद सोशल मीडिया पर तमाम लोगों के कमेंट्स आने शुरू हो गए हैं। कई यूजर्स ने अक्षय कुमार को खिलाड़ी कुमार कहते हुए अपनी उत्सुकता व्यक्त की और लिखा, अब इंतजार नहीं होता। कुछ ने फिल्म की गुणवत्ता पर भरोसा जताते हुए इसे अच्छी फिल्म बताया, तो कुछ ने मजाकिया अंदाज में जेलर 2 से होगी क्लैश जैसी टिप्पणियां भी कीं। पोस्ट पर हार्ट और फायर इमोजी बनाकर भी यूजर्स ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। हाल ही में सैफ अली खान की फिल्म कर्तव्य नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। यह भी एक क्राइम थ्रिलर फिल्म थी, जिसमें पत्रकार सौरभ द्विवेदी विलेन के रोल में नजर आए थे।

टॉक्सिक का नया टीजर जारी, लेडीज एंड लेडीज के साथ एक्शन करते दमदार लगे यश

कन्नड़ सिनेमा के सुपरस्टार यश की बहुप्रतीक्षित फिल्म टॉक्सिक का नया टीजर जारी हो गया है। फैंस की नाराजगी को दूर करते हुए निर्माताओं ने इस बार सभी हसीनाओं का दीदार टीजर में करा दिया है। लेडीज एंड लेडीज के नाम से आए इस धमाकेदार टीजर में कियारा आडवाणी नादिया का किरदार निभाती दिखीं और यश के साथ स्क्रीन साझा करेंगी। वहीं नयनतारा (गंगा), तारा सुतारिया (रेबिका), रुक्मिणी वसंत (मेलिसा) और हुमा कुरैशी (एलिजाबेथ) के किरदारों में नजर आई हैं। टीजर की शुरुआत एक चेतावनी के साथ होती है। इसके बाद सभी हसीनाओं की एक-एक झलक दिखाई गई है। यह साबित करता है कि फिल्म सिर्फ हीरो-केंद्रित एक्शन नहीं है, बल्कि इसमें अभिनेत्रियां भी खतरनाक और महत्वपूर्ण रोल निभा रही हैं। वहीं यश दमदार एक्शन करते हुए नजर आए हैं। इसकी कहानी गोवा में ड्रग कार्टेल और खतरनाक स्मगलिंग के इर्द-गिर्द बुनी गई है। केवीएन प्रोडक्शन द्वारा निर्मित और गीतू मोहनदास द्वारा निर्देशित टॉक्सिक 26 अगस्त, 2026 को रिलीज होगी। टॉक्सिक मूवी के ऑफिशियल एक्स हैंडल पर अलग-अलग भाषाओं में फिल्म का लेटेस्ट टीजर रिलीज किया गया है। टीजर में आपको नयनतारा, कियारा आडवाणी, रुक्मिणी वसंत, तारा सुतारिया और हुमा कुरैशी जैसी फीमेल कास्ट की झलक नजर आएगी। इसके साथ ही में मूवी एक्शन किस लेवल का होगा, वो भी टॉक्सिक का नया टीजर साफ दर्शा रहा है। टॉक्सिकः ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स का यह नया प्रस्तुतीकरण एक ऐसी दुनिया को और विस्तार देता है, जो जितनी खतरनाक है उतनी ही आकर्षक भी। प्रभावशाली विजुअल्स, स्टाइलिश एक्शन और रहस्य से भरे माहौल के साथ यह फिल्म एक अलग तरह का सिनेमाई अनुभव देने का वादा करती है। इस टीजर को देखने के बाद टॉक्सिक को लेकर फैंस की एक्साइटमेंट सातवें आसमान पर पहुंच गई है और वे इसकी रिलीज का बेसब्री से इंतजार करने लगें हैं। गौर किया जाए टॉक्सिक की रिलीज डेट की तरफ तो 26 अगस्त 2026 को यश की ये बहुचर्चित फिल्म दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी। मालूम हो कि केजीएफ चैप्टर 2 की रिलीज के करीब 4 साल बाद यश इस मूवी से बड़े पर्दे पर वापसी करने जा रहे हैं।

पब्लिक के सवाल- क्या स्कूलों में अब बॉलीवुड गाने पढाए जाएंगे?

पांचवीं कक्षा की किताब में बॉलीवुड फिल्म का एक गाना प्रकाशित होने के बाद ओडिशा राज्य के शिक्षा तंत्र में बवाल मच गया है। राज्य की जनता सवाल पूछ रही हैं कि क्या स्कूली बच्चों को अब बॉलीवुड के गाने पढ़ाए जाएंगे? दरअसल, राज्य के स्कूलों में पांचवीं कक्षा की इंग्लिश वर्कबुक में बॉलीवुड का एक सुपरहिट गाना शामिल किया गया है। सुपरस्टार ऐश्वर्या राय बच्चन और सलमान खान की ब्लॉकबस्टर फिल्म हम दिल दे चुके सनम का मशहूर गाना निंबूड़ा, निंबूड़ा बच्चों के सिलेबस का हिस्सा बनता हुआ दिखाई दे रहा है, जिससे हर कोई हैरान है और शिक्षा व्यवस्था पर सवाल उठा रहा है। यह अजीबोगरीब मामला सामने आने के बाद से नई बहस छिड़ गई है। लोग नाराजगी जाहिर कर रहे हैं कि आखिर छोटे बच्चों की किताबों में कविताओं या ज्ञानवर्धक पाठों की जगह इस तरह के फिल्मी गाने क्यों हैं। सोशल मीडिया पर शिक्षा विभाग और किताब तैयार करने वाले पब्लिशर्स को जमकर ट्रोल किया जा रहा है। वहीं, कुछ लोगों का मानना है कि एजुकेशन सिस्टम में इस तरह का बॉलीवुड तड़का बच्चों के मानसिक विकास और उनके नैतिक मूल्यों के लिहाज से बिल्कुल भी सही नहीं है। यह अजीबोगरीब मामला तब सामने आया, जब ओडिशा के एक सरकारी स्कूल में पढ़ाई कर रहे किसी छात्र के

अभिभावक ने पांचवीं क्लास की वर्कबुक का पन्ना पलटते हुए उस पर निंबूड़ा निंबूड़ा गाना छपा हुआ देखा। किताब के इस खास चैप्टर में लोकगीतों या कविताओं के बजाय बॉलीवुड के इस कमर्शियल गाने के बोल हूबहू लिखे गए थे। हैरान-परेशान अभिभावक ने इस पन्ने की तस्वीर खींचकर सोशल मीडिया पर शेयर कर दी। देखते ही देखते यह पोस्ट आग की तरह वायरल हो गई और लोग इस पर तीखी प्रतिक्रियाएं देने लगे, जिससे शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया। मामले के तूल पकड़ते ही ओडिशा के शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया। शुरुआती जांच और विवाद बढ़ता देख शिक्षा अधिकारियों ने इस मामले से पल्ला झाड़ते हुए सारा ठीकरा प्राइवेट पब्लिशर्स पर फोड़ दिया है। विभाग का कहना है कि यह किताब राज्य सरकार या ऑफिशियल बोर्ड के सिलेबस का हिस्सा नहीं है। यह कुछ स्कूलों में इस्तेमाल की जाने वाली सप्लीमेंट्री वर्कबुक है, जिसे प्राइवेट पब्लिशर ने छापा है। प्रशासन ने इस मामले में संबंधित स्कूल और पब्लिशर के खिलाफ सख्त एक्शन लेने की बात कही है, ताकि भविष्य में ऐसी गलतियों को रोका जा सके। इस घटना ने भारतीय शिक्षा व्यवस्था में किताबों की री-चेकिंग और क्वालिटी कंट्रोल पर गंभीर सवालिया निशान लगा दिया है। प्राइमरी स्कूल के बच्चों का दिमाग बेहद नाजुक होता है। इस उम्र में बच्चों को नैतिक शिक्षा, महान हस्तियों की जीवनियां और लोक संस्कृति से जुड़ी चीजें पढ़ाई जानी चाहिए।

दान घोटाले पर मुकेश खन्ना का बड़ा बयान

अयोध्या के राम मंदिर में हुए कथित दान घोटाले को लेकर देशभर में गंभीर चर्चा हो रही है। इस मामले में जांच के बाद महत्वपूर्ण जानकारियां सामने आई हैं, जिसके चलते मंदिर के चढ़ावे के प्रबंधन में कथित अनियमितताओं को लेकर लोगों में भारी नाराजगी है। उत्तर प्रदेश सरकार और प्रधानमंत्री कार्यालय ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई शुरू कर दी है। इसी बीच, टीवी के शक्तिमान यानी मुकेश खन्ना ने इस मुद्दे पर अपनी कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर भक्तों को खास सलाह देते हुए लिखा है कि मंदिरों में कैश का चढ़ावा भगवान तक नहीं पहुंचता, बल्कि कहीं खो जाता है। उन्होंने इसे लूट बताया और कहा, ये भक्तों को ही नहीं, भगवान को भी लूट रहे हैं। मुकेश खन्ना ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि ना रहेगा बांस, ना बजेगी बांसुरी की तर्ज पर ना चढ़ेगा चढ़ावा, ना होगा घोटाला! इसलिए, पैसों और गहनों का चढ़ावा बंद करें, इससे भगवान प्रसन्न होंगे। पूरा मामला यह है कि एसआईटी की एक रिपोर्ट के अनुसार पिछले चालीस दिनों में मंदिर में सत्तर बार चढ़ावा चोरी हुआ, जिसमें अब तक आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

कुछ नया सीखने के लिए आज भी मेहनत करते हैं शाहरुख : हिरानी

बॉलीवुड फिल्म निर्देशक राजकुमार हिरानी का कहना है कि मनोरंजन जगत में किसी कलाकार की सच्ची पहचान केवल उसके अभिनय से नहीं, बल्कि काम के प्रति उसके समर्पण और व्यावसायिकता से भी बनती है। निर्देशक हिरानी ने शाहरुख खान की लगन की जमकर तारीफ करते हुए बताया कि कैसे शाहरुख, इतना बड़ा नाम और शोहरत हासिल करने के बावजूद, आज भी एक नए सीखने वाले की तरह मेहनत करते हैं, जबकि कुछ कलाकार बहुत जल्दी थक जाते हैं। हिरानी ने किंग खान के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए कहा कि पूरी दुनिया में अपनी पहचान बनाने के बाद भी, उनमें सीखने की ललक आज भी उतनी ही प्रबल है जितनी किसी नए कलाकार में होती है। राजकुमार हिरानी ने अपने लंबे और सफल करियर में विभिन्न पीढ़ियों के बेहतरीन निर्देशकों और अभिनेताओं के साथ काम किया

है। अपने अनुभव को साझा करते हुए उन्होंने बताया, मेरे लिए यह मायने नहीं रखता कि कलाकार कितना सीनियर है या उसे कितना अनुभव है। असली अंतर उसकी सोच और काम के प्रति उसके जुनून से पैदा होता है। उन्होंने आमिर खान, शाहरुख खान, संजय दत्त और अरशद वारसी जैसे अभिनेताओं के काम के प्रति समर्पण को लाजवाब बताया। साथ ही, उन्होंने नई पीढ़ी के रणबीर कपूर और विक्की कौशल जैसे सितारों की भी प्रशंसा की, जो उसी लगन और ईमानदारी के साथ अपने काम को अंजाम दे रहे हैं। हिरानी ने इस आम धारणा को भी खारिज किया कि केवल पुराने दौर के कलाकार ही ज्यादा सहनशील और मेहनती होते थे। उन्होंने साफ किया कि यह पूरी तरह से किसी व्यक्ति की आदत और उसके काम के प्रति सम्मान पर निर्भर करता है। जहां कुछ लोग सेट पर आते ही थकान का बहाना ढूंढते हैं, वहीं कुछ कलाकार हर शॉट को परफेक्ट बनाने के लिए दिन-रात एक कर देते हैं, बिना किसी शिकायत के। अपने इंटरव्यू के दौरान, राजकुमार हिरानी ने शाहरुख खान के काम करने के तरीके का एक बेहद दिलचस्प और प्रेरणादायक उदाहरण दिया। उन्होंने बताया, शाहरुख खान इतने बड़े मुकाम पर होने के बावजूद, हर दिन शूटिंग खत्म होने के बाद अपने सीन की रिहर्सल करते हैं। वे खुद अपने मोबाइल फोन पर उसका वीडियो रिकॉर्ड करके मुझे भेजते हैं, ताकि मैं उसमें कमियां निकाल सकूं और सुधार के सुझाव दे सकूं। हिरानी ने शाहरुख में खुद को बेहतर बनाने की इस चाहत को किसी नए कलाकार जैसा बताया, जो अभी-अभी इंडस्ट्री में आया हो। उन्होंने आगे कहा कि शाहरुख में स्टारडम का कोई घमंड नहीं है और वे रचनात्मक सुझावों को हमेशा खुले दिल से स्वीकार करते हैं।

सूर्या और ज्ञानवेल की जोड़ी

होम्बले फिल्म्स ने अपनी अगली महत्वाकांक्षी पैन-इंडिया सिनेमाई परियोजना की आधिकारिक घोषणा कर दी है। इस फिल्म में साउथ के सुपरस्टार सूर्या, अभिनेत्री कायादू लोहार और प्रशंसित निर्देशक टी. जे. ज्ञानवेल पहली बार एक साथ काम करते नजर आएंगे। विजय किरागांदुर द्वारा निर्मित यह फिल्म एक दमदार कहानी और भव्य विजन के साथ एक पैन-इंडिया अनुभव प्रदान करने का वादा करती है। सूर्या, भारतीय सिनेमा के सबसे लोकप्रिय सितारों में से एक हैं, जो अपनी शानदार परफॉर्मेंस के लिए जाने जाते हैं। उनके इस नए प्रोजेक्ट को लेकर फैंस में जबरदस्त उत्साह है। फिल्म का निर्देशन टी. जे. ज्ञानवेल कर रहे हैं, जिन्होंने अपनी फिल्म जय भीम से देशभर में पहचान बनाई थी, जो अपनी मजबूत कहानी और सामाजिक संदेश के लिए सराही गई थी। केजीएफ, कांतारा और सालार जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में दे चुकी होम्बले फिल्म्स भारतीय फिल्म उद्योग के प्रभावशाली प्रोडक्शन हाउस में से एक बन चुकी है, जो लगातार ऐसी कहानियों को बढ़ावा देती है जो विभिन्न भाषाओं और क्षेत्रों के दर्शकों से जुड़ सकें।

नई सोच एक्सप्रेस
हर खबर पर पैनी नजर
(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

महिला टी20 विश्व कप: इंग्लैंड ने दक्षिण अफ्रीका को 40 रन से हराकर फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी, लंदन

कप्तान नैट साइवर-ब्रंट और पूर्व कप्तान हीदर नाइट की शानदार अर्धशतकीय पारियों के दम पर मेजबान इंग्लैंड ने महिला टी20 विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में गुरुवार को दक्षिण अफ्रीका को 40 रन से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। अब खिताबी मुकाबले में इंग्लैंड की भिड़ंत ऑस्ट्रेलिया से 6 जुलाई को लॉर्ड्स में होगी।

पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड की शुरुआत बेहद खराब रही और टीम महज 23 रन पर तीन विकेट गंवा चुकी थी। इसके बाद चोट से वापसी कर रही नैट साइवर-ब्रंट और हीदर नाइट ने चौथे विकेट के लिए 133 रन की रिकॉर्ड साझेदारी कर टीम को संकट से बाहर निकाला। साइवर-ब्रंट ने केवल 47 गेंदों में 75 रन की विस्फोटक पारी खेली, जिसमें 11 चौके और एक छक्का शामिल रहा। वहीं हीदर नाइट ने 47 गेंदों में 58 रन बनाकर उनका शानदार साथ निभाया। दोनों की बदौलत इंग्लैंड ने निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट पर 169 रन बनाए। दक्षिण अफ्रीका की ओर से शुरुआत में शबनिम इस्माइल और मारिजाने कैप ने बेहतरीन गेंदबाजी की। इस्माइल ने 2 विकेट, जबकि कैप ने अपने चार ओवर में केवल 16 रन देकर एक विकेट हासिल किया। 170 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की टीम नियमित अंतराल पर विकेट गंवाती रही। कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट सिर्फ 13 रन बनाकर आउट हो गईं। सलामी बल्लेबाज ताजमिन ब्रिट्स ने संघर्ष करते हुए 51 रन बनाए, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से पर्याप्त सहयोग नहीं मिला। इंग्लैंड की ओर से गेंदबाजों ने भी शानदार प्रदर्शन किया। लॉरेन बेल और चार्ली डीन ने दो-दो विकेट झटके, जबकि बाकी गेंदबाजों ने भी कसी हुई गेंदबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीका को 20 ओवर में 8 विकेट पर 129 रन तक ही सीमित रखा। मैच के दौरान इंग्लैंड की फील्डिंग भी शानदार रही। सोफी एक्लेस्टोन ने कठिन कैच लपककर दक्षिण अफ्रीका की उम्मीदों को झटका दिया, जबकि डैनी वायट-हॉज की सटीक थ्रो से सिनालो जाफ्टा रन आउट हुईं।

इस जीत के साथ इंग्लैंड ने पिछले कुछ वर्षों में आईसीसी नॉकआउट मुकाबलों में मिली निराशाओं का बदला भी चुकता किया। 2023 महिला टी20 विश्व कप और 2024 महिला वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका से मिली हार का हिसाब बराबर करते हुए इंग्लैंड अब घरेलू सरजमीं पर विश्व चैंपियन बनने से सिर्फ एक जीत दूर है।

भारत के खिलाफ सीरीज से पहले जिम्बाब्वे ने वॉल्श को बनाया पूर्णकालिक गेंदबाजी कोच

एजेंसी, हरारे

भारत के खिलाफ इस महीने के अंत में होने वाली टी20 सीरीज को देखते हुए जिम्बाब्वे क्रिकेट बोर्ड ने वेस्टइंडीज के दिग्गज तेज गेंदबाज कोर्टनी वॉल्श को टीम का पूर्णकालिक गेंदबाजी कोच बनाया है। वॉल्श अब मुख्य कोच जस्टिन सैमंस के साथ मिलकर काम करेंगे। उनका काम टीम के गेंदबाजी आक्रमण को बेहतर बनाना रहेगा। जिम्बाब्वे क्रिकेट ने कहा है कि यह नियुक्ति ब्लेसिंग न्गोंडो की अध्यक्षता वाली क्रिकेट कमेटी की सिफारिशों के आधार पर की गई है, जिसे बोर्ड के चेयरमैन तवेंग्वा मुकुहलानी ने भी अपनी सहमति दे दी है। मुकुहलानी ने कहा, हमें पूरा भरोसा है कि हमारा नया कोचिंग समूह अनुभव, विशेषज्ञता, निरंतरता और नए विचारों से भरपूर जिससे हमारी राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ियों को काफी लाभ होगावॉल्श ने इसी साल टी20 विश्व कप में भी गेंदबाजी सलाहकार के तौर पर काम किया था। उनके मार्गदर्शन में, टीम ने टूर्नामेंट में प्रभावशाली प्रदर्शन किया और ग्रुप-बी में शीर्ष स्थान हासिल करते हुए सुपर-8 तक का सफर तय किया था। उस दौरान गेंदबाजी में देखे गए सकारात्मक बदलावों और सुधारों को देखते हुए, जिम्बाब्वे क्रिकेट ने उन्हें अब पूर्णकालिक रूप से गेंदबाजी कोच की जिम्मेदारी सौंपी है।

वॉल्श को अंतरराष्ट्रीय कोचिंग का भी लंबा अनुभव प्राप्त है। वह 2016 से 2019 तक बांग्लादेश के गेंदबाजी कोच रहे, और 2018 में चंडिका हथुरुसिंघा के इस्तीफे के बाद अंतरिम मुख्य कोच की भूमिका भी निभाई थी। इसके बाद, 2020 में उन्हें वेस्टइंडीज महिला टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया था, जहां उन्होंने 2023 टी20 विश्व कप तक अपनी सेवाएं दीं। एक खिलाड़ी के रूप में, कोर्टनी वॉल्श क्रिकेट इतिहास के सबसे महान तेज गेंदबाजों में गिने जाते हैं।

शार्दुल ठाकुर का लक्ष्य भारतीय टीम में वापसी करना

एजेंसी, मुम्बई

पिछले काफी समय से भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर ने कहा है कि उनका लक्ष्य घरेलू क्रिकेट में लगातार बेहतर प्रदर्शन कर टीम में वापसी करना है। शार्दुल ने कह कि देश की ओर से खेलना हर खिलाड़ी का सपना होता है। मेरा प्रयास भी यही है, साथ ही कहा कि जब भी अवसर मिला है। मैंने टीम को जीत दिलाने में अपना पूरा योगदान दिया है। शार्दुल के अनुसार पिछले साल हुए इंग्लैंड दौरे में उनकी क्षमताओं का सही इस्तेमाल नहीं हुआ जिसके कारण ही वह उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये थे। तब उन्होंने दो मैचों में कुल 27 ओवर गेंदबाजी की और दो विकेट लिए थे। शार्दुल ने दावा किया है कि गेंदबाजी का उन्हें पर्याप्त अवसर नहीं दिया गया। । उनका कहना है कि उन्हें न केवल कम ओवर दिए गए, बल्कि गलत समय पर गेंदबाजी कराई गई, जिससे वह अधिक प्रभावी नहीं रहे। इस ऑलराउंडर ने कहा, जब मैंने इंग्लैंड में खेला तो गेंदबाजी में मेरा सही इस्तेमाल नहीं हुआ। उन्होंने जोर दिया कि उन्हें गेंदबाजी के लिए सही समय पर नहीं लगाया गया। मुझे सिर्फ कम गेंदबाजी नहीं मिली, बल्कि गलत समय पर गेंदबाजी कराई गई। मुझे लगता है कि रणनीति में कहीं न कहीं गलती हुई थी।, उन्होंने कहा कि लीड्स टेस्ट में लगातार दो गेंदों पर बेन डकेट और हैरी ब्रूक के बड़े विकेट लेने के बाद भी उन्हें गेंदबाजी से हटा दिया गया था।

अश्विन यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग में डबलिन गार्डियंस की कप्तानी करेंगे

एजेंसी, मुम्बई। दिग्गज ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन अब यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग (ईटीपीए) में खेलते देखेंगे। अश्विन को पहले सत्र के लिए डबलिन गार्डियंस का कप्तान और मेंटर बनाया गया है। डबलिन गार्डियंस फ्रेंचाइजी के मालिक भारतीय टीम के भारत के पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ हैं। ऐसे में अश्विन का इस टीम से जुड़ना लीग की सबसे बड़ी और रणनीतिक नियुक्तियों में से एक माना जा रहा है। द्रविड़ जैसे दिग्गज के साथ अश्विन का यह जुड़ाव भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों के लिए भी उत्सुकता का विषय है, क्योंकि दोनों का क्रिकेटिंग ज्ञान और रणनीतिक दृष्टिकोण भारतीय टीम के लिए कई बार महत्वपूर्ण साबित हुआ है। अश्विन, जो अपनी चतुराई भरी गेंदबाजी और खेल को गहराई से समझने के लिए जाने जाते हैं। अश्विन फिलहाल अमेरिका में मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) में सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स के लिए खेल रहे हैं। यह दोहरी भूमिका, जिसमें कप्तानी के साथ-साथ मेंटरशिप भी शामिल है, उनके अनुभव और नेतृत्व कौशल का पूरा सदुपयोग करेगी। ईटीपीएल अपने आप में एक ऐतिहासिक पहल है। यह क्रिकेट आयरलैंड, क्रिकेट स्कॉटलैंड और रॉयल डच क्रिकेट एसोसिएशन की साझेदारी में शुरू की गई यूरोप की पहली आईसीसी मान्यता प्राप्त बहु-राष्ट्रीय फ्रेंचाइजी टी20 लीग है।

वैभव को जगह देने सैमसन या ईशान को हटाने के पक्ष में नहीं पुजारा

एजेंसी, नई दिल्ली

पूर्व क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा ने कहा है कि जिस प्रकार से उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में अवसर देने के लिए संजू सैमसन, ईशान किशन या किसी अन्य अनुभवी खिलाड़ी को बाहर किये जाने के सुझाव दिये जा रहे हैं। उससे वह सहमत नहीं हैं। पुजारा के अनुसार वैभव को शामिल करने के लिए सैमसन जैसे विकेटकीपर बल्लेबाज को बाहर किये जाने के बारे में सोचना भी नहीं चाहिये। उन्होंने कहा कि सैमसन जैसे खिलाड़ी को अभी लंबे समय तक टीम में बनाये रखना चाहिये। पुजारा ने कहा, मुझे लगता है कि भारतीय टीम को सैमसन के साथ बने रहना चाहिए। उन्हें वैभव के कारण किसी तरह का दबाव महसूस नहीं करना चाहिए। उन्होंने अपनी प्रतिभा से अपने को साबित किया है और उनकी जगह अंतिम ग्यारह में बनी रहनी चाहिये। इस प्रकर की मांग करना की सैमसन को बारहर बैठा दिया जाये कहीं से ही सही नहीं है। वह एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं और उन्हें लंबे समय तक खेलने का अवसर मिले। साथ ही कहा कि वैभव को जगह देने के लिए किसी भी स्थापित सीनियर खिलाड़ी को बाहर करना गलत होगा। उन्होंने कहा, अगर वैभव को अवसर है, तो उन्हें दें पर किसी को टीम से बाहर करके नहीं, बल्कि किसी खिलाड़ी को आराम देकर। यदि आप उन्हें अवसर देना चाहते हैं, तो यह ठीक है।

बिजनेस

फ्रांसीसी कंपनियों को 'विकसित भारत' में भागीदार बनने के लिए वित्त मंत्री का न्योता

सीतारमण ने कहा, भारत और फ्रांस की रणनीतिक साझेदारी लगातार हो रही है मजबूत

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने फ्रांस के कारोबारियों और निवेशकों को 'विकसित भारत 2047' की यात्रा में भारत के साथ साझेदारी करने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने और दोनों देशों की साझा समृद्धि के लिए काम करने की जरूरत पर जोर दिया।

केंद्रीय वित्त मंत्री ने गुरुवार को पेरिस में आयोजित भारत-फ्रांस व्यापार गोलमेज सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि दोनों देश तकनीक, नवाचार, ऊर्जा और डिजिटल विकास के क्षेत्र में मिलकर काम कर रहे हैं। सीतारमण ने कहा कि भारत और फ्रांस की रणनीतिक साझेदारी लगातार मजबूत हो रही है। उन्होंने फ्रांसीसी निवेशकों से जीवन विज्ञान, टीके, सक्रिय फार्मास्युटिकल सामग्री (एपीआई), नैदानिक अनुसंधान, सटीक चिकित्सा और डिजिटल स्वास्थ्य में दोनों देशों की पूरक शक्तियों का लाभ उठाकर स्वास्थ्य सेवा, फार्मास्यूटिकल्स और जैव प्रौद्योगिकी में साझेदारी की संभावनाओं का पता लगाने का आग्रह किया, ताकि लचीली स्वास्थ्य सेवा मूल्य श्रृंखलाओं का निर्माण किया जा सके। वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि भारत और फ्रांस एआई के क्षेत्र में भरोसेमंद साझेदार हैं। उन्होंने बताया कि भारत में लगभग 1 हजार फ्रांसीसी कंपनियां काम कर रही हैं। निर्मला सीतारमण ने भारत के वित्तीय परिवेश का उल्लेख करते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (आईएफएससीए) एक प्रमुख वैश्विक वित्तीय केंद्र के रूप में उभरा है। वित्त मंत्री ने बताया कि जून 2026 तक इसके साथ 1,200 से अधिक संस्थाएं पंजीकृत थीं, जबकि बैंकिंग परिसंपत्तियां 111 अरब अमेरिकी डॉलर और संचयी बैंकिंग लेनदेन 176 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच चुके हैं।

उन्होंने कहा कि बैंकिंग, कोष प्रबंधन, पट्टे (लीजिंग), वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी), पुनर्बीमा और टिकाऊ वित्त जैसे क्षेत्रों में अवसर तेजी से बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत और फ्रांस वैश्विक कृत्रिम मेधा (एआई) परिवेश को आकार देने में विश्वसनीय साझेदार हैं और विश्वसनीय एआई, डिजिटल अवसंरचना तथा अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकियों में सहयोग का दायरा बढ़ा सकते हैं। सीतारमण ने कहा कि आधार, यूपीआई, डिजिलॉकर, ओएनडीसी और इंडिया स्टैक जैसी डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना से संचालित भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था दुनिया में होने वाले वास्तविक समय के डिजिटल भुगतान का लगभग आधा हिस्सा संभालती है।

शुरुआती कारोबार में उतार-चढ़ाव के बीच शेयर बाजार में तेजी, सेंसेक्स और निफ्टी उछले

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान उतार-चढ़ाव के बीच तेजी का रुख रहा। कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ हुई । हालांकि बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण बाजार की चाल में मामूली गिरावट भी आई, लेकिन थोड़ी देर बाद ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया।

सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.61 प्रतिशत और निफ्टी 0.66 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। प्रातः 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट की दिग्गज कंपनियां में से एचसीएल टेक्नोलॉजी, टाटा स्टील, बजाज फिनसर्व, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज और डॉक्टर रेड्डीज लेबोरेट्रीज के शेयर 3.73 प्रतिशत से लेकर 1.94 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, अदानी एंटरप्राइजेज, टीएमपीवी, महिंद्रा एंड महिंद्रा, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और टेक महिंद्रा के शेयर 0.48 प्रतिशत से लेकर 0.34 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे।

स्टॉक मार्केट में क्रेजी स्नैक्स की मजबूत शुरुआत, फायदे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी, नई दिल्ली

बेकरी आइटम और कई तरह के स्नैक्स बनाने वाली कंपनी क्रेजी स्नैक्स के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूती के साथ एंट्री कर अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 42 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 4.76 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 44 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर 46.20 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गया। हालांकि थोड़ी देर बाद ही बिकवाली शुरू हो जाने के कारण इसका अपर सर्किट ब्रेक हो गया। दोपहर 11:30 बजे तक का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 44.55 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशक प्रति शेयर 2.55 रुपये यानी 6.07 प्रतिशत के फायदे में थे। क्रेजी स्नैक्स का 31.47 करोड़ रुपये का आईपीओ 25 से 30 जून के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.21 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 4.75 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 1.08 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.26 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 25.20 करोड़ रुपये के 60 लाख नए शेयर 6.27 करोड़ रुपये के 15 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं। आईपीओ में नए शेयरों की बिक्री से जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी नई मशीनरी खरीदने, पुराने कर्ज के बोझ को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 3.54 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 5.32 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 6.33 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को छह करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका था। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में मामूली उतार चढ़ाव के बावजूद बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 89.17 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 129.08 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में फिसल कर 111.63 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को 87.56 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका था।

गुजरात और असम के क्षेत्रों में नेटवर्क गुणवत्ता की जांच में बीएसएनएल का प्रदर्शन सबसे खराब

एजेंसी, नई दिल्ली

असम और गुजरात के कुछ जिलों के अलग-अलग क्षेत्रों में धरातलीय स्तर पर इंडिपेंडेंट ड्राइव टेस्ट (आईडीटी) के दौरान बीएनएनएल का नेटवर्क सबसे खराब दर्ज किया गया। वहीं, दूसरे नंबर पर वोडाफोन-आइडिया रहा। इसके बाद एयरटेल और अगले स्थान पर जियो का रहा। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के अनुसार जांच में मुख्य रूप से असम के डिब्रूगढ़ और तिनसुकिया जिला तथा गुजरात का भरूच शहर और आसपास के इलाकों सहित 11 हॉटस्पॉट को शामिल किया गया था। ड्राइव टेस्ट में सभी टीएसपी के सिम कार्ड 2जी, 3जी, 4जी और 5जी का उपयोग किया गया है। इसके माध्यम से यह पता लगाया जाता है कि सार्वजनिक स्थलों सहित अन्य स्थलों पर नेटवर्क की स्पीड कितनी है। जांच के दौरान पता चला है कि बेहतर नेटवर्क गुणवत्ता के दावे के बावजूद इसमें कवरेज गैप, वॉयस सर्विस, कॉल साइलेंस इंस्टेंस और डेटा सर्विस जैसी खामियां पाई गई हैं। ट्राई के जयपुर रीजनल ऑफिस की देखरेख में गुजरात में यह टेस्ट 5 से 8 मई 2026 के बीच किया गया था, जिसमें 361.2 किलोमीटर तक ड्राइव टेस्ट का उपयोग किया गया। यह टेस्ट ट्राई सेवा की गुणवत्ता के मुख्य पैमानों जैसे कवरेज, कॉल ड्रॉप रेट (सीडीआर), कॉल सेटअप सक्सेस रेट (सीएसएसआर), डेटा डाउनलोड और अपलोड थ्रूपुट आदि पर टीएसपी के प्रदर्शन को रिकॉर्ड करता है।

सर्राफा बाजार में महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

एजेंसी, नई दिल्ली । घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान तेजी का रुख बना हुआ है। भाव में आए उछाल के कारण आज चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर दूसरे सर्राफा बाजार में सोना 2,770 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 3,020 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया। वहीं चेन्नई में सोने के भाव में 1500 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,630 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी दर्ज की गई है। चांदी के भाव में भी आज 5,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक की मजबूती दर्ज की गई है। सोने की कीमत में आई तेजी के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,43,790 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,46,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,31,810 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,34,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी उछाल आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,45,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

कुसुमगर लि. का आईपीओ 08 जुलाई को खुलेगा, प्राइस बैंड 398-419 रुपये प्रति शेयर

एजेंसी, मुंबई

सिंथेटिक फैब्रिक बनाने वाली कंपनी कुसुमगर लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 08 जुलाई को खुलेगा। निवेशक इसमें निवेश के लिए 10 जुलाई, 2026 तक बोली लगा सकते हैं। इसके लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 398-419 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी ने शुक्रवार को यहां आयोजित प्रेसवार्ता में बताया कि कुसुमगर लिमिटेड का आईपीओ 08 जुलाई को खुलेगा और 10 जुलाई, 2026 को बंद होगा। इसमें निवेश के लिए एंकर निवेश 7 जुलाई को बोली लगा सकते हैं। कंपनी ने इसके लिए लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 398-419 रुपये प्रति शेयर तय किया है। कुसुमगर लिमिटेड का आईपीओ 650 करोड़ रुपये का ऑफर फॉरसेल (ओएफएस) है। कंपनी के 1 रुपये अंकित मूल्य वाले इस इश्यू में निवेशक न्यूनतम 35 इक्विटी शेयरों के लिए और उसके बाद 35 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगा सकते हैं। कंपनी अपने पात्र कर्मचारियों के लिए 3.5 करोड़ रुपये के शेयर आरक्षित किए हैं, जो उन्हें अंतिम निर्गम मूल्य पर 39 रुपये प्रति शेयर की छूट पर प्राप्त होंगे। इसके शेयरों के अलॉटमेंट को 13 जुलाई तक अंतिम रूप दिए जाने की उम्मीद है। कंपनी के शेयर 15 जुलाई को शेयर बाजार में सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आरती कुमारी द्वारा अभिषेक प्रिंटिंग प्रेस, नया टोला, काजीपुर, पटना- 800004, से मुद्रित एवं मुसल्लहपुर हाट, रामपुर लेन, पटना 800006 से प्रकाशित। संपादक- अविनाश। संपादकीय कार्यालय : 8 वां तल्ला, रश्मि कॉम्प्लेक्स, पीएनटी कॉलोनी, किदवईपुरी, पटना- 800001, RNI: BIHHIN\2019/77032, फोनः 0612-2524441, 2951617, 9472072441, 9472244606, समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेवार।